दैनिक

लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार ,झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित

RNI-UPHIN/2014/58471

अमन लेखनी

प्यार से सिखाते-समझाते हुए...

वैचारिक जनादेश भी....

वर्ष : 12 | अंक : 134 | लखनऊ, 06 मई, बुधवार 2026 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 2.00 रुपए

खबर संक्षेप

संगमेश्वर में नाव पलटने से मासूम समेत 2 लापता

बांसवाड़ा। जिले में मंगलवार दोपहर एक दर्दनाक हादसा सामने आया, जब संगमेश्वर नदी में 10 लोगों से भरी नाव अनियंत्रित होकर पलट गई। घटना अरथूना क्षेत्र में करीब 3 बजे हुई। हादसे के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई और आसपास के लोग भी बड़ी संख्या में नदी किनारे जुट गए। नाविक सहित 8 लोगों ने तैरकर अपनी जान बचाई।

ओवरटेक के चक्कर में गई 5 लोगों की जान

नूंह। जिले में कुंडली-मानेसर-पलवल एक्सप्रेसवे पर मंगलवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में 5 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। यह हादसा धुलावट टोल प्लाजा के पास करीब सुबह 10:30 बजे हुआ। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और राहत दल ने बचाव कार्य शुरू कर दिया। लोगों के बताया वाहन चालक ने ओवरटेक की कोशिश की थी।

बंगाल के नतीजे देखकर मोइत्रा ने बदले सुर

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा ने मंगलवार को बंगाल में भाजपा की जबरदस्त जीत पर अपनी चुप्पी तोड़ी, तो उनके सुर बदले हुए नजर आए। पहले आक्रामक थीं। महुआ ने एक्स पर किए ट्वीट में लिखा- अगर बंगाल को भाजपा चाहिए थी, तो बंगाल को भाजपा मिल गई। मगर इसी ट्वीट के आखिरी में उन्होंने लड़ाई जारी रखने के संकेत दिए।

स्कूली बस खाई में गिरी, 30 बच्चे सुरक्षित

नई दिल्ली। अंबेडकरनगर में स्कूली बस अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई और पेड़ से टकराकर अटक गई। बस में सवार 30 बच्चे सुरक्षित बच गए, जबकि एक शिक्षिका को हल्की चोट आई। लोगों ने शीशा तोड़कर बच्चों को बाहर निकाला, जिससे हादसा टल गया। कुछ बच्चे घायल हो गए थे। घायल बच्चों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बाल श्रम करते 40 बच्चे रेस्क्यू, यूनिट लॉक

पूर्वी दिल्ली। जगजीत नगर, घोंडा में बाल श्रम के संबंध में मिली एक गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए, यमुना विहार के एसडीएम ने कार्रवाई शुरू की। 4 यूनिट और 2 दुकानों को सील कर दिया गया। लगभग 40 नाबालिग बच्चों को बचाया गया। बाल श्रम में बच्चों को लगाए जाने के संबंध में एक शिकायत प्राप्त हुई थी। इसके बाद उस्मानपुर पुलिस स्टेशन ने कार्रवाई की।

आम आदमी पार्टी के बीच चल रही रार पहुंची राष्ट्रपति के 'द्वार'

पंजाब सरकार हम पर कर रही बदले की कार्रवाई

सरकारी तंत्र का 'खतरनाक' दुरुपयोग हो रहा

राज कुमार सिंह चौहान ब्यूरो प्रमुख / नई दिल्ली,

आम आदमी पार्टी के बीच चल रही रार आज राष्ट्रपति भवन तक पहुंच गई। पंजाब के सीएम भगवंत मान अपने सभी विधायकों के साथ दिल्ली राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिलने पहुंचे। वहीं उनसे पहले आप छोड़ चुके राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा, संदीप पाठक, अशोक मित्तल, राजेंद्र गुप्ता ने राष्ट्रपति से मुलाकात की। मुलाकात के बाद सांसद राघव ने आप और पंजाब सरकार पर बड़े आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि हमने राष्ट्रपति को बताया कि पंजाब सरकार किस तरह उन सांसदों के खिलाफ बदले की खतरनाक राजनीति के लिए सरकारी मशीनरी का इस्तेमाल कर रही है, जिन्होंने आप छोड़कर भाजपा भाजपा में शामिल हो गए। वर्ल्ड कप विजेता हरभजन सिंह के घर के बाहर आप कार्यकर्ताओं ने पंजाब पुलिस की मदद से गद्दार लिख दिया था। पंजाब में पद्मश्री राजेंद्र गुप्ता की फैक्टरी का पानी का कनेक्शन काट दिया गया। आप ने संदीप पाठक के खिलाफ भी दुर्भावनापूर्ण और मनगढ़ंत एफआईआर दर्ज करवाईं और मीडिया के जरिए यह बात फैलाई गई कि उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा।

आप छोड़ चुके रास सांसद चड्ढा, संदीप, अशोक और गुप्ता की राष्ट्रपति से मुलाकात

राघव ने अपने साथियों के साथ मान सरकार पर उठाए सवाल | क्रिकेटर हरभजन के घर पर तो गद्दार तक लिख दिया था

जो खेल शुरू किया गया, अंजाम बहुत बुरा होगा

मैं आप को बताना चाहता हूं कि उन्होंने विजिलेंस बोर्ड और प्रदूषण बोर्ड की मदद से बदले का एक खतरनाक खेल शुरू किया है, लेकिन इसका अंजाम बहुत बुरा होगा। बताया जा रहा है कि गला निशाना मैं हूं। पंजाब सरकार ने सोशल मीडिया पर हमें धमकाने के लिए एजेंसियों को हायर किया है। आप यह सब पंजाब सरकार के फंड का इस्तेमाल करके कर रही है।

मान बोले पंजाब से धोखा किया, 'लोकतंत्र की हत्या' की जाखड़ का मान पर तंज

मुलाकात के बाद सीएम मान ने कहा कि मंगलवार को राष्ट्रपति के सामने हमने देश में हो रही 'लोकतंत्र की हत्या' के खिलाफ मजबूती से आवाज बुलंद की है। असंवैधानिक तरीके से पार्टियों को तोड़ना और ईडी-सीबीआई जैसी केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग करके दागी नेताओं को भाजपा की 'वाशिंग मशीन' में साफ करना हमारे लोकतांत्रिक ढांचे के साथ सीधा खिलवाड़ है। हमने स्पष्ट कर दिया है कि पंजाब में 'ऑपरेशन लोटस' की घटिया चालें कभी भी कामयाब नहीं होंगी। हमारे विधायक लाखों पंजाबियों की आवाज हैं और पंजाबी कभी गद्दारी बर्दाश्त नहीं करते। हम जनता के जनादेश और संविधानिक मूल्यों की रक्षा के लिए आखिरी सांस तक लड़ेंगे।

बस भाजपा कार्यालय की ओर न मुड़ जाए

इस प्रकरण पर भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष सुनील जाखड़ ने कहा कि सुना है कि सीएम मान वोल्वो बसों में सभी विधायकों को लेकर दिल्ली में राष्ट्रपति से मिलने जा रहे हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि सीएम को बहुत ध्यान रखना होगा कहीं आप विधायकों की बस भाजपा कार्यालय की ओर न मुड़ जाए।

दिल्ली हाई कोर्ट का आदेश

केजरीवाल, सिसोदिया और दुर्गेश पाठक को अब जवाब दाखिल करने का हक खत्म

दिल्ली हाई कोर्ट में आबकारी नीति से जुड़े मामले में सुनवाई हुई। आबकारी नीति से जुड़े सीबीआई मामले में अदालत की सहायता के लिए एमिकस क्यूरी नियुक्त करने का निर्णय लिया है। यह कदम उस समय उठाया गया, जब मामले के तीन प्रमुख पक्षकार, अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और दुर्गेश पाठक सुनवाई में शामिल नहीं हुए। जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा की कोर्ट ने आदेश पारित किया है। सीबीआई ने निचली अदालत के उस फैसले को चुनौती दी है, जिसमें इन नेताओं को आरोपमुक्त किया गया था। हाई कोर्ट में संबंधित पक्षों की गैर-हाजिरी को गंभीरता से लेते हुए अदालत ने एमिकस नियुक्त करने का फैसला किया, ताकि मामले की निष्पक्ष और प्रभावी सुनवाई सुनिश्चित की जा सके।

नहीं होगा रिकॉर्ड, 8 को सुनवाई

कोर्ट ने तीनों नेताओं के जवाब दाखिल करने के अधिकार को भी खत्म कर दिया है। यदि अब कोई जवाब दाखिल किया जाता है, तो उसे रिकॉर्ड पर स्वीकार नहीं किया जाएगा। अगली सुनवाई 8 मई को निर्धारित की गई है, जहां इस पर आगे की कानूनी प्रक्रिया जारी रहेगी। इस मामले में पूर्व की आम आदमी पार्टी सरकार के लोगों के नाम जुड़े हुए हैं।

बिहार में कैबिनेट विस्तार कल

शाह के साथ कई केंद्रीय मंत्री व कई मुख्यमंत्री शामिल होंगे

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

बिहार की सियासत में बड़ी खुशखबर सामने आई है। सम्राट चौधरी की सरकार बनने के 22 दिन बाद 7 मई को राजधानी पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में भव्य कैबिनेट विस्तार समारोह आयोजित होगा। इसे लेकर प्रशासनिक और राजनीतिक स्तर पर तैयारियां तेज कर दी गई हैं। वीवीआईपी के कार्यक्रम को देखते हुए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी के अनुसार समारोह में नरेन्द्र मोदी, अमित शाह, राष्ट्रीय अध्यक्ष नतिनि नवीन, पूर्व सीएम नीतीश कुमार और भाजपा के कई वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। साथ ही विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री भी इस बड़े आयोजन के गवाह बनेंगे। वीवीआईपी मौजूदगी को देखते हुए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए जा रहे हैं।

चुनाव के कारण टला था विस्तार

5 राज्यों में चल रहे विधानसभा चुनाव के चलते बिहार में मंत्रिमंडल विस्तार टल गया था। अब तीन राज्यों में एनडीए की जीत के बाद गठबंधन उत्साहित है और इसी ऊर्जा के साथ शपथ ग्रहण को भव्य रूप देने की तैयारी की जा रही है। बताया जा रहा है कि इस विस्तार में कई नए चेहरों को मंत्रिमंडल में जगह मिल सकती है। जातीय और क्षेत्रीय संतुलन साधने के साथ-साथ संगठन में सक्रिय नेताओं को भी मौका दिए जाने की चर्चा है। जदयू और भाजपा के मंत्रियों की संख्या समान रहेगी। पहले मंत्री रह चुके कुछ नेताओं का विभाग बदलने की भी चर्चा है। इनमें भाजपा से 12, जदयू से 11, लोजपा (रामविलास) से और रालोमो व हम से एक-एक मंत्री बनेंगे। गृह विभाग और विधानसभा अध्यक्ष का पद भाजपा अपने पास ही रखेगी। जदयू, रालोमो और हम कोई खास प्रयोग नहीं करेगी।

गांधी मैदान में पहली बार होगा आयोजन

नीतीश कुमार ने 2025 में चुनाव जीतने के बाद यहीं शपथ ली थी, लेकिन इस बार खास बात यह है कि केवल मंत्रियों का शपथ ग्रहण होगा। गांधी मैदान के इतिहास में यह संभवतः पहली बार होगा जब मुख्यमंत्री नहीं, बल्कि सिर्फ मंत्रियों का सामूहिक शपथ ग्रहण आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम को शक्ति प्रदर्शन और राजनीतिक संदेश दोनों के तौर पर देखा जा रहा है, जिससे आने वाले समय की रणनीति के संकेत भी मिल सकते हैं।

सीएम ममता ने दिया था सेवा विस्तार

कोलकाता के डीसीपी सिन्हा के खिलाफ ईडी का 'लुकआउट'

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

कोलकाता के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) शांतनु सिन्हा के खिलाफ लुक आउट नोटिस जारी किया गया है। शांतनु सिन्हा के देश छोड़कर भागने की आशंका के चलते ईडी ने यह लुकआउट नोटिस जारी करवाया है। बताया जा रहा है कि ईडी ने यह लुकआउट नोटिस सोना पप्पू केस से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जारी किया गया है।

शांतनु सिन्हा 2025 में कोलकाता पुलिस से सेवानिवृत्त हो चुके थे लेकिन टीएमसी सरकार द्वारा उन्हें सेवा विस्तार दिया गया था और वह अब भी राज्य पुलिस में कार्यरत हैं। 'सोना पापू सिंडिकेट' मामला पश्चिम बंगाल में जमीन कब्जाने, जबरन वसूली और रियल एस्टेट से जुड़े कथित 40 करोड़ रुपए से अधिक के हवाला लेनदेन और मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़ा एक बड़ा मामला है।

इसी मामले में ईडी ने उन पर शिकंजा कसा है। अब उन पर गिरफ्तारी की तलवार लटकी हुई है।

कर्नाटक में बदलाव के संकेत

दिल्ली से बुलावा मिला तो जाएंगे सिद्धारमैया, डीके बनेंगे सीएम!

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया ने कैबिनेट फेरबदल, नेतृत्व परिवर्तन और हालिया चुनावी नतीजों पर कई अहम बयान दिए। कैबिनेट में संभावित फेरबदल को लेकर पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि इस पर फैसला पार्टी हाईकमान के स्तर पर होगा।

उन्होंने स्पष्ट किया कि हमें जब बुलाया जाएगा, तब हम दिल्ली जाएंगे। नवंबर 2025 में सरकार के ढाई साल पूरे होने के साथ ही कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलें फिर तेज हो गईं। 2023 में कांग्रेस की जीत के समय ही हो गई थी, जब संकेत मिले थे कि सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार के बीच ढाई-ढाई साल के पावर शेयरिंग फॉर्मूले पर सहमति बनी है।

शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनाने की उनके समर्थकों की मांग पर सिद्धारमैया ने कहा कि इसमें कुछ भी गलत नहीं है। उनके इस बयान को राज्य कांग्रेस में चल रही अंदरूनी चर्चाओं के संदर्भ में अहम है।

जालौन में तेज रफ्तार कार डंपर में जा घुसी

10 मिनट एंबुलेंस में तड़पते रहे लोग अंधेरे ही में किया इलाज, 8 की मौत

घायलों को तत्काल स्ट्रेचर या वार्ड बॉय की मदद नहीं मिली

अमन लेखनी समाचार/ उरई,

यहां के उरई के कालपी के चौरासी गुंबद के पास तेज रफ्तार कार के डंपर में घुसने से हुए हादसे में घायल लोगों को जब एंबुलेंस से उरई मेडिकल कॉलेज लाया गया तो वहां की स्वास्थ्य व्यवस्था की पोल खुल गई। इमरजेंसी के बाहर एंबुलेंस पहुंचने के बाद भी घायलों को तत्काल स्ट्रेचर या वार्ड बॉय की मदद नहीं मिल सकी। घायल करीब 10 मिनट तक एंबुलेंस के अंदर ही तड़पते रहे। लोगों और परिजनों ने बताया कि इमरजेंसी के बाहर कोई भी वार्ड बॉय मौजूद नहीं था, जिससे घायलों को उतारने में भारी देरी हुई। जैसे ही मरीजों को इमरजेंसी में ले जाया गया, अचानक बिजली गुल हो गई और पूरा परिसर अंधेरे में डूब गया।

नूंह में यूपी पुलिस के 4 सिपाही और वादी की मौत

अपहरण के एक मामले में कार्रवाई करने हरियाणा गई कोतवाली उरई पुलिस टीम मंगलवार सुबह भीषण सड़क हादसे का शिकार हो गई। नूंह जनपद के तावडू सदर थाना क्षेत्र में हुए इस हादसे में 4पुलिसकर्मियों समेत एक वादी की मौके पर ही मौत हो गई। टीम आरोपियों की तलाश में तावडू क्षेत्र पहुंची थी, तभी मंगलवार सुबह करीब 10 बजे उनकी गाड़ी हादसे का शिकार हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस विभाग में शोक की लहर दौड़ गई।

राजस्थान विस में 'समिति प्रणाली' में बोले मप्र के स्पीकर तोमर

समितियों को प्रभावी बनाने से बढ़ेगी विस की कार्यक्षमता

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

मध्य प्रदेश विधानसभा में अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा है लोकतंत्र केवल संविधान के प्रावधानों से नहीं, बल्कि जन-आकांक्षाओं को नीतियों में बदलने वाली संस्थाओं से चलता है। इसके लिए समिति प्रणालियां मजबूत होना बेहद जरूरी है। यह तभी संभव होगा जब संवाद, सहमति और सहयोग के माध्यम से बेहतर निर्णय लिए जाएंगे। यहां राजस्थान विधानसभा में समिति प्रणाली की समीक्षा के लिए गठित पीठासीन अधिकारियों की समिति की दूसरी बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता करते हुए स्पीकर तोमर ने कहा कि समितियों को प्रभावी बनाने से न केवल विधायिका की कार्यक्षमता बढ़ेगी, बल्कि जनता का विश्वास भी सुदृढ़ होगा।

मप्र, उप्र, राजस्थान, ओडिशा, सिक्किम हिमाचल के अध्यक्षों ने रखे | मध्यप्रदेश विस के प्रयासों का भी किया जिक्र

समितियां संवैधानिक प्रावधान नहीं लोकतंत्र की आत्मा हैं

तोमर ने कहा कि समिति प्रणाली लोकतांत्रिक शासन का वह आधारभूत स्तंभ है, जो नीति निर्माण को व्यावहारिक और उत्तरदायी बनाता है। समितियां केवल संवैधानिक प्रावधान नहीं, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा हैं। हमारा दायित्व है कि हम इस प्रणाली को केवल औपचारिकता तक सीमित न रखें। जब समितियां सशक्त होंगी, तभी विधायिका सशक्त होगी। लोकतंत्र विश्वसनीय होगा।

संवाद, सहमति से ही बेहतर निर्णय संभव

समिति प्रणाली हमें सिखाती है कि संवाद, सहमति और सहयोग के माध्यम से ही बेहतर निर्णय लिए जा सकते हैं। इसे प्रभावी बनाने से न केवल विधायिका की कार्यक्षमता बढ़ेगी, बल्कि जनता का विश्वास भी सुदृढ़ होगा। समिति की पहली बैठक 14 जुलाई 2025 को मप्र विधानसभा में हुई थी।

6 राज्यों के विधानसभा अध्यक्ष हुए शामिल

बैठक में पश्चिम बंगाल को छोड़ कर सात में से 6 राज्यों मध्य प्रदेश विधान सभ के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर, राजस्थान विधान सभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, उत्तर प्रदेश विधान सभा के अध्यक्ष सतीश महाना, हिमाचल प्रदेश विधान सभा के अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया, ओडिशा विधान सभा की अध्यक्ष सुरमा पाढ़ी और सिक्किम विधान सभा के अध्यक्ष मिंगमा नोरबू शेरपा शामिल हुए। गौरतलब है कि समिति की पहली बैठक 14 जुलाई 2025 को मध्यप्रदेश विधानसभा में आयोजित हुई थी, जिसमें विभिन्न राज्यों की विधानसभाओं के अध्यक्ष एवं प्रमुख सचिव उपस्थित हुए थे। इस बैठक में समिति प्रणाली के सुदृढ़ीकरण तथा जनकल्याण में इसकी भूमिका को और अधिक प्रभावी बनाने के संबंध में विचार-विमर्श हुआ था।

कैबिनेट के फैसले

गन्ना-कपास किसानों को सौगात 2 सेमीकंडक्टर इकाइयों को मंजूरी

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

भारतीय अर्थव्यवस्था को नई गति देने और प्रमुख औद्योगिक व कृषि क्षेत्रों को मजबूती प्रदान करने के उद्देश्य से, केंद्र सरकार ने कई अहम आर्थिक फैसलों पर मुहर लगाई है।

सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट की बैठक के बाद इन महत्वपूर्ण फैसलों की जानकारी दी। इन फैसलों में मुख्य रूप से विमानन क्षेत्र, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम , कृषि नीतियां और समुद्री बुनियादी ढांचा शामिल हैं, जो देश के समग्र विकास और रोजगार सृजन को रफ्तार देने के लिए अहम माने जा रहे हैं। इन पर कुल लगभग 1.52 लाख करोड़ खर्च किए जाएंगे। कपास उत्पादन बढ़ाने के लिए 'कपास कांती मिशन' पर 5,659 करोड़ रुपए खर्च होंगे, वहीं 2026-27 सीजन के लिए गन्ने के उचित एवं लाभकारी मूल्य से जुड़ा फैसला भी लिया गया है। आर्थिक गतिविधियों को गति देने के लिए ईसीसीएलजीएस 5 योजना पर 18,100 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।

बच्चों को अच्छी कहानियों, कविताओं से करें शिक्षित

सीएम ने शिक्षामित्रों को दिया मंत्र: प्यार से पढ़ायें, मारपीट कभी नहीं, घर-घर जाकर बच्चों को स्कूल लायें

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ/ गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शिक्षामित्र सम्मान समारोह में एक मार्गदर्शक की भूमिका में भी नजर आए। उन्होंने शिक्षामित्रों को बच्चों के साथ विशिष्ट व्यवहार का मंत्र भी दिया। सीएम ने कहा कि हर बच्चे के मन में पढ़ने की तमन्ना हो, यह अभिभावक, शिक्षक और समाज, तीनों की जिम्मेदारी है। शिक्षामित्र सिर्फ पढ़ाने तक सीमित न रहें, बल्कि हर बच्चे को स्कूल तक लाने का अभियान भी चलाएं। शिक्षक और शिक्षामित्र बच्चों की नींव तैयार करने वाले कारीगर हैं।

शिक्षामित्रों से मुख्यमंत्री ने कहा कि बच्चों के साथ कभी मारपीट नहीं होनी चाहिए। पिटाई से बच्चा जिद्दी व ढीठ हो जाएगा। उसे प्यार से समझाइए। अच्छी कहानियों, कविताओं और आदर्श उदाहरणों से प्रेरित कीजिए। अपने परिवार की खींचतान स्कूल या बच्चों तक नहीं लाइए। स्कूल आते समय तनाव को घर पर ही छोड़ दीजिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर हम अच्छी पीढ़ी तैयार करेंगे, तो यही पीढ़ी हर क्षेत्र में अच्छे लोग लेकर आएगी। अच्छे शिक्षक, अच्छे डॉक्टर, ईमानदार व्यापारी, अच्छे किसान, योग्य नौकरशाह, अच्छी पुलिस और अच्छे राजनेता भी। राजनेता कोई ऊपर से टपककर नहीं आते। आप जिन बच्चों को पढ़ा रहे हैं, वही आगे चलकर राजनेता भी बनेंगे। इसलिए जैसा पौधा आप रोपेंगे, वैसा ही फल भी मिलेगा। हमें सकारात्मक भावना के साथ कार्य करना चाहिए। आप सब में बेहतर परिणाम देने की सामर्थ्य है। नकारात्मक सोच त्याग दें। मुख्यमंत्री ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि मुझे आज बहुत अच्छा लग रहा था। बेसिक शिक्षा परिषद के एक विद्यालय की प्रधानाचार्या से मैंने पूछा कि वहां कितने बच्चे हैं? उस विद्यालय में 280 बच्चे पढ़ रहे हैं। यह संख्या बताती है कि वहां कुछ अच्छा हो रहा है, सकारात्मक प्रयास हो रहा है। जब मैं सांसद था, तब भी स्कूलों और आंगनवाड़ी केंद्रों का भ्रमण करता था और आज भी फील्ड में जाते समय विद्यालय अवश्य जाता हूं। बच्चों से संवाद करना मुझे बहुत अच्छा लगता है। सीएम योगी ने एक रोचक प्रसंग सुनाया। उन्होंने कहा कि एक बार मैं एक आंगनवाड़ी केंद्र गया। वहां 3 से 5 साल के 20-22 बच्चे थे। मैं चुपचाप बाहर से देख रहा था।

आंगनवाड़ी की बहनें बच्चों को बहुत प्यार से गाती हुई गिनती सिखा रही थीं- ह्यएक-एक-एक मेरी नाक एक दो-दो-दो मेरी आंखें दो। बच्चे भी दोहरा रहे थे। जब वे अंदर गए तो बहनें हिचकिचाईं। जब मैंने एक बच्चे ने पूछा कि क्या पढ़ा तो उसने तुरंत कहा- ह्यएक-एक-एक मेरी नाक एकह्व और दूसरे ने अपनी आंखें दिखाते हुए कहा- ह्यदो-दो-दो मेरी आंखें दोह्व। देखिए, कितनी आसानी से उदाहरण देकर बच्चों को गिनती सिखाई जा रही थी। ऐसे अच्छे उदाहरणों से हम बच्चों को बहुत कुछ सिखा सकते हैं। सीएम ने शिक्षामित्रों को जिम्मेदारी सौंपी कि वे अभिभावकों को जागरूक करें। बच्चे साफ-सुथरे कपड़ों में आएं, स्नान करके आएं, बाल बनाकर आएं। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि रविकिशन की नकल करने की जरूरत नहीं, छोटे-छोटे बाल होने चाहिए। 2017 से पहले 60-70% बच्चे नंगे पैर या चप्पल पहनकर आते थे। अब सरकार दो यूनिफॉर्म, स्वेटर, जूते-मोजे दे रही है, इसलिए अभिभावकों को भी अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए। जुलाई के पहले सप्ताह में स्कूल खुलने वाले हैं, इसलिए मुख्यमंत्री ने शिक्षामित्रों से अपील की कि स्कूल चलो अभियान का एक और दौर चलाएं। शिक्षक आधा घंटा पहले स्कूल पहुंचें।

मानदेय वृद्धि से शिक्षामित्रों के चेहरों पर चमका मान-सम्मान का भाव

गोरखपुर। बेसिक शिक्षा के उन्नयन में योगदान देने के बावजूद 2017 के पहले तक खुद को उपेक्षित महसूस करने वाले प्रदेश के 1.43 लाख शिक्षामित्रों के चेहरों पर योगी सरकार ने मान-सम्मान का मुस्कुराता भाव बिखेर दिया है। मानदेय में 80 प्रतिशत वृद्धि और पांच लाख रुपये के कैशलेस इलाज की सुविधा से अभिभूत हुए शिक्षामित्रों का कहना है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उनकी उपेक्षा को दूर कर दिल जीत लिया है। गोरखपुर में आयोजित प्रदेशस्तरीय शिक्षामित्र सम्मान समारोह में शामिल होने आए शिक्षामित्र यह कहते नहीं थक रहे थे, बहुत बहुत आभार मुख्यमंत्री जी। शिक्षामित्र सम्मान समारोह के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने योगिराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में लगाई गई शैक्षिक प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने समेकित शिक्षा के स्टाल पर वह बच्चों की मेधा से बेहद प्रभावित हुए। यहां उन्होंने कॉक्लियर इंप्लांट के सहयोग से स्पीच थेरेपी लेते हुए शिक्षा ग्रहण कर रही बालिका से उसकी पढ़ाई और सीखने पर बात की। सीएम योगी ने श्रवण बाधित बालिका कविता के साथ साइन लैंग्वेज में उसके द्वारा सीखे गए पाठों के अधिगम को भी समझा। इसी क्रम में मुख्यमंत्री को दृष्टिबाधित बालिका ने ब्रेल लिपि से अपने पाठ्यवस्तु को पढ़कर सुनाया। उसका धाराप्रवाह पाठ सुनकर सीएम योगी बेहद खुश हुए। उन्होंने अपने मंचीय संबोधन में बेसिक शिक्षा विभाग की शैक्षिक प्रगति को बताते हुए दृष्टिबाधित बालिका के फरार्टेदार ब्रेल लिपि पढ़ने के अनुभव को साझा करते हुए कहा कि दृष्टिबाधित छात्रा बिल्कुल उतनी ही तीव्रता से हिंदी को पढ़ रही थी, जिस तीव्रता से हम सभी बोल रहे हैं। यह बेसिक शिक्षा विभाग की शैक्षिक प्रगति का एक बेहतरीन उदाहरण है।

यूपी के 18 मंडलों में 'स्वर्णिम दुग्धामृत संवाद समागम' की मेरठ से शुरू

अमन लेखनी समाचार

- गोरखपुर में जून में होगा कार्यक्रम का भव्य समापन
- दुग्ध विकास क्षेत्र में वर्ष 2023 से अब तक 28 हजार करोड़ के एमओयू साइन हुए

लखनऊ। पशुपालन से जुड़े किसान और डेयरी सेक्टर उत्तर प्रदेश की योगी सरकार की प्राथमिकता में शामिल हैं। आज डेयरी क्षेत्र उत्तर प्रदेश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ बन चुका है। इसी क्रम में सीएम योगी की मंशा के अनुरूप प्रदेश के 18 मंडलों पर 'स्वर्णिम दुग्धामृत संवाद समागम' आयोजित करने की मेरठ से शुरूआत हो गई है। अपर मुख्य सचिव पशुधन, मत्स्य एवं दुग्ध विकास मुकेश कुमार मेश्राम ने बताया कि डेयरी क्षेत्र को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए मंडल स्तर पर यह कार्यक्रम आयोजित होंगे। इसका भव्य समापन जून में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के शहर गोरखपुर में होगा।

उन्होंने बताया कि मेरठ में मंगलवार को चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के अटल सभागार में 'स्वर्णिम दुग्धामृत संवाद समागम' आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य दुग्ध विकास विभाग के 50 वर्ष पूरे होने पर ग्रामीण अर्थव्यवस्था और डेयरी क्षेत्र को बढ़ावा देना है। उन्होंने बताया कि 'स्वदेशी उन्नत गोवंश, समृद्ध निवेश, सुरक्षित भविष्य-खुशहाल उत्तर प्रदेश' थीम पर आधारित इस आयोजन में मेरठ-सहारनपुर मंडल के किसान, पशुपालक और निवेशक एक मंच पर जुटे। कार्यक्रम में निजी एवं सहकारी डेयरी जैसे भारत स्किर, मधुसूदन, आनन्दा, मदर डेयरी, हरित प्रदेश, केएसएस डेयरी, अरविन्द डेयरी और पराग जैसे बड़े ब्रांड्स के स्टॉल लगाकार अपने उत्पादों का प्रदर्शन किया। उन्होंने बताया कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था को वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी बनाने के लिए दुग्धशाला विकास विभाग द्वारा संचालित नंद बाबा दुग्ध मिशन, उत्तर प्रदेश दुग्धशाला विकास एवं दुग्ध प्रोत्साहन नीति-2022 के प्रचार-प्रसार और प्रदेश के डेयरी सेक्टर में पूंजी निवेश को आकर्षित करने के उद्देश्य से संपूर्ण मंडलवार डेयरी कॉन्क्लेव का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम में दुग्ध आयुक्त धनलक्ष्मी के. ने बताया कि उत्तर प्रदेश दुग्ध उत्पादन में देश का अग्रणी राज्य है और इस स्थिति को बनाये रखने के राज्य सरकार द्वारा अनेक महत्वपूर्ण योजनाओं के माध्यम से किसानों को सुनिश्चित बाजार, पारदर्शी मूल्य निर्धारण और स्थायी आय प्रदान की है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत आधार प्राप्त हुआ है। दुग्ध आयुक्त धनलक्ष्मी के. ने बताया कि वर्ष 2023 से विभाग द्वारा दुग्ध विकास क्षेत्र में कुल 28,000 करोड़ से अधिक के 796 एमओयू किए गये हैं, जिसके जरिए 77,000 से अधिक रोजगार सृजन होंगे। उन्होंने बताया कि विगत वर्षों में नंद बाबा दुग्ध मिशन के अंतर्गत 10 हजार से अधिक लाभार्थियों को 84 करोड़ की धनराशि अनुदान के रूप में डीबीटी के माध्यम से वितरित की गई है। साथ ही 4000 से अधिक प्रारम्भिक दुग्ध सहकारी समिति गठित करते हुए लगभग 1,50,000 दुग्ध उत्पादकों को जोड़ा गया है। अपर मुख्य सचिव मुकेश कुमार मेश्राम ने बताया कि स्वर्ण जयंती डेयरी कॉन्क्लेव के जरिए प्रदेश के सभी 18 मंडल और 75 जिलों के पशुपालकों और दुग्ध उत्पादन से जुड़े लोगों को जोड़ा जा रहा है। प्रदेश सरकार की मंशा के मुताबिक विभाग का लक्ष्य ज्यादा से ज्यादा लोगों को लाभ पहुंचाना है।

इस कार्यक्रम का समापन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के शहर गोरखपुर में भव्य रूप से होगा। जून में वहां मंडल के कृषकों, गो-पालकों, दुग्ध उत्पादकों, उद्यमियों और निवेशकों को बड़ा मंच प्रदान किया जाएगा। विभाग उस क्षेत्र में ज्यादा से ज्यादा लोगों को प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही विभाग की योजनाओं से जोड़ेगा।

धार्मिक व ऐतिहासिक स्थलों के विकास के लिए मिले 33.91 करोड

अमन लेखनी समाचार

- फिरोजाबाद में आस्था स्थलों पर बेहतर सुविधाओं से बढ़ेगा पर्यटन
- नीम करौरी बाबा की जन्मस्थली में पर्यटक सुविधाओं का किया जायेगा विस्तार

लखनऊ। आगरा मंडल के फिरोजाबाद जिले में धार्मिक, ऐतिहासिक व पौराणिक स्थलों के विकास के लिए 24 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है, जिन पर 33.91 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। योगी सरकार की इस पहल से क्षेत्र की सांस्कृतिक धरोहर को संवारने के साथ ही स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ने की उम्मीद है। पर्यटन सुविधाओं के विस्तार से व्यापारिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने जानकारी देते हुए कहा कि इन परियोजनाओं के माध्यम से जिले के प्रमुख मंदिरों, आश्रमों और पर्यटन स्थलों का सौंदर्यीकरण एवं आधारभूत सुविधाओं का विकास किया जाएगा। टुंडला, शिकोहाबाद, सिरसागंज और जसराना क्षेत्रों में स्थित कई आस्था स्थलों को नए स्वरूप में विकसित किया जाएगा, ताकि श्रद्धालुओं और पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। इन परियोजनाओं के पूरा होने के बाद फिरोजाबाद में पर्यटन गतिविधियों में तेजी आएगी।

टुण्डला में स्थित गोगा जी काली मंदिर पिपरौली के पर्यटन विकास के लिए 70 लाख रुपये, फिरोजाबाद पसीने वाले हनुमान जी मंदिर के लिए 65 लाख रुपये, शिकोहाबाद के नगला केवल स्थित श्री ब्रहमदेव शिव जी तथा बजरंगबली मंदिर के लिए 120 लाख रुपये, शिकोहाबाद के ही विधानसभा क्षेत्र में स्थित आबगंगा मंदिर के विकास के लिए 35 लाख रुपये, टुण्डला ग्रामगढ़ी हंसराम ब्लाक नारखी में स्थित शिवमंदिर के पर्यटन विकास के लिए 60 लाख रुपये की धनराशि, टुण्डला विधानसभा क्षेत्र में शिव मंदिर के पर्यटन विकास कार्य के लिए 80 लाख रुपये, टुण्डला में ही ग्राम बड़ागांव में स्थित श्री राधाकृष्ण मंदिर के लिए 01 करोड़ रुपये, टुण्डला ग्राम कनवार स्थित सिद्धकाली माता मंदिर के लिए 130 लाख रुपए, सिरसागंज स्थित प्राचीन पथवारी माता मंदिर के लिए 110 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इसी प्रकार सिरसागंज के ही कुदरिया वाले महराज आश्रम के लिए 01 करोड़ रुपये, सिरसागंज में हनुमान मंदिर के पर्यटन विकास के लिए 130 लाख रुपये, सिरसागंज में ग्राम जायनई माता मंदिर के लिए 130 लाख रुपये तथा सिरसागंज के ही रामकृष्ण धाम मंदिर (गंगा सागर गरियारी) के पर्यटन विकास के लिए 70 लाख रुपये, सिरसागंज स्थित आम्बेडकर पार्क के पर्यटन विकास के लिए 70 लाख रुपए, सिरसागंज के ही रामकंठ आश्रम के पर्यटन विकास के लिए 01 करोड़ रुपये, सिरसागंज स्थित ऐतिहासिक श्री राधाकृष्ण मंदिर के पर्यटन विकास के लिए 90 लाख रुपये, सिरसागंज के ही ग्राम मावली में वेद उपवन पार्क के लिए 75 लाख रुपये, सिरसागंज के ही अकबरपुर में स्थित नीमकरौरी बाबा की जन्मस्थली पर पर्यटन सुविधाओं के लिए 145 लाख रुपये, सिरसागंज के विकास खण्ड फिरोजाबाद के ग्राम करहरा में ग्रामीण पर्यटन विकास के लिए 20 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत की गयी है। टुण्डला विकासखण्ड फिरोजाबाद के ग्राम अकबरपुर में ग्रामीण पर्यटन विकास के लिए 35 लाख रुपये, जसराना बड़े जखैया महराज मंदिर के पर्यटन विकास के लिए 188 लाख रुपये, सिरसागंज के समौर बाबा धाम करहरा हेतु अवस्थापना सुविधाएं एवं अन्य कार्य के लिए 1188 लाख रुपये, शिकोहाबाद में स्थित शिववाटिका मंदिर में बहुउद्देशीय अवस्थापना सुविधाओं के सृजन के लिए 118 लाख रुपये तथा सिरसागंज जनपद फिरोजाबाद के अंतर्गत रपड़ी इको टूरिज्म क्षेत्र में पर्यटकों की सुविधा के लिए प्रकाश व्यवस्था, सुलभ शौचालय के लिए 162 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है।

सहारनपुर-फतेहपुर स्पोर्ट्स कॉलेज तैयार, शुरू होगी पढ़ाई

हर मंडल में स्पोर्ट्स कॉलेज और एक्सीलेंस सेंटर खोलने का लक्ष्य: खेल सचिव

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में खेलों को बढ़ावा देने और खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने दो नए स्पोर्ट्स कॉलेजों को शुरू करने का फैसला लिया है। सहारनपुर और फतेहपुर में बने स्पोर्ट्स कॉलेज का शैक्षिक सत्र 2026-27 से संचालन शुरू हो जाएगा। योगी सरकार के इस फैसले से प्रदेश के युवाओं को अपने ही क्षेत्र में बेहतर खेल सुविधाएं और प्रशिक्षण उपलब्ध हो सकेगा।

दरअसल यह दोनों परियोजनाएं लंबे समय से लंबित थी। फतेहपुर स्पोर्ट्स कॉलेज को जनवरी 2011 में स्वीकृति मिली थी और नवंबर 2011 में निर्माण कार्य शुरू हो गया था। इसे जुलाई 2018 तक पूरा किया जाना था, लेकिन कार्य समय पर पूरा नहीं हो सका। इसी तरह सहारनपुर स्पोर्ट्स कॉलेज का निर्माण कार्य भी फरवरी 2011 में शुरू होना था और फरवरी 2013 तक पूरा कार्य पूरा करने की मूल तारीख थी, लेकिन विभिन्न कारणों से काम आगे नहीं बढ़ पाया था। योगी सरकार ने इन अधूरी परियोजनाओं को प्राथमिकता देते हुए निर्माण कार्य को पूरा कराया है। साथ ही अब दोनों कॉलेजों को नए सत्र से शुरू करने की तैयारी भी पूरी कर ली गई है। इस तरह योगी सरकार खेल ढांचे को मजबूत करने के साथ-साथ अधूरी योजनाओं को भी जमीन पर उतारने पर जोर दे रही है। वहीं इन दो नए स्पोर्ट्स कॉलेजों के शुरू होने के बाद उत्तर प्रदेश में संचालित स्पोर्ट्स कॉलेजों की संख्या बढ़कर पांच हो जाएगी। अभी तक लखनऊ स्थित गुरु गोविंद सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज, गोरखपुर का वीर बहादुर सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज और इटावा (सैफई) का मेजर ध्यान चंद स्पोर्ट्स कॉलेज ही संचालित थे। इसके अलावा बलिया में एक और स्पोर्ट्स कॉलेज का निर्माण कार्य जारी है। नए कॉलेजों के शुरू होने से प्रदेश के दूर-दराज इलाकों के खिलाड़ियों को अब राजधानी या अन्य बड़े शहरों का रुख नहीं करना पड़ेगा। इससे समय और खर्च दोनों की बचत होगी और अधिक संख्या में प्रतिभाशाली खिलाड़ी खेल शिक्षा से जुड़ सकेंगे। फतेहपुर और सहारनपुर दोनों स्पोर्ट्स कॉलेजों में कक्षा 9 से प्रवेश प्रक्रिया शुरू होगी। फतेहपुर में एथलेटिक्स, हॉकी, हैंडबॉल और कुश्ती जैसे खेल संचालित किए जाएंगे। यहां कुल 80 सीटों पर प्रवेश होगा। जिसमें एथलेटिक्स रनर बालक के लिए 12, एथलेटिक्स जम्पर बालक के लिए 2, थ्रोवर बालक के लिए 4, हॉकी खिलाड़ी बालक के लिए 26, गोलकीपर बालक के लिए 4, कुश्ती बालक के लिए 10 और हैंडबॉल बालक के लिए 22 सीटें निर्धारित की गई हैं। वहीं सहारनपुर स्पोर्ट्स कॉलेज में भी कुल 80 सीटों पर एडमिशन होंगे। यहां एथलेटिक्स रनर बालक के लिए 8, एथलेटिक्स जम्पर बालक के लिए 6, थ्रोवर बालक के लिए 6, हॉकी खिलाड़ी बालक के लिए 21, हॉकी गोलकीपर बालक के लिए 4, जूडो बालक के लिए 10, बॉक्सिंग बालक के लिए 15 और भारोत्तोलन बालक के लिए 10 सीटें तय की गई हैं। भारोत्तोलन अभी तक किसी भी स्पोर्ट्स कॉलेज में नहीं था। सहारनपुर स्पोर्ट्स कॉलेज से पहली बार शुरू हो रहा है। इन कॉलेजों में प्रवेश के लिए छात्र का उत्तर प्रदेश का निवासी होना अनिवार्य है। चयन प्रक्रिया के माध्यम से योग्य खिलाड़ियों को प्रवेश दिया जाएगा, जिससे प्रतिभा के आधार पर खिलाड़ियों का चयन सुनिश्चित हो सके। उत्तर प्रदेश खेल विभाग के सचिव सुहास एल.वाई. ने बताया कि मुख्यमंत्री जी का प्रत्येक मंडल में स्पोर्ट्स कॉलेज और एक्सीलेंस सेंटर खोलने का लक्ष्य है। स्टेट सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की तरह जगह-जगह विभिन्न खेलो को लेकर वहां पर विशेषज्ञ प्रशिक्षण केंद्र खोला जाएगा। जिसमें बच्चों के रहने के साथ ही पढ़ाई की सुविधा भी रहेगी। प्रबंध समिति स्पोर्ट्स कॉलेज के सचिव व लखनऊ स्पोर्ट्स कॉलेज के प्रधानाचार्य अतुल सिन्हा ने कहा कि कुशल संचालन के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा।

बैठक में प्रशिक्षण महाअभियान पर जोर

भाजपा प्रदेश कार्यालय में लखनऊ महानगर की कार्यसमिति योजना बैठक संपन्न

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय पर भाजपा लखनऊ महानगर की कार्यसमिति योजना बैठक मंगलवार को संपन्न हुई। इस बैठक में आगामी प्रशिक्षण वर्ग को प्रभावी, सुव्यवस्थित एवं परिणामोन्मुख बनाने के लिए संगठनात्मक, व्यवस्थागत एवं तकनीकी बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि प्रशिक्षण वर्ग संगठन की रीढ़ होते हैं, जो कार्यकर्ताओं को वैचारिक रूप से सशक्त बनाते हैं। उन्होंने सभी पदाधिकारियों से आह्वान किया कि अधिकतम कार्यकर्ताओं की सहभागिता सुनिश्चित करते हुए कार्यक्रम को अनुशासित एवं प्रभावी ढंग से आयोजित किया जाए।

महापौर सुषमा खर्कवाल ने लखनऊ नगर निगम सदन में नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में पास निंदा प्रस्ताव को पढ़कर सुनाया। इस प्रस्ताव के माध्यम से उन्होंने महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और अधिकारों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को स्पष्ट रूप से व्यक्त किया। वहां उपस्थित पूर्व महापौर संयुक्ता भाटिया ने निंदा प्रस्ताव का समर्थन किया। निंदा प्रस्ताव के समर्थन में बैठक में उपस्थित सभी महिलाओं ने जोरदार तालियों और कड़तल ध्वनि के साथ निंदा प्रस्ताव स्वागत किया।

प्रदेश उपाध्यक्ष त्र्यंबक त्रिपाठी ने प्रशिक्षण महाअभियान की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कहा कि यह अभियान संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने में सहायक सिद्ध होगा। वरिष्ठ भाजपा नेता नीरज सिंह ने समन्वय, समयबद्धता एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करने पर बल दिया। भाजपा लखनऊ महानगर अध्यक्ष आनन्द द्विवेदी ने बैठक में कहा कि यह प्रशिक्षण महाअभियान संगठन को जमीनी स्तर पर नई ऊर्जा प्रदान करेगा। उन्होंने मंडल एवं बूथ स्तर तक अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए तथा सभी पदाधिकारियों से समन्वय बनाकर कार्य करने का आह्वान किया।

बैठक में प्रशिक्षण वर्गों के सफल आयोजन के लिए ऑनलाइन पंजीकरण, डिजिटल शुल्क जमा, सरल ऐप के माध्यम से सत्यापन, आवास-भोजन, स्वच्छता, चिकित्सा, एलईडी/प्रोजेक्टर, ऑडियो सिस्टम, पीपीटी प्रस्तुति, पावर बैकअप तथा फोटोग्राफी-वीडियोग्राफी जैसी व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही संगठन की उपलब्धियों एवं सरकार के कार्यों को प्रदर्शित करने के लिए प्रदर्शनी लगाने पर भी विस्तृत चर्चा की गई। यह महाअभियान कार्यकर्ताओं को वैचारिक, संगठनात्मक एवं नेतृत्व क्षमता में सशक्त बनाते हुए संगठन को और अधिक मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। मीडिया प्रभारी अनुराग साहू ने बताया कि प्रदेश मंत्री शिव भूषण सिंह, शंकर लाल लोधी, पूर्व संगठन मंत्री ओपी श्रीवास्तव, एमएलसी मुकेश शर्मा, पूर्व विधायक सुरेश तिवारी, पूर्व राज्यमंत्री मोहसिन रजा, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष राजीव मिश्रा सहित मंडल अध्यक्षगण, लखनऊ महानगर कार्यसमिति सदस्य एवं पूर्व पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

ट्रैक्टर-ट्रॉली से भिड़ी बाइक, तीन युवक गंभीर घायल, एक ट्रॉमा सेंटर रेफर

घायल सज्जन - फोटो

घायल राकेश - फोटो

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। मलिहाबाद थाना क्षेत्र में मंगलवार रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। कपड़े लेकर बाइक से घर लौट रहे तीन युवक ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकरा गए, जिससे सभी गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, मलिहाबाद के मधवापुर निवासी सज्जन अपने साथियों राकेश (निवासी बेहटा चक, बाराबंकी) और अंशु (निवासी महसूआ, अतरौली, हरदोई) के साथ मंगलवार रात करीब 9 बजे नबीपनाह से कपड़े लेकर बाइक से वापस घर लौट रहे थे। इसी दौरान मधवापुर गांव के पास पेट्रोल पंप के निकट उनकी बाइक सामने चल रही ट्रैक्टर-ट्रॉली से जा भिड़ी। टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक सवार तीनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को एंबुलेंस की मदद से मलिहाबाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद सज्जन की हालत नाजुक देखते हुए उसे ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया गया है।

दीवार विवाद में दो पक्षों में खूनी संघर्ष, कई घायल; दो की हालत नाजुक

अमन लेखनी समाचार

घायल पप्पू फोटो

घायल आशा

घायल रीना

लखनऊ। बीती रात दीवार हटाने के विवाद में दो पक्षों के बीच खूनी संघर्ष देखने को मिला जमकर चले लाठी डंडे और बांके जिसमें एक पक्ष के जगदीश, विजय, भानु, राजरानी, भीम, आशा, सुभद्रा और दूसरे पक्ष के मनोज, देशराज, सोनू, रीना, पप्पू समेत 12 लोग लहूलुहान हो गए। विजय और मनोज की हालत नाजुक बनी है। दोनों का इलाज केजीएमयू के ट्रॉमा सेंटर में चल रहा है। पुलिस ने दोनों पक्षों के 19 नामजद और आठ अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। रहीमाबाद थाना क्षेत्र के अटेर निवासी जगदीश नारायण ने बताया घर के पास से आरसीसी रोड के किनारे उनकी दीवार बनी है, जिसको विपक्षी हटाने को लेकर आए दिन विवाद करते हैं। सोमवार रात भी विपक्षी राजा, देशराज जितेंद्र, मनोज, टिक्कन, विमल, रीना गालियां देते हुए घर में घुस गए और लाठी डंडों से हमला करने लगे, जिसमें परिवार के सात लोग जख्मी हो गए। वहीं, दूसरे पक्ष के मनोज ने बताया पड़ोस के जगदीश ने सड़क पर अवैध रूप से दीवार बनाई है। उस दीवार को हटाने का फैसला ग्राम प्रधान ने दो दिन पहले किया था। सोमवार को जगदीश रास्ते से दीवार हटाते हुए ग्रामीणों को गाली दे रहे थे। जब विरोध किया तो जगदीश, विजय, भीमसेन, छेदीलाल, भानु, श्याम किशोर, सुशील, सुभद्रा और सुशील, विजय की पत्नियां और आठ अज्ञात लोगों ने डंडे और बांके हमला कर दिया, जिससे परिवार के देशराज सोनू, रीना और पप्पू घायल हो गए। इस संबंध में रहीमाबाद इंस्पेक्टर अरुण कुमार त्रिगुणायक ने बताया मारपीट करने को लेकर दोनों पक्षों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

मॉर्निंग वॉक के समय लूट करने वाला किन्नर गिरोह के तीन सदस्य गिरफ्तार

लूटा गया मंगलसूत्र, दो जोड़ी कान की बालियां और घटना में प्रयुक्त वैगनआर कार बरामद

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। बिजनौर थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह टहलने निकली महिला से हुई लूट की घटना का पुलिस ने खुलासा करते हुए किन्नर गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूटा गया मंगलसूत्र, दो जोड़ी कान की बालियां और घटना में प्रयुक्त वैगनआर कार बरामद कर तीनों को जेल भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक बिजनौर के आनंद विहार कॉलोनी निवासी विभा यादव ने सोमवार शाम रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि वह सुबह करीब छह बजे टहलकर घर लौट रही थीं। तभी जायसवाल बर्तन भंडार के पास आकर रुकी एक कार से किन्नर वेश में उतरी महिला ने उनसे आसपास शादी होने की जानकारी ली और फिर 100 रुपये मांगे। विभा ने पैसे होने से मना किया तो आरोपी ने झपट्टा मारकर उसके गले से मंगलसूत्र और कानों की बालियां लूट लीं। बाद में साथियों के साथ कार से फरार हो गई। पीड़िता की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज करने के बाद घटना के खुलासे के लिए पुलिस उपायुक्त दक्षिणी के निर्देशन में टीमों का गठन किया गया। इस दौरान करीब 100 से अधिक सीसीटीवी फुटेज खंगालने के बाद उनकी पहचान कर पुलिस ने मंगलवार को बिजनौर स्थित अलीनगर खुर्द अंडरपास के पास से तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में तीनों ने अपना नाम कृष्णा नगर थाना क्षेत्र के बरिगंवा, एलडीए कॉलोनी निवासी अजय रावत उर्फ रानी किन्नर, कानपुर नगर के चकेरी स्थित लाल बंगला निवासी आकाश गुप्ता उर्फ कमौलिका उर्फ कम्मो और लखनऊ के सहादतगंज थाना अंतर्गत रामनगर निवासी रफीक अहमद बताया। जबकि एक अन्य आरोपी उन्नाव निवासी अन्नू फरार है। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वह किन्नर होने का फायदा उठाकर ओला बुक करके अलग-अलग मार्केट को टारगेट कर महिलाओं से पैसे मांगते थे। पैसे ना मिलने पर कपड़े उतार कर उनके साथ गलत हरकतें करते और महिलाओं को डरा धमका कर उनकी पहनी हुई ज्वेलरी छीन लेते थे। साथ ही पैसे ना देने पर उनसे मारपीट भी करते थे। फिलहाल पुलिस ने बरामद समान कब्जे में लेकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए तीनों को जेल भेज दिया है।

संक्षेप

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार महिला की मौत, पति और पुत्र घायल

बांगरमऊ, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे सर्विस लेन पर एक अज्ञात वाहन ने बाइक सवारों को टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक पर सवार 35 वर्षीय महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनके पति और सात वर्षीय बेटा गंभीर रूप से घायल हो गए।घायल विनोद (38) अपनी पत्नी जय श्री (35) और बेटे राज (7) के साथ शनिवार को औरास स्थित अपनी ससुराल गए थे।वे एक शव यात्रा में शामिल होने के बाद सोमवार शाम लगभग आठ बजे अपने घर गाहार पुरवा लौट रहे थे।यह हादसा बांगरमऊ कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत आलमऊ सराय गांव के सामने बनी गौशाला के पास हुआ। अज्ञात वाहन ने बाइक को जोरदार टक्कर मारी, जिससे जय श्री की मौके पर ही मौत हो गई।विनोद और राज की हालत गंभीर बताई जा रही है।मृतक जय श्री के परिवार में 10 वर्षीय बेटा लल्लू और दो बेटियां (15 और 13 वर्ष) भी हैं, जिनका रो-रोकर बुरा हाल है। सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की तैयारी कर रही है। कोतवाली प्रभारी अखिलेश चंद्र पाण्डेय ने घायलों के बेहतर उपचार के लिए डॉक्टरों से भी बात की है।

खेत पर काम करने गए युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

सफीपुर, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में मंगलवार की सुबह खेत पर काम करने गए एक किसान की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दियाकोतवाली क्षेत्र के ईधनीमऊ गांव निवासी रामबाबू 30 वर्ष पुत्र रमेश पिता की लगभग चार वर्ष पूर्व मौत हो गई थी जिसके बाद से मृतक ही खेती किसानी कर परिवार भरण पोषण करता था मंगलवार की सुबह वह अपनी माता रामकली के साथ खेत पर घुइयां की फसल में पानी लगाने गया था।अभी वह पानी लगा ही रहा था तभी अचानक वह अचेत होकर गिर पडा ये देख मां मदद के लिए चिल्लाने लगी आस पास के खेतों में काम कर रहे ग्रामीण मौके पर पहुंचे और उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सफीपुर लेकर आए जहां डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया मृतक युवक की सात वर्ष पूर्व शादी हुई थी,उसके छह वर्ष की पुत्री नायरा,सात माह का पुत्र है।मौत से पत्नी , मां व छोटे भाई सूरज का रो रोकर बुरा हाल है प्रभारी निरीक्षक सुब्रत नारायण त्रिपाठी ने बताया कि परिजनों की सूचना पर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।रिपोर्ट के आधार पर अग्रिम कार्यवाही की जाएगी।

दुष्कर्म के आरोपी बाल अपचारी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

उन्नाव। असोहा थाना क्षेत्र के अन्तर्गत एक गांव निवासी 16वर्षीय किशोरी के साथ शादी का झांसा देकर शारीरिक संबन्ध बनाने व गर्भवती करने की शिकायत पुलिस से की थी।पुलिस ने दुष्कर्म की रिपोर्ट दर्ज का जांच किया कर पास्को एक्ट की धारा मे बढ़ोत्तरी किया।पुलिस मंगलवार को आरोपी किशोर को उसके घर से पकड़कर न्यायालय मे पेश किया।जहां से आरोपी को बाल सुधार गृह भेजा गया हैं।एसओ फूल सिंह ने बताया की दुष्कर्म के आरोपी किशोर को पकड़कर न्यायालय मे पेश किया गया ,जहां से वाल सुधार गृह भेजा गया हैं।

विश्व हाथ स्वच्छता दिवस पर जागरुकता कार्यक्रम आयोजित

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। विश्व हाथ स्वच्छता दिवस पर मंगलवार को जनपद की स्वास्थ्य इकाइयों और स्कूलों में जागरुकता कार्यक्रम आयोजित कर हाथों की स्वच्छता के महत्व के बारे में विस्तार से बताया गया। मंगलवार को स्वास्थ्य व शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया व केनव्यू के सहयोग से ह्यडायरिया से डर नहींह्व कार्यक्रम के तहत आयोजित इन जागरुकता कार्यक्रमों में स्वास्थ्य कर्मियों, स्कूली बच्चों, शिक्षकों आदि ने भाग लिया। इस मौके पर शहरी स्वास्थ्य केंद्र पुरानी बाजार, प्राथमिक विद्यालय कांटी, प्राथमिक विद्यालय अचलगंज प्रथम में उपस्थित बच्चों को हाथों की स्वच्छता के महत्व के बारे में विस्तार से बताया गया। बच्चों को हाथों को सही तरीके से धोने के बारे में प्रदर्शन कर बताया गया। इस मौके पर प्रधानाचार्या शबाना आजमी ने बच्चों को बताया कि डायरिया समेत कई संक्रामक बीमारियों से बचने के लिए हाथों को धोना ही पर्याप्त नहीं होता बल्कि सही तरीके से हाथों को धोना जरुरी होता है। पीएसआई इंडिया के गजेंद्र ने (सुमन-के) के बारे में बच्चों को सरल तरीके से समझाया ताकि वह इन छह चरणों को अपनाकर हाथों की सही स्वच्छता के लिए सक्षम बन सकें। यह छह चरण हैं।(एस) साबुन-पानी से झाग बनाने के बाद पहले सीधी हथेलियों को बारी-बारी से घिसें, (यू) उल्टी तरफ हाथों को बारी-बारी से घिसें, (एम), मुट्ठी बंदकर हाथों को अच्छी तरह घिसें, (ए) अंगूठों को अच्छी तरह से रगड़ें, (एन) नाखूनों को अच्छी तरह से साफ करें, (के) कलाइयों को भी ठीक से रगड़ें। इसका अभ्यास भी बच्चों से कराया गया। उन्होंने कहा कि इस तरह इन छह चरणों को अपनाकर डायरिया समेत कई संक्रामक बीमारियों को मात दिया जा सकता है।इसकी आदत बचपन से ही विकसित की जाए तो आगे चलकर भी यह सदा के लिए बनी रहती है। बच्चों की देख भाल से पहले मरीजों की सेवा से पहले और बाद में खाना बनाने या खाने से पहले शौचालय का उपयोग करने के बाद खांसने छींकने या नाक साफ करने के बाद कचरा उठाने या किसी गन्दी सतह को छूने के बाद जानवरों या पालतू जानवरों को छूने के बाद हाथों को साबुन-पानी से कम से कम 20 सेकंड तक सही तरीके से अवश्य धोएं। इस अवसर पर शहरी स्वास्थ्य केंद्र पुरानी बाजार से स्टाफ नर्स एकता, एएनएम केकती, आशा कार्यकर्ता, लाभार्थी एवं अध्यापिका आरती तिवारी, राजेश अवस्थी, वंदना तिवारी, पीएसआई इंडिया से अशरफ हुसैन आदि मौजूद रहे।

शिक्षामित्र सम्मान समारोह का किया गया आयोजन

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। शहर के निराला प्रेक्षागृह में शिक्षामित्र सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में जिले भर से आए शिक्षामित्रों को सम्मानित किया गया। जिलाधिकारी घनश्याम मीणा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि, शिक्षकगण और बड़ी संख्या में शिक्षामित्र मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन और अतिथि स्वागत के साथ हुई। जिलाधिकारी घनश्याम मीणा ने अपने संबोधन में बताया कि प्रदेश स्तर पर मुख्यमंत्री ने गोरखपुर से इस कार्यक्रम की शुरूआत की थी, जिसके क्रम में यह आयोजन जिला स्तर पर किया गया है। उन्होंने जानकारी दी कि जिले में लगभग 1300 शिक्षामित्र कार्यरत हैं, जिन्हें इस अवसर पर सम्मानित किया गया।यह कार्यक्रम राज्य सरकार द्वारा शिक्षामित्रों के मानदेय में की गई वृद्धि के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था। समारोह के दौरान कुछ चयनित शिक्षामित्रों को मंच पर बुलाकर सम्मानित किया गया और उन्हें प्रतीकात्मक रूप से डेमो चेक भी प्रदान किए गए। इस अवसर पर मौजूद विधायक और एमएलसी सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने शिक्षामित्रों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि वे शिक्षा व्यवस्था की मजबूत कड़ी हैं और उनके प्रयासों से प्राथमिक शिक्षा को मजबूती मिल रही है। जिलाधिकारी ने कहा कि ऐसे आयोजनों से शिक्षामित्रों का मनोबल बढ़ता है और उन्हें बेहतर कार्य करने की प्रेरणा मिलती है।उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस कार्यक्रम से सकारात्मक संदेश जाएगा और जिले की शिक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने में मदद मिलेगी। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया। आयोजन के दौरान शिक्षामित्रों में उत्साह देखने को मिला और उन्होंने सरकार के इस कदम की सराहना की। यह कार्यक्रम शिक्षामित्रों के सम्मान और प्रोत्साहन के लिए एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ।

विद्यालय की बाउंड्री बनवाने के नाम पर निकाला गया दो बार रुपया

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव।विकास खण्ड के प्राथमिक विद्यालय बिसरामऊ मे बाउंड्री बनवाने में दो बार पैसा आहरित किये जाने की बात उजागर हुई है। इस विद्यालय की बाउंड्री वाल का निर्माण प्रधान कृष्णपाल वर्मा ने मनरेगा के कार्य के तहत वर्ष 2022-23 मे करवाया था । इसी बाउंड्री वाल का वायर वेड एवं उच्चीकरण का कार्य कराने के लिए बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 मे लगभग 5 लाख 75 हजार से ज्यादा रुपए स्वीकृत हुए थे । जिसका कार्य एसएमसी के तहत होना था । ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा जारी धन मे निर्माण के नाम पर पैसों का घालमेल किया गया । आरोप यह भी है बाउंड्री वाल 5 फिट की जगह 4 फिट व गुणवत्ता विहीन बनवाई गई। साथ ही बनी दीवाल पर एक ईंट की जुड़ाई कर एंगल व तार लगा पैसे निकाल लिए गए। इस बावत जब खण्ड शिक्षा अधिकारी अखिलेश वर्मा से बात की गई उन्होंने बताया कि बाउंड्री के उच्चीकरण के लिए पैसा आया था । जिसमें एसएमसी द्वारा कार्य करवाया गया है । शेष धन वापस कर दिया गया है ।किसी प्रकार की शिकायत पर मामले की जांच करवाई जाएगी ।

सौ वर्ष पुरानी बाजार सुविधाओं से आज भी वंचित

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। नगर की करीब 100 वर्ष पुरानी नौनिहालगंज बाजार आज भी बुनियादी सुविधाओं के अभाव से जूझ रही है। हल्की सी बारिश होते ही यह ऐतिहासिक बाजार दलदल में तब्दील हो जाती है। जिससे व्यापार और आवागमन पूरी तरह प्रभावित हो जाता है। चंद मिनटों की बारिश के बाद ही बाजार की गलियों में गंदा पानी और कीचड़ भर जाता है।जिससे ग्राहकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है और दुकानदारों का व्यवसाय ठप हो जाता है।मालूम हो कि जल निकासी की उचित व्यवस्था न होने के चलते बारिश के दौरान हालात इतने खराब हो जाते हैं कि पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता है। कीचड़ और जलभराव के कारण कई बार लोग फिसलकर गिर भी जाते हैं।व्यापारियों का कहना है कि वर्षों से इस समस्या को लेकर शिकायतें की जा रही हैं।लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकाला गया है। जल निकासी की व्यवस्था न होने के कारण हर बारिश में यही स्थिति बन जाती है। दुकानदारों का कहना है कि जलभराव के कारण ग्राहक बाजार में आने से कतराते हैं। जिससे उनकी रोजी-रोटी पर सीधा असर पड़ता है। कई दुकानों के सामने पानी भर जाने से सामान को नुकसान पहुंचने का भी खतरा बना रहता है। व्यापारियों ने आरोप लगाया कि नगर पालिका प्रशासन इस गंभीर समस्या को नजर अंदाज कर रहा है। नौनिहालगंज बाजार के व्यापारियों ने बाजार मालिक और नगर पालिका प्रशासन से जल्द से जल्द जल निकासी की समुचित व्यवस्था कराने की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि समस्या का शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो वे आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

मार्ग दुर्घटना में घायल युवक की इलाज के दौरान मौत

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। आसीवन थाना क्षेत्र में 2 मई को हुए सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल युवक इंद्रजीत सिंह (35) का कानपुर हैलट अस्पताल में इलाज के दौरान निधन हो गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। शाहाबाद गांव निवासी इंद्रजीत सिंह पुत्र स्व. कमलेश सिंह 2 मई की रात करीब आठ बजे बांगरमऊ क्षेत्र से अपनी बाइक से माखी थाना क्षेत्र के हमीरपुर स्थित ससुराल जा रहे थे। सफीपुर-रसूलाबाद मार्ग पर खरगौरा गांव के पास एक अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे इंद्रजीत गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने घायल इंद्रजीत को एंबुलेंस से मियागंज सीएचसी पहुंचाया। वहां डॉ. उमर फारूक ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला अस्पताल से उन्हें बेहतर इलाज के लिए कानपुर हैलट अस्पताल भेजा गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। मृतक इंद्रजीत सिंह अपने पांच भाइयों और तीन बहनों में चौथे स्थान पर थे। उनके परिवार में पत्नी शालिनी सिंह, मां कुसुमलता सिंह, सात वर्षीय पुत्र कुणाल सिंह और दो वर्षीय पुत्री अन्वी हैं। आसीवन थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि अभी तक परिजनों की ओर से कोई तहरीर नहीं मिली है।पोस्टमार्टम रिपोर्ट और तहरीर मिलने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

तिरपाल फैक्ट्री में लगी आग लाखो का सामान जलकर राख

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव।मगरवारा क्षेत्र में मंगलवार शाम एक तिरपाल फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। इस घटना से इलाके में अफरा-तफरी मच गई और देखते ही देखते पूरी फैक्ट्री धुएं के गुबार में घिर गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। फैक्ट्री में बड़ी मात्रा में ज्वलनशील सामग्री होने के कारण आग तेजी से फैल गई और विकराल रूप धारण कर लिया। मौके पर मौजूद कर्मचारियों ने किसी तरह बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। मुख्य अग्निशमन अधिकारी (उऋड) अनूप सिंह स्वयं घटनास्थल पर मौजूद रहे और दमकल कर्मियों के साथ मिलकर आग बुझाने के प्रयासों का नेतृत्व किया। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका।इस आगजनी में फैक्ट्री में रखा तिरपाल और अन्य सामान जलकर खाक हो गया, जिससे लाखों रुपये के नुकसान का अनुमान है। राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। स्थानीय लोगों ने बताया कि यदि दमकल विभाग समय रहते मौके पर नहीं पहुंचता, तो आग आसपास की अन्य इकाइयों तक भी फैल सकती थी, जिससे एक बड़ा हादसा हो सकता था। दमकल कर्मियों की तत्परता से एक बड़ी दुर्घटना टल गई। फिलहाल, पुलिस और प्रशासन की टीम मामले की जांच में जुटी है। आग लगने के सही कारणों का पता लगाने के लिए विस्तृत जांच की जा रही है। साथ ही, फैक्ट्री संचालकों को सुरक्षा मानकों का पालन करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

क्षेत्र पंचायत की बैठक में विकास कार्यों के प्रस्ताव हुए पास

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर चौरासी, उन्नाव।स्थानीय क्षेत्र पंचायत की बहु प्रतिक्षित बी डी सी बैठक ब्लाक सभागार में मंगलवार को सम्पन्न हुई। जिसमें तीन करोड़ ग्यारह लाख रुपए के कार्यों के प्रस्ताव पास किए गए। बी डी सी सदस्यों ने एक सौ छब्बीस प्रस्ताव दिए। ब्लाक प्रमुख मनोज कुमार की अध्यक्षता में बीडीसी की बैठक सम्पन्न हुई जिसमें क्षेत्रीय विधायक श्री कांत कटियार, बी डी ओ श्वेता त्रिपाठी, ए डी ओ पंचायत दीप कांत, ग्राम सचिव प्रधान और बी डी सी सदस्य मौजूद रहे। बैठक में गत बैठक की कार्यवाही की पुष्टि की गई और नए कार्यों के प्रस्ताव पर चर्चा के साथ प्रमुख विकास कार्य कराए जाने पर बल दिया गया।

ज्येष्ठ माह के प्रथम मंगलवार को भंडारे का आयोजन

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। ज्येष्ठ मास के पहले बुढ़वा मंगल के अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष शकुन सिंह व उनके प्रतिनिधि युवा भाजपा नेता शंशाक शेखर शनि सिंह ने श्रद्धा और सेवा भाव से एक कार्यक्रम का आयोजन किया।इस दौरान हनुमान जी की पूजा-अर्चना की गई और राहगीरों को छोला चावल व शरबत वितरित किया गया।उन्नाव शुक्लागंज मार्ग आई बी पी टंकी के पास स्थित बड़े हनुमान मंदिर में प्रसाद चढ़ाकर हनुमान जी के चित्र पर माल्यार्पण किया व विधि-विधान से पूजा-अर्चना कीधार्मिक आयोजन के पश्चात राहगीरों और स्थानीय लोगों के लिए चावल छोला व ठंडे शरबत का वितरण किया गया। तेज गर्मी के बीच इस व्यवस्था से राहगीरों को काफी राहत मिली, जिसकी उन्होंने सराहना की। उपस्थित लोगों ने बताया कि बड़े मंगल के अवसर पर सेवा और भक्ति का यह आयोजन प्रतिवर्ष किया जाता है इस अवसर पर शिवेंद्र प्रताप सिंह उर्फ गोलू जिला पंचायत सदस्य अशोक सिंह चंदेल मनीष सिंह प्रभात सिंह नरेंद्र सिंह बबलू सिंह चंदेल अवधेश दीक्षित सुनील मिश्रा प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

डीएम की अध्यक्षता में जनगणना अधिकारियों के साथ हुई बैठक

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। प्रस्तावित जनगणना 2027 की तैयारियां तेज हो गई हैं। जिलाधिकारी घनश्याम मीना की अध्यक्षता में जिला जनगणना अधिकारियों और चार्ज अधिकारियों की एक बैठक आयोजित की गई। इसमें जनगणना से जन कल्याण जागरूकता अभियान तथा आगामी स्व-जनगणना और डिजिटल जनगणना की प्रक्रिया पर विस्तृत दिशा-निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने बताया कि 7 मई से 21 मई तक स्व-जनगणना कराई जाएगी। इस दौरान आम नागरिक पोर्टल के माध्यम से स्वयं अपनी गणना संबंधी जानकारी भर सकेंगे।इसके लिए संबंधित मकान या स्थान की ऑनलाइन लोकेशन भी पोर्टल पर टैग करनी होगी। डीएम ने अधिकारियों को इस प्रक्रिया को सरल और प्रभावी बनाने के लिए व्यापक स्तर पर जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए।उन्होंने आगे जानकारी दी कि जनगणना 2027 दो चरणों में संपन्न होगी। प्रथम चरण 22 मई से 20 जून तक चलेगा, जिसमें मकान सूचीकरण और मकानों की गणना की जाएगी। द्वितीय चरण 9 से 28 फरवरी 2027 तक आयोजित होगा। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि यह जनगणना पूरी तरह डिजिटल मोड में होगी। यह 1872 से चली आ रही श्रृंखला की 16वीं और स्वतंत्रता के बाद की आठवीं जनगणना होगी। बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व सुशील कुमार गोंड़ ने अब तक की तैयारियों और आगे की कार्ययोजना की बिंदुवार जानकारी प्रस्तुत की। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के लिए अलग-अलग रोस्टर के अनुसार विस्तृत प्लान तैयार करने के निर्देश दिए, ताकि अधिक से अधिक नागरिकों को स्व-जनगणना के लिए प्रशिक्षित किया गया है।उन्होंने जिला पंचायत राज अधिकारी को सभी विकास खंडों में पंचायत सहायकों और ग्राम प्रधानों की ब्लॉक स्तर पर ट्रेनिंग कराने के निर्देश दिए। नगर क्षेत्रों में वार्ड सदस्यों के माध्यम से कैंप लगाकर नागरिकों को प्रशिक्षित किया जाएगा। बेसिक शिक्षा अधिकारी और जिला विद्यालय निरीक्षक को शिक्षण संस्थानों में शिक्षकों के माध्यम से जनगणना संबंधी जानकारी का प्रसार करने के लिए निर्देशित किया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी को आशा और एएनएम कर्मियों के माध्यम से जागरूकता फैलाने तथा उपायुक्त उद्योग को फैक्ट्रियों में कार्यरत कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने के निर्देश भी दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि जनगणना का कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण है, इसलिए इसे पूरी गंभीरता और गुणवत्ता के साथ किया जाए तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

ज्येष्ठ माह के प्रथम मंगलवार को जगह जगह भंडारे का आयोजन

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। असोहा क्षेत्र में जेठ माह के प्रथम मंगलवार को जगह जगह भण्डारे का आयोजन किया गया मंगलवार सुबह से शाम तक असोहा क्षेत्र में जगह जगह जेठ माह के प्रथम मंगलवार को हुए भण्डारे कहि पूड़ी सब्जी तो कही सर्बत तो कही छोला चावल भंडारों में बटा प्रसाद काथा स्थिति 100 वर्ष पुराने मन्दिर में हजारों की संख्या में भक्तों ने किये हनुमान जी के दर्शन चढ़ाया प्रसाद वही गोमापुर में सपा नेता पवन मिश्रा ने रामायण पाठ के समापन्न के साथ विशाल भण्डारे का आयोजन कराया जिसमे पुरवा विधानसभा से हजारों की संख्या में लोग पहुँचे और भण्डारे का प्रसाद ग्रहण किया पवन मिश्रा ने कहा जेठ माह के प्रथम मंगलवार के एक दिन पहले सम्पूर्ण रामायण का पाठ कराकर प्रथम मंगलवार को भण्डारे का आयोजन करते है ।वही क्षेत्र के धनीपुर ग्राम पंचायत में पूर्व जिला पंचायत सदस्य व ग्राम प्रधान टिंकू यादव द्वारा सोमवार से रामायण पाठ का प्रारंभ कराकर मंगलवार को विशाल भण्डारे का आयोजन साथ ही मेला, आल्हा गायन और रात्रि में कठपुतली के नृत्य का आयोजन किया कार्यक्रम में आये हुए सभी भक्तों का टिंकू यादव ने अंगवस्त्र पहनाकर सम्मानित किया

वृद्ध महिला की ट्रेन की चपेट से हुई मौत

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। अजगैन कोतवाली क्षेत्र में मंगलवार को कानपुर-लखनऊ रेल मार्ग पर एक बुजुर्ग महिला की ट्रेन की चपेट में आने से मृत्यु हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। मृतका की पहचान जनपुर गांव, थाना अजगैन निवासी गदा (लगभग 70 वर्ष), पत्नी नन्हके के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि वह अपनी बहन के घर सतई खेड़ा जा रही थीं, तभी यह हादसा हुआ। हादसे के स्पष्ट कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। प्रारंभिक आशंका है कि महिला रेलवे ट्रैक पार करते समय ट्रेन की चपेट में आई होगी। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। मृतका के परिवार में चार बेटे और तीन बेटियां हैं। घटना की सूचना मिलने पर परिजन मौके पर और बाद में पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे। इंस्पेक्टर सुरेश सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और हादसे के कारणों का पता लगाया जा रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

किसानों ने की बैठक 300 यूनिट विद्युत मुफ्त करने की मांग

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। ट्रांस गंगा सिटी क्षेत्र के मुरलीपुर गांव में किसानों की एक बैठक आयोजित की गई। इस दौरान किसान आंदोलन के प्रदेश संयोजक अजय अनमोल ने उत्तर प्रदेश में 300 यूनिट मुफ्त बिजली लागू करने की जोरदार मांग उठाई। अजय अनमोल ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि दिल्ली, बिहार और राजस्थान जैसे पड़ोसी राज्यों में मुफ्त बिजली की योजना पहले से लागू है, जहां लोगों को इसका लाभ मिल रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब इन राज्यों में यह सुविधा उपलब्ध है, तो उत्तर प्रदेश के लोगों को इससे वंचित क्यों रखा जा रहा है। अनमोल ने इसे प्रदेशवासियों के साथ भेदभाव बताते हुए सरकार से इस पर गंभीरता से विचार करने की मांग की। उन्होंने जोर दिया कि अन्य राज्यों की तरह प्रदेश के लोगों को भी यह सुविधा मिलनी चाहिए, क्योंकि यह उनका अधिकार है। उन्होंने अपने संबोधन में उत्तर प्रदेश के ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि यह प्रदेश देश को दो प्रधानमंत्री दे चुका है और यहां भगवान राम व कृष्ण की जन्मभूमि, काशी विश्वनाथ तथा गंगा-यमुना जैसी पवित्र नदियां व संगम स्थल हैं। ऐसे में यहां के लोगों को बुनियादी सुविधाओं से वंचित रखना उचित नहीं है। प्रदेश संयोजक ने तर्क दिया कि यदि सरकार 300 यूनिट मुफ्त बिजली लागू करती है, तो इससे आम जनता को सीधा लाभ मिलेगा। साथ ही स्मार्ट मीटर को लेकर चल रहा विरोध भी स्वतः समाप्त हो जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि इस फैसले से सरकार को राजनीतिक रूप से भी लाभ मिल सकता है। उन्होंने जनता और जनप्रतिनिधियों से इस मुद्दे पर एकजुट होकर आवाज उठाने की अपील की। बैठक के दौरान ट्रांस गंगा सिटी में किसानों को निशुल्क प्लॉट दिए जाने की प्रक्रिया पर भी चर्चा की गई। अजय अनमोल ने बताया कि इस संबंध में लगातार प्रयास और पैरवी की जा रही है। साथ ही क्षेत्र के गांवों में विद्युत व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए चल रही कार्रवाई की जानकारी भी दी गई। इस बैठक में प्रदीप निषाद, लल्लन शर्मा, राजीव वर्मा, कल्याण सिंह राजपूत, दीप चंद्र राजपूत, संजय निषाद, राज नारायण राजपूत, मुन्नी लाल राजपूत, रामविलास रावत, अमरेश रावत, कलिका प्रसाद, छेदी लाल, संदीप निषाद समेत बड़ी संख्या में किसान और ग्रामीण मौजूद रहे।

चुनाव खत्म होते ही देश की राजनीतिक धड़कनें तेज हो जाती हैं और इसी के साथ एग्जिट पोल का दौर शुरू होता है। टीवी स्क्रीन, डिजिटल प्लेटफॉर्म व सोशल मीडिया पर आंकड़ों की बाढ़ आ जाती है, जहां हर एजेंसी अपने-अपने अनुमान पेश करती है। ये आंकड़े न सिर्फ राजनीतिक दलों के लिए रणनीतिक संकेत होते हैं, बल्कि आम मतदाता के लिए भी जिज्ञासा और बहस का विषय बन जाते हैं, लेकिन सवाल यह है कि क्या एग्जिट पोल वास्तव में जनादेश का सटीक प्रतिबिंब हैं या महज एक अनुमान, जो कई बार हकीकत से काफी दूर होता है? पिछले कुछ वर्षों में एग्जिट पोल की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े हुए हैं। कई चुनावों में इनके नतीजे वास्तविक परिणामों से मेल नहीं खा पाए, जिससे जनता के बीच अविश्वास की भावना बढ़ी है। खासकर पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में, जहां सामाजिक, राजनीतिक व सांस्कृतिक जटिलताएं अधिक हैं, एग्जिट पोल अक्सर वास्तविक जनमत को पकड़ने में असफल रहे हैं। दरअसल, भारत जैसे विशाल देश में कुछ हजार लोगों के सैंपल के आधार पर करोड़ों मतदाताओं के रुझान का सटीक आकलन करना चुनौतीपूर्ण है। फिर भी एग्जिट पोल पूरी तरह निरर्थक नहीं हैं। वे चुनावी प्रवृत्तियों, मतदाता मनोविज्ञान और संभावित राजनीतिक दिशा का एक प्रारंभिक संकेत जरूर देते हैं। *इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...।*

केवल प्रतिक्रियाओं के अनुसार मत न बनाएं

एग्जिट पोल

अवधेश कुमार

भारत में ओपिनियन पोल यानी चुनाव पूर्व सर्वेक्षण हो या एग्जिट पोल मतदान के बाद का सर्वेक्षण ऐसा कोई वर्ष नहीं जब इस पर जबरदस्त विवाद तथा तू -तू -मैं -मैं न होती हो। मतदान के बहुमत की प्रवृत्ति या दिशा जिस पार्टी या समूह के विरुद्ध दिखाई जाती है यानी जिसके पराजित होने की संभावना व्यक्त होती है वह इसका विरोध करता है। हालांकि विरोध सामान्य या तथ्यों के आधार पर प्रश्न उठाया जाए या कोई तार्किक आपत्ति हो तो समस्या नहीं। अगर किसी एजेंसी या मीडिया संस्थान को ओपिनियन पोल या एग्जिट पोल करने और उसे सामने लाने का अधिकार है तो संबंधित पार्टियों को भी विरोध करने का। किंतु पिछले कुछ वर्षों से ऐसी सभी एजेंसियों और संस्थाओं को भाजपा द्वारा या सरकार द्वारा प्रायोजित बता कर उसकी साख को भी समाप्त करने का अभियान चलता है।

ओपिनियन पोल और एग्जिट पोल पर राजनीतिक दलों व कुछ टिप्पणीकारों द्वारा उठाए जा रहे प्रश्नों से उनकी विश्वसनीयता को गहरा आघात लगा है। ऐसा माहौल बना हुआ है मानो सारे एग्जिट पोल आज तक गलत ही साबित हुए हैं। सच ऐसा नहीं है। एग्जिट पोल का यह अर्थ नहीं कि वे जितनी सीटें बताते हैं वास्तव में उतने ही आ सकते हैं या आने चाहिए। एग्जिट पोल से हमें चुनाव परिणाम का भावी ट्रेंड यानी प्रवृत्ति या दिशा का आभास मिलता है। अनेक बार एक्जिट पोल लगभग परिणाम के आसपास भी रहे हैं। कई बार गलत भी साबित हुए हैं। इसलिए केवल प्रतिक्रियाओं के आधार पर ही मत नहीं बनाएं।

पश्चिम बंगाल के एग्जिट पोल पर तृणमूल कांग्रेस की प्रतिक्रियाएं देख लीजिए। हालांकि इनमें भी ज्यादातर एजेंसियों ने तृणमूल और भाजपा के मतों मटन एवं सीटों में बहुत ज्यादा अंतर नहीं दिखाया है। हां, ज्यादातर में भाजपा के विजय कि प्रवृत्ति अवश्य दर्शायी गई है। इनमें अंतर इतने महीन हैं कि इन एग्जिट पोलों के आधार पर भी आप निश्चयात्मक नहीं मान सकते कि हां यही परिणाम आएगा। केवल एक एजेंसी टुडेज चाणक्या ने भाजपा को तृणमूल से मतों एवं सीटों दोनों में काफी आगे बताया है। तृणमूल कांग्रेस के शीर्ष नेत्री ममता बनर्जी से लेकर अभिषेक बनर्जी, उनके मंत्री, सांसद और यहां तक कि टीवी पर बैठने वाले प्रवक्ता व पैनलिस्ट एजेंसियों और चैनलो पर हमले कर रहे हैं। एक एजेंसी ने घोषणा कर दिया कि पश्चिम बंगाल का एग्जिट पोल नहीं दिखाएंगे और इसके कारण दिए हैं। ओपिनियन पोल और एग्जिट पोल पर राजनीतिक दलों तथा कुछ टिप्पणीकारों द्वारा उठाए जा रहे प्रश्नों से उनकी विश्वसनीयता को गहरा आघात लगा है। ऐसा माहौल बना हुआ है मानो सारे एग्जिट पोल आज तक गलत ही साबित हुए हैं। सच ऐसा नहीं है। एग्जिट पोल का यह अर्थ नहीं कि वे जितनी सीटें बताते हैं वास्तव में उतने ही आ सकते हैं या आने चाहिए। एग्जिट पोल से हमें चुनाव परिणाम का भावी ट्रेंड यानी प्रवृत्ति या दिशा का आभास मिलता है। अनेक बार एक्जिट पोल लगभग परिणाम के आसपास भी रहे हैं। कई बार गलत भी साबित हुए हैं। राजनीतिक दलों, एक्टिविस्टों और पत्रकारों के एक वर्ग की अपनी समस्या है। उन्हें केवल एग्जिट पोल को नकारना है। 2024 लोकसभा चुनाव परिणाम में एग्जिट पोलों के द्वारा दिए गए आंकड़ों से परिणाम भिन्न आए। आवाज यहां तक उठी कि एग्जिट पोल को प्रतिबंधित कर देना चाहिए। कोई नेता या संगठन दावा करे कि हम इतनी सीटें प्राप्त करेंगे तो उन पर चुनाव प्रक्रिया के बीच आचार संहिता के माध्यम से भी रोक नहीं लग सकती, लेकिन कोई एजेंसी या मीडिया संस्थान ऐसा न करे यह कहां का न्याय होगा? लोकसभा चुनाव के साथ ही आंध्र प्रदेश और ओडिशा के ज्यादातर एग्जिट पोल लगभग सही साबित हुए। आंध्र में तेलुगू देशम के नेतृत्व में राजग तथा ओडिशा में भाजपा के लिए बहुमत का आंकड़ा दिया था और परिणाम वहीं आया। 2024 लोकसभा चुनाव में कुल सीटों के अनुसार अवश्य एग्जिट पोल विफल हुए, भाजपा बहुमत से 32 सीट पीछे रह गई। बावजूद भाजपा लोकसभा में इतनी बड़ी पार्टी बनी कि इसके आसपास कोई दल नहीं है। अधिकतर एग्जिट पोल 2024 लोकसभा चुनाव में मुख्यतः तीन राज्यों उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल में विफल साबित हुए। अन्य राज्यों के आंकड़े देखें तो उन्हें आप विफल नहीं कर सकते। 2014, 2019 लोकसभा चुनावों में एग्जिट पोल और परिणाम की दिशा एक रही।

ओपिनियन पोल और एग्जिट पोल वर्तमान चुनाव प्रणाली में मतदाताओं की मनः स्थिति समझने का माध्यम है। ओपिनियन पोल में आप अलग-अलग क्षेत्र में जाते हैं, लोगों से बातें करते हैं और गणना करते हुए निष्कर्ष निकालते हैं। केवल किसको मत देंगे और क्यों देंगे यही प्रश्न नहीं होता। मुद्दों, उम्मीदवारों, नेताओं, उनके कार्यों, विकास आदि इतने प्रश्न होते हैं कि उनसे काफी कुछ धरातली वास्तविकता समझा जा सकता है। तब भी ओपिनियन पोल परिणाम चुनाव परिणाम की प्रवृत्ति से अलग हो सकते हैं। कारण, ये मतदान पूर्व होते हैं और चुनाव अभियानों से लेकर मतदान तक लोगों का मन बदल सकता है। वैसे भी अब आचार संहिता लागू होने के बाद ओपिनियन पोल नहीं दिखाया जा सकता। सर्वेक्षण में पारदर्शिता भी होनी चाहिए। पारदर्शिता का अर्थ है कि आपके सैंपल साइज यानी कितने लोगों से अपने मत पूछा और उनमें किन-किन क्षेत्रों से और किस श्रेणी के लोग थे। आपके सर्वेक्षण करने का तरीका क्या था आदि आदि। पहले मतदान केंद्र के बाहर ही एजेंसियां अपना छाया मतदान पेटी लगाती थी जिसमें निकलने वाले लोग मत डालते थे। बाद में लैपटॉप और टैब से यह काम किया जाने लगा। जहां लैपटॉप टैब नहीं लगा सकते वहां मतदान कर निकलने वालों से पूछ कर नोट किया जाता है या ऑडियो विजुअल टेप रहता है। अगर ईमानदारी और पेशेवर तरीके से एग्जिट पोल हो तथा उनमें आए तथ्यों का आंकड़ों में ठीक से आकलन जाए तो परिणाम की दिशा अवश्य सामने आ जाएगी। चाहे ओपिनियन पोल हो या एग्जिट पोल उनमें आरंभ से ही ईमानदारी और पेशे की वास्तविक समझ की आवश्यकता है। फिर आपके पास सर्वेक्षण आ गए और उनको आंकड़ों में परिवर्तन करने में आप पारंगत नहीं है तो गड़बड़ी हो सकती है। मतदान प्रतिशत के बाद उन्हें सीटों में प्रेषित करना सबसे कठिन काम है। अगर मतदान प्रतिशत में 2,3,4 प्रतिशत का अंतर हो तो परिणाम किसी दिशा में पलट सकता है। इसलिए मत प्रतिशत को सीटों में बदलना जोखिम भरा है। सामान्यतः लोग मत प्रतिशत नहीं सीटें देखते हैं और परिणाम आने के बाद उसी को लेकर हमला करने लगते हैं। तृणमूल कांग्रेस के शासन में विरोधियों के विरुद्ध हुई भयानक हिंसा, भ्रष्टाचार , सत्ता और निहित स्वार्थी तत्वों तथा सिंडिकेट के जुड़ाव के कारण लोगों में असंतोष हो ही नहीं ऐसा कैसे संभव है? इसलिए पार्टियों की आलोचना के आधार पर हम ओपिनियन पोल या एग्जिट पोल के बारे में मत न बनायें। वैसे भी सोशल मीडिया के माध्यम से नॉरेटिव के हल्ला बोल वाले दौर में सच को झूठ और झूठ को सच बनाना आसान हो गया है। इसलिए स्वयं संबंधित प्रदेश या क्षेत्र के शासन के प्रभावों का मूल्यांकन कर निष्कर्ष निकालें कि वहां क्या हो सकता है। फिर एग्जिट पोल या ओपिनियन पोल के साथ उसकी तुलना करें निष्कर्ष स्वयं निकल जाएगा।

पारदर्शिता से काम करें सर्वे कंपनियां

उम्मीद

योगेश कुमार सोनी

वरिष्ठ पत्रकार

बीते दशकभर में अब एग्जिट पोल्स पर से लोगों का भरोसा उठता हुआ दिखने लगा है। कारण यह है कि एग्जिट पोल्स सटीक तरीके से चुनाव नतीजों के साथ मेल नहीं खा रहे। पिछले कुछ चुनावों में कुछ एग्जिट पोल तो बिल्कुल ही गलत साबित हुए हैं। जैसा कि अभी हाल ही में पांच राज्यों में चुनाव चल रहे हैं तो सबकी निगाह यहां बनी हुई है। हाल ही में तमिलनाडु, असम, केरल,पुडुचेरी और पश्चिम बंगाल हुए चुनावों के एग्जिट पोल जो दिखाए जा रहे हैं, लेकिन इस बार लोग उस पर विश्वास नहीं कर रहे। इस कारण भी सबके सामने हैं, लेकिन अब सवाल यही उठता है कि आखिर ऐसा क्यों हो रहा है? पहले केवल विधानसभा या लोकसभा एक हजार लोगों से राय लेते थे और उससे ही उस सीट की जीत व हार तय करते थे, लेकिन अब पांच व दस हजार लोगों से राय लेकर भी एग्जिट पोल्स सटीक नहीं बैठ रहे। और ज्ञात हो कि चुनाव संपन्न होने के बाद ही सर्वे कंपनियां अपना रिजल्ट बता दी थी, लेकिन अब पहले चरण में हुए चुनाव से ही अपने रिजल्ट रख देते हैं व इसके अलावा अब आरोप यह लगने लगे कि सर्व कंपनियों को किसी भी पार्टी के पक्ष में हवा बनाए रखने के लिए गलत रिपोर्ट देने लगी जिससे की पार्टी को फायदा हो। दूसरा पहलू यह है कि एग्जिट पोल के सर्वे इस बात पर आधारित होते है कि वोटिंग करके मतदान केंद्रों से निकल रहें लोग सही जवाब देंगे लेकिन ऐसा होता नहीं है। कुछ मतदाता वास्तव में झिझकते हैं व कुछ गोलमोल जवाब देते हैं तो कुछ गलत भी बताते हैं। समझा यह भी जाता है कि मतदाता दबाव, डर, सामाजिक परिस्थितियों के चलते खुलकर अपने मत का खुलासा नहीं करते। एग्जिट पोल करने वाली एजेंसियां सभी मतदान केंद्रों को कवर नहीं कर पातीं। रैंडम सैंपलिंग की कमी और छोटी सैंपल साइज के कारण भी परिणाम गलत हो सकते हैं। अक्सर सर्वे एजेंसियां वोट शेयर का अनुमान तो सही लगा लेती हैं, लेकिन वह वोट किस सीट पर कितना प्रभावी होगा इसका सटीक अनुमान नहीं लगा पातीं। कई बार एग्जिट पोल का इस्तेमाल सत्ताधारी पार्टी माहौल बनाने के लिए किया जाता है। सर्वेक्षकों के पक्षपातपूर्ण रवैये और सत्ताधारी पार्टी के पक्ष में झुकाव होने के कारण भी परिणाम वास्तविक नतीजों से अलग हो सकते हैं।

एग्जिट पोल लोकतंत्र में रुझान समझने का माध्यम हैं, लेकिन घटती सटीकता व पक्षपात के आरोपों ने भरोसा कमजोर किया है। विश्वसनीय बनाए रखने के लिए पारदर्शिता, बेहतर सैंपलिंग और निष्पक्षता जरूरी है, अन्यथा इनकी उपयोगिता पर सवाल उठते रहेंगे।

मतदान के अंतिम चरणों या वोट डालने से ठीक पहले के रुझान सर्वे में कैद नहीं हो पाते जिससे अंतिम परिणाम सर्वे में बताए हुए परिणामों के व विपरीत दिखते हैं। यह बात लगातार दिखने लगी और इस वजह से सर्व की गंभीरता कम होने लगी। एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में पिछले चार दशकों में 833 सर्वेक्षणों जिसमें 386 पूर्व मतदाता पोल यानी ओपिनियन पोल व 447 एग्जिट पोल शामिल है जिसमें लगभग तीन तिहाई सर्वेक्षणों ने सही विजेता पार्टी का अनुमान लगाया। एग्जिट पोल की सफलता दर भारत में लगभग अस्सी प्रतिशत बताई गई है जाती रही है जबकि पूर्व-मत सर्वेक्षण की सफलता दर सत्तर प्रतिशत से भी ज्यादा थी। कुछ आंकड़ों के अनुसार भारत में एग्जिट पोलों का सटीकता काफी सीमित मानी जाती थी लेकिन अब सबसे ज्यादा अविश्वास हमारे देश में उत्पन्न होने लगा है। एक कहावत भी है कि अति हर चीज की बुरी होती है इसलिए सर्व कंपनियों की कार्यशैली पर लगातार सवालिया निशान खड़े होने से जनता मन में एग्जिट पोल्स की गंभीरता खत्म होने लगी। सर्वे कंपनिया लाखों-करोड़ों रुपयों खर्च कर सर्व कराती है जिससे चुनाव से पहले एक रोमांच पैदा होने लगा था, लेकिन अब ऐसा नहीं होता। यदि विश्वसनीय को बनाए रखना हो तो सर्व कंपनियों को अपना पैटर्न बदलना होगा जिससे कि उनका काम चलता रहे साथ ही उनके सर्वे पर विश्वसनीयता भी बनी रहे। अन्यथा फ्रांस, इटली, जर्मनी, कनाडा, ब्रिटेन, सिंगापुर, साउथ अफ्रीका, चेक गणराज्य में भी निर्वाचन स्थल पर एग्जिट पोल भारत में प्रतिबंधित न हो जाए। चूंकि इन देशों का मानना है कि किसी भी चुनाव का पहले से रिजल्ट से देश या राज्य में एक नकारात्मकता फैलती है और जो भी निर्णय होगा वो नेता या पार्टी को स्वीकार करना चाहिए। वहीं इससे किसी भी नेता या पार्टी जीतने व हारने को लेकर सट्टेबाज करोड़ो का सट्टा लगाते हैं जिससे अव्यवस्था फैलती है। एक नजरिये से यह सही लगता है सर्वे नही होना चाहिए चूंकि निर्णय की जिज्ञासा का बना रहना जरूरी है। इसलिए सर्वे हो तो इसकी विश्वसनीयता बनी रही या फिर न हो।

एग्जिट पोल की सटीकता पर उठते गंभीर सवाल

चुनौती

रवि शंकर

स्वतंत्र पत्रकार

चुनाव खत्म होते ही देशभर में सबसे ज्यादा चर्चा अगर किसी चीज की होती है, तो वह है एग्जिट पोल। वोटिंग खत्म होने के कुछ घंटों बाद टीवी चैनलों, डिजिटल प्लेटफॉर्म और सोशल मीडिया पर सीटों के अनुमान आने लगते हैं। लोग यह जानने को उत्सुक रहते हैं कि आखिर किसकी सरकार बन सकती है। राजनीतिक दल भी एग्जिट पोल पर नजर रखते हैं, लेकिन सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या एग्जिट पोल पर पूरी तरह भरोसा किया जा सकता है? दरअसल, भारतीय चुनावों में एग्जिट पोल के परिणाम अक्सर वास्तविक नतीजों से अलग पाए जा रहे हैं, जिससे उनकी सटीकता पर सवाल खड़े हो गए हैं। पिछले कुछ चुनावों का इतिहास दर्शाता है कि कई बार एग्जिट पोल के अनुमान गलत साबित हुए हैं। पश्चिम बंगाल इसका एक प्रमुख उदाहरण है, जहां 2021 और 2016 के विधानसभा चुनावों में एग्जिट पोल ने कांटे की टक्कर या अलग परिणाम दिखाए थे, जबकि तृणमूल कांग्रेस ने भारी बहुमत से जीत हासिल की। दरअसल, कई बार एग्जिट पोल और असल नतीजों में मामूली अंतर होता है। लोगों के मन में सवाल है कि एग्जिट पोल सटीक क्यों नहीं हो पाते हैं। करीब 100 करोड़ के मतदाताओं वाले देश में चंद हजार लोगों से बातचीत के आधार पर एग्जिट पोल का सर्वे किया जाता है। एग्जिट पोल में शामिल होने वाला मतदाता क्या सच बोल रहा है या नहीं ये भी एक बड़ा सवाल है। वहीं, विधानसभा और लोकसभा क्षेत्र में कई पोलिंग बूथ होते हैं। एग्जिट पोल का सर्वे करने वाली एजेंसियां क्या सभी पोलिंग बूथ पर मतदाताओं से बात करती हैं या कुछ एक बूथ पर ही जाती हैं। हर पोलिंग बूथ और क्षेत्र में मतदाताओं का रुझान अलग-अलग होता है। पिछले तीन दशक में ऐसे कई मौके आए हैं जब एग्जिट पोल औंधे मुंह गिरा है। बता दें, एग्जिट पोल की शुरुआत भारत में सबसे पहले 1970 अंत और 1980 के दशक के शुरू में हुई थी। ये शुरुआती पोल बहुत ही बुनियादी थे और कुछ अग्रणी संगठनों और मीडिया घरानों द्वारा संचालित किए गए थे। वे काफी हद तक प्रयोगात्मक थे और परिष्कृत नमूनाकरण तकनीकों और डेटा विश्लेषण उपकरणों की कमी के कारण हमेशा सटीक नहीं होते थे। 1990 के दशक में एग्जिट पोल की संख्या और दायरे में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई। भारतीय अर्थव्यवस्था के उदारीकरण और निजी टेलीविजन चैनलों के आगमन के साथ, मीडिया घरानों ने राजनीतिक कवरेज और विश्लेषण में अधिक निवेश करना शुरू कर दिया। इस अवधि में विशेषीकृत मतदान एजेंसियों का उदय भी हुआ। अपनी बढ़ती लोकप्रियता के बावजूद, इस समय के दौरान एग्जिट पोल को अक्सर उनकी अशुद्धियों और मतदाता व्यवहार पर संभावित प्रभाव के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा। हालांकि, 2000 के दशक की शुरुआत में चुनाव आयोग ने चुनावी प्रक्रिया पर एग्जिट पोल के संभावित प्रभाव पर ध्यान देना शुरू किया। 1998 में आयोग ने मतदाताओं को प्रभावित करने से बचने के लिए मतदान के कुछ चरणों के दौरान एग्जिट पोल के प्रकाशन को प्रतिबंधित करने के लिए दिशा-निर्देश जारी किए। प्रौद्योगिकी में प्रगति के साथ, मतदान एजेंसियों ने अधिक परिष्कृत तरीके अपनाना शुरू कर दिया। कम्प्यूटरीकृत डेटा संग्रह और विश्लेषण ने एग्जिट पोल की सटीकता और विश्वसनीयता में कुछ हद तक सुधार अवश्य हुआ। इस अवधि में भारत में अध्ययन के एक सम्मानित क्षेत्र के रूप में सेफोलॉजी का उदय भी देखा गया। स्पष्ट है, जब नजर संतुलित हो, तभी सच साफ दिखता है-एग्जिट पोल को लेकर यही सबसे बड़ा समाधान है। ये न पूरी तरह गलत हैं, न पूरी तरह सही- इनका मूल्य इस बात पर निर्भर करता है कि हम इन्हें कैसे देखते हैं। यदि इन्हें संकेतक माना जाए, तो ये उपयोगी हैं, लेकिन यदि अंतिम निर्णय मान लिया जाए, तो भ्रम पैदा करते हैं। 2026 के इन महत्वपूर्ण चुनावों में जरूरी है कि हम आंकड़ों की चमक से प्रभावित होने के बजाय वास्तविकता की प्रतीक्षा करें। क्योंकि लोकतंत्र की सच्ची तस्वीर वही होती है जो मतपेटियों से निकलती है, न कि वह जो स्क्रीन पर दिखाई जाती है।

एग्जिट पोल लोकतंत्र में रुझान समझने का उपयोगी माध्यम हैं, लेकिन सीमाएं व त्रुटियां नजरअंदाज नहीं की जा सकतीं। इन्हें अंतिम परिणाम मानना भ्रम पैदा करता है। बेहतर होगा कि इन्हें केवल संकेत के रूप में देखें।

चुनाव विश्लेषण : नतीजों से पहले परिणाम की जंग

चिंतन

चरणजीत 'चरण'

वरिष्ठ पत्रकार

भारत में चुनाव विश्लेषण (एग्जिट पोल) सरकार के बदलने विधायक, सांसद, बदलने की सम्भावना प्रक्रिया मात्र नहीं है, बल्कि भारत का एग्जिट पोल अलग-अलग लोगों के लिए अलग-अलग तरह से उसका विश्लेषण करने गुना-भाग करने और परिणाम घोषित होने से पहले अपने आकड़ों पर डिबेट करने का एक माध्यम है। भौतिक रूप से बेशक इसका कोई फायदा नजर न आता हो, लेकिन तकनीकी रूप से इस प्रक्रिया के द्वारा भी लोकतंत्र की मजबूती का मार्ग प्रसस्त होता है। जो लोग चुनाव में थोड़े निष्क्रिय रहते हैं वो भी अपने पसंद के उम्मीदवार और पार्टी तय कर लेते हैं। इन सभी चुनावी प्रक्रियाओं में वोटिंग से लेकर रिजल्ट आने तक के चार पांच दिनों में मतदाता कहीं थका हुआ या ठगा मासूस ना करे तो उसके लिए चुनाव वाले दिन या उससे एक दो दिन आगे एग्जिट पोल की व्यवस्था है। एग्जिट पोल की के माध्यम से ये जानने की कोशिश की जाती है कि मतदाता का रुझान किस तरफ है। वह वर्तमान सरकार को बदलना चाहता है या उसे एक मौक़ा और देना चाहता है। चुनावी विशेलषक या सेफोलॉजिस्ट एग्जिट पोल के द्वारा जुटाए गए आकड़ों के माध्यम से मतदाता के मनोविज्ञान को जानने की कोशिश करते हैं। हालांकि भारतीय मतदाता अपने सात दशकों के लोकतंत्र में इतना परिपक्व हो गया है कि वह अंतिम समय तक किसी को भनक नहीं लगने देता कि उसका मत कहां जाएगा। शायद यही कारण है कि कई बार एग्जिट पोल बुरी तरह उलट जाते हैं। एग्जिट पोल के इतिहास में ऐसा अनेक बार हो चुका है जब अधिकतर एग्जिट पोल जिधर इशारा करते हैं परिणाम उसके बिलकुल उलट होता है। भारत जैसे विविधताओं से भरे समाज में ये संभव ही नहीं है कि कोई विश्लेषक एग्जिट पोल के सटीक परिणाम तक पहुंच सके। इसके पीछे अनेक कारण हैं। जहां एक विधानसभा में मतदाताओं की संख्या तीन से चार लाख तक होती है वहां पांच सौ या हजार लोगों की पसंद के आधार पर पूरी विधान सभा का विश्लेषण करना कठिन है। इसके अतिरिक्त

भारतीय मतदाता इतना परिपक्व हो गया है कि वह अंतिम समय तक किसी को भनक नहीं लगने देता कि उसका मत कहां जाएगा।

भारत में भाषा, जाति, धर्म, क्षेत्र, स्त्री, पुरुष, किसान, मजदूर, युवा, नौकरी-पेशा बेरोजगार, गांव, शहर में बंटे मतदाता की समस्याएं और उसके विचार अलग हैं। इसी आधार पर लोग वोट भी करते हैं। इसलिए चुनाव के पश्चात कुछ लोगों की राय के आधार पर हार-जीत का विश्लेषण करना चुनौती पूर्ण रहता है। पिछले कई वर्षों के एक्सिटपोल के आकड़ों पर यदि नजर डाले तो जहां दो पार्टियों में कांटे का मुकाबला होता है वहां 1% का मतान्तर भी आकड़े को 40/60 में बदल देता है। अगर यही अनुपात तीन चार प्रतिशत तक चला जाए तो एक पार्टी को दो तिहाई बहुमत तक मिल जाता है ऐसी स्तिति में किसी भी सेफोलॉजिस्ट के लिए कुछ सैंपल साइज़ के आदर पर सटीक आकड़े देना बहुत कठिन कार्य है। 2023 और 2024 के छत्तीसगढ़ और हरियाणा के चुनाव इसका सटीक उदाहरण है। 2023 के छत्तीसगढ़ विधान सभा चुनाव में जहां लगभग सभी एग्जिट पोल जिस पार्टी के पक्ष में थे उसे हार का सामना करना पड़ा। उसी तरह 2024 के हरियाणा विधानसभा चुनाव में सभी एक्सिटपोल जिस रूलिंग पार्टी के विपरीत जा रहे थे उसे तीसरी बार बहुत मिला। कई सेफोलॉजिस्ट का मानना है कि भारत में जातीय और धार्मिक रूप से पिछड़े, दबे, कुचले मतदाता अपनी राय सार्वजानिक करने से डरते हैं। या उनके मन में थोड़ी हिचकिचाहट रहती है। इस भाव को सर्पिल ऑफ साइलेन्स कहा जाता है। 2015 का बिहार विधानसभा चुनाव इसका सटीक उदाहरण है जहां अधिकतर पोल महागठबंधन की जीत का पूर्व आंकलन नहीं कर सके और परिणाम परिणाम एग्जिट पोल के बिलकुल विपरीत निकले। क्योंकि बिहार और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में अक्सर दलित और पिछड़े मतदाता अंतिम क्षण तक खुलकर बात नहीं कर पाते। कुल मिलाकर निष्कर्ष ये निकलता है कि एग्जिट पोल मतदाता की मनःस्थिति का आंकलन नहीं है। बल्कि संभावित परिणाम का मात्र एक चित्र है। एक सेफोलॉजिस्ट समाज के भीतर चल रहे विचार, समस्या और संभावनाओं का आंकलन करता है। आकड़ों को सटीकता तक पहुंचाना हमेशा चूनौतीपूर्ण ही रहेगा। क्योंकि भारत का विविधताओं से भरा समाज व मयांदाओं में बंधी संस्कृति शायद कभी एक मतदाता को ये इजाजत नहीं देगी कि वह अपने मत की गोपनीयता को भंग कर दे। भारत में मतदाता की चुप्पी एक तरह से पुरे चुनाव को व्यावहारिक और रोमांचक बनाती है। और यह चुप्पी बनी रहनी चाहिए यही लोकतंत्र के हित में भी है।

रिकॉर्ड तोड़ वोटिंग से कयासों के भंवर में दल

दृष्टिकोण

अम्बरीष प्रजापति

स्वतंत्र स्तंभकार

पश्चिम बंगाल के चुनावी इतिहास में इस बार का मतदान प्रतिशत एक ऐसा कीर्तिमान स्थापित कर चुका है, जिसने दुनिया भर के राजनीतिक विश्लेषकों को चौंका दिया है। 23 और 29 अप्रैल को संपन्न हुए दो चरणों के इस महाकुंभ में जनता ने जिस तरह दिल खोलकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया, वह इस बात का साक्ष्य है कि बंगाल का मतदाता अपने भविष्य को लेकर कितना जागरूक और मुखर है। सड़कों पर उमड़ा जनसैलाब और लंबी-लंबी कतारें महज एक प्रक्रिया का हिस्सा नहीं थीं, बल्कि एक बड़े बदलाव या एक बड़े समर्थन की मौन पदचाप थीं, जिसका असली खुलासा अब 4 मई को होगा। ममता बनर्जी के नेतृत्व में टीएमसी जहां अपनी 'माटी और मानुष' की राजनीति को सुरक्षित रखने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा रही है, वहीं बीजेपी ने बंगाल में भगवा परचम लहराने के लिए अपनी पूरी सांगठनिक शक्ति झोंक दी है। इस बार के चुनावों में मतदान का रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचना दोनों ही खेमों के लिए कशमकश और कयासों का केंद्र बना हुआ है। राजनीतिक गलियारों में यह बहस छिड़ गई है कि आखिर यह बढ़ा हुआ मतदान प्रतिशत किसके हक में जाएगा। क्या यह सत्ता विरोधी लहर का प्रतीक है या फिर मौजूदा सरकार के प्रति जनता के अटूट विश्वास का प्रमाण है। चुनाव के संपन्न होते ही बंगाल की आबोहवा में दावों और प्रतिदावों का दौर शुरू हो गया है। टीएमसी का मानना है कि महिलाओं के लिए चलाई गई योजनाओं, ग्रामीण विकास और स्थानीय अस्मिता के मुद्दे ने जनता को घरों से बाहर निकाला है। उनका तर्क है कि जब जनता बड़े पैमाने पर वोट करती है, तो वह अक्सर स्थिर सरकार और लोकप्रिय नेतृत्व के पक्ष में होता है। दूसरी ओर, बीजेपी के खेमे में भी उत्साह की कोई कमी नहीं है। उनके अनुसार, यह भारी मतदान परिवर्तन की आकांक्षा का सूचक है। बीजेपी का मानना है कि जनता भ्रष्टाचार, कानून व्यवस्था और रोजगार जैसे मुद्दों पर आक्रोशित है और इसी

पोल ऑफ पोल्स की स्थिति इतनी धुंधली है कि किसी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी। यह अनिश्चितता ही इस चुनाव के रोमांच को बढ़ा रही है।

आक्रोश ने उन्हें मतदान केंद्रों तक खींचा है। दोनों दलों के शीर्ष नेतृत्व से लेकर बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं तक, हर कोई अपनी-अपनी जीत को लेकर आश्वस्त तो दिख रहा है, लेकिन भीतर ही भीतर एक अनजाना डर और संशय भी बना हुआ है। बंगाल का यह चुनाव कई मायनों में अनूठा रहा। अब एग्जिट पोल के आंकड़ों ने इस कशमकश को और भी बढ़ा दिया है। विभिन्न सर्वेक्षणों में जहां कुछ एजेंसियां बीजेपी को बहुमत के करीब दिखा रही हैं, वहीं कुछ अन्य टीएमसी की वापसी की भविष्यवाणी कर रही हैं। 'पोल ऑफ पोल्स' की स्थिति भी इतनी धुंधली है कि किसी एक निष्कर्ष पर पहुंचना फिलहाल जल्दबाजी होगी। यह अनिश्चितता ही इस चुनाव के रोमांच को द्विगुणित कर रही है। जब 4 मई को मतपेटियां खुलेंगी और ईवीएम के बटन दबेंगे, तब पता चलेगा कि जनता ने वास्तव में किसे अपना भाग्य विधाता चुना है। क्या ममता बनर्जी की 'हैट्रिक' के बाद चौथी बार सत्ता की चाबी उनके पास रहेगी या फिर सुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व में बीजेपी बंगाल की सत्ता के गलियारों में पहली बार प्रवेश करेगी। इस बार के चुनावों में निर्वाचन आयोग की भूमिका और सुरक्षा इंतजामों की भी चर्चा लाजिमी है। छिटपुट हिंसा की घटनाओं को छोड़ दें, तो मतदान की प्रक्रिया को सुचारू रूप से संपन्न कराना एक बड़ी चुनौती थी, जिसे पार कर लिया गया है। मतदाता सूची में किए गए संशोधनों और विशेष सर्वेक्षणों के कारण इस बार मतदाताओं की संख्या में जो बदलाव आए, उसने भी प्रतिशत के आंकड़ों को प्रभावित किया है। लेकिन इन तकनीकी पहलुओं से परे, सबसे महत्वपूर्ण पहलू मतदाता का वह मौन संकल्प है जो उसने ईवीएम के अंदर दर्ज किया है। बंगाल की जनता अपनी चुप्पी के लिए जानी जाती है और अक्सर यह चुप्पी बड़े-बड़े दिग्गजों के राजनीतिक भविष्य को धाराशायी कर देती है। अंततः बीजेपी और टीएमसी के बीच की यह कसमकश इस बात का प्रतीक है कि लोकतंत्र में कोई भी पद स्थायी नहीं है और जनता ही सर्वोपरि है। तब तक कयासों का बाजार गर्म रहेगा, चर्चाएं चलती रहेंगी और धड़कनें बढ़ी रहेंगी। बंगाल ने अपना फैसला सुना दिया है, बस उसका सार्वजनिक होना बाकी है। सत्ता का ताज किसके सिर सजेगा, यह तो वक्त की कोख में है, लेकिन इस रोमांचक मुकाबले ने यह जरूर साबित कर दिया है कि बंगाल की राजनीति में कभी भी कुछ भी संभव है।

संक्षेप

4 किसानों को जेल भेजने पर आक्रोश

हजारों किसान करेंगे कलेक्ट्रेट का घेराव, प्रदेश अध्यक्ष होंगे शामिल

अमेठी, भारतीय किसान यूनियन (भानु गुट) के चार किसानों को जेल भेजे जाने के विरोध में हजारों किसान सोमवार को कलेक्ट्रेट का घेराव करेंगे। इस प्रदर्शन में संगठन के प्रदेश अध्यक्ष भी शामिल होंगे। दरअसल, शनिवार शाम को प्रशासन ने 15 सूत्रीय मांगों को लेकर समाधान दिवस के दौरान विरोध प्रदर्शन कर रहे चार किसानों को जेल भेज दिया था। इनमें जिला प्रभारी अजय मिश्र 'विल्सन बाबा', पारस, सूरजदीन और राजकुमार पाल शामिल हैं। यह घटना तब हुई जब जिलाधिकारी संजय चौहान अमेठी तहसील में समाधान दिवस की अध्यक्षता कर रहे थे। इसी दौरान भारतीय किसान यूनियन भानु गुट के जिला प्रभारी अजय मिश्र 'विल्सन बाबा' और जिला अध्यक्ष शैलेंद्र मिश्र समेत कई किसान अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन करने लगे। उन्होंने जिलाधिकारी की गाड़ी रोकने का भी प्रयास किया। मामला बढ़ने पर पुलिस ने बल प्रयोग किया और विल्सन बाबा, पारस, सूरजदीन और राजकुमार पाल को हिरासत में ले लिया। बाद में उन्हें शांति भंग के आरोप में 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया किसानों को जेल भेजे जाने के बाद भानु गुट के किसानों में भारी आक्रोश है। जिला अध्यक्ष शैलेंद्र मिश्र ने इस मामले की जानकारी संगठन के बड़े नेताओं को दी। इसके बाद भारतीय किसान यूनियन भानु गुट के प्रदेश अध्यक्ष के आह्वान पर आसपास के जिलों के अलावा अलीगढ़, सहारनपुर जैसे पश्चिमी जिलों से भी हजारों की संख्या में किसान सोमवार सुबह 11 बजे अमेठी पहुंचेंगे। वे कलेक्ट्रेट का घेराव करेंगे।

संग्रामपुर में अवैध खनन पर पुलिस की कार्रवाई

मिट्टी लदा ट्रक जब्त, खनन विभाग को भेजी रिपोर्ट

अमेठी , संग्रामपुर पुलिस ने रविवार सुबह अवैध खनन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। पुलिस ने मिश्रौली क्षेत्र से मिट्टी से लदे एक ट्रक को जब्त कर लिया। यह कार्रवाई संदिग्ध गतिविधियों की सूचना के आधार पर की गई। इंस्पेक्टर संजय सिंह ने बताया कि रविवार सुबह अमेठी-प्रतापगढ़ मार्ग पर मिश्रौली में नियमित चेकिंग चल रही थी। इसी दौरान एक बिना नंबर प्लेट का ट्रक संदिग्ध अवस्था में आता दिखा। पुलिस टीम ने तुरंत ट्रक को रोका और चालक से वाहन के आवश्यक कागजात तथा खनन संबंधी अनुमति पत्र प्रस्तुत करने को कहा। जांच के दौरान चालक कोई भी वैध दस्तावेज नहीं दिखा सका। इसके बाद पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लेकर सीज कर दिया। मामले की रिपोर्ट खनन विभाग को भेज दी गई है, जहां से आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने यह भी स्पष्ट किया कि क्षेत्र में अवैध खनन के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

भारत नेपाल के उच्च अधिकारियों की समन्वय बैठक इंटीग्रेटेड चेक पोस्ट रुपईडीहा में संपन्न

अमन लेखनी समाचार

मोहम्मद कौसर

रूपईडीहा, बहराइच। भारत-नेपाल सीमा स्थित रूपईडीहा के इंटीग्रेटेड चेक पोस्ट (आईसीपी) पर भारत और नेपाल के उच्च अधिकारियों के बीच एक महत्वपूर्ण समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक में भारत की सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) 42वीं वाहिनी, नेपाल के सशस्त्र पुलिस बल तथा पूर्वोत्तर रेलवे के अधिकारी शामिल हुए।

बैठक में सीमा सुरक्षा, आवागमन व्यवस्था तथा अन्य आपसी समन्वय से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। एसएसबी 42वीं वाहिनी के कमांडेंट गिरीश चंद्र पांडे ने बताया कि यह बैठक दोनों देशों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी।इस दौरान एसएसबी के डीआईजी वी. विक्रम, मुन्ना सिंह तथा नेपाल सशस्त्र पुलिस बल के डीआईजी दीपेंद्र कुंवर सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। साथ ही रेलवे के सीनियर डिवीजनल ऑपरेशन मैनेजर और यातायात विभाग के अधिकारी भी बैठक में शामिल हुए।बैठक के उपरांत सभी अधिकारियों ने रूपईडीहा स्थित नवनिर्मित नेपालगंज रोड रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया और वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। रेलवे के सीनियर डिवीजनल ऑपरेशन मैनेजर अनुज कुमार सिंह ने बताया कि इस माह के अंत तक नेपालगंज रोड से ट्रेनों का संचालन शुरू होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि संचालन के बाद यदि समय-सारिणी को लेकर कोई समस्या आती है तो उस पर विचार किया जाएगा।

इस अवसर पर एसएसबी 42वीं वाहिनी के डिप्टी कमांडेंट शशि भूषण, सहायक कमांडेंट अमित कटियार, सुनील कुमार, शांति सहित अन्य जवान उपस्थित रहे। वहीं रेलवे पुलिस बल चौकी नानपारा के प्रभारी उप निरीक्षक धनवंत सिंह, जयप्रकाश यादव, सुनील यादव, अनंत ओझा, शिवबालक सिंह यादव सहित अन्य कर्मचारी भी मौजूद रहे।

फखरपुर सीएचसी अधीक्षक ने गजाधरपुर एएनएम सेंटर का किया निरीक्षण

साफ-सफाई और टीकाकरण व्यवस्था पर दिया विशेष जोर, लापरवाही पर सख्त चेतावनी

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, बहराइच। बहराइच जनपद के फखरपुर क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के उद्देश्य से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फखरपुर के अधीक्षक डॉ. एन.के. सिंह ने मंगलवार को गजाधरपुर एएनएम सेंटर का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने केंद्र पर उपलब्ध दवाओं के स्टॉक, रजिस्टरों के रख-रखाव, साफ-सफाई की व्यवस्था तथा टीकाकरण कार्यों की स्थिति का गहन जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने संबंधित कर्मियों से टीकाकरण अभियान की प्रगति के बारे में जानकारी प्राप्त की। डॉ. सिंह ने एएनएम सेंटर परिसर को स्वच्छ और व्यवस्थित बनाए रखने के निर्देश देते हुए कहा कि स्वास्थ्य केंद्रों पर साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए, ताकि मरीजों को बेहतर वातावरण मिल सके। उन्होंने टीकाकरण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही पर सख्त नाराजगी जताते हुए स्पष्ट कहा कि इसमें किसी भी तरह की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही सभी कर्मचारियों को अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी जिम्मेदारी और ईमानदारी से करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य विभाग के अन्य कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

गांव में चौपाल लगाकर महिलाओ को पुलिस कर रही जागरूक

अमन लेखनी समाचार

बाबागंज, बहराइच। मिशन शक्ति अभियान फेज पांच के तहत मंगलवार को चौपाल लगाकर महिलाओं, बालिकाओं को जागरूक किया गया। मंगलवार को महिला बीट पुलिस अधिकारियों ने गांव, कस्बों, स्कूल-कॉलेजों, धार्मिक स्थल व बस स्टैंड सहित विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर भ्रमण किया। महिला, बालिकाओं को जागरुक किया। रूपईडीहा थाना क्षेत्र के गंगापुर समेत अन्य स्थानों पर महिलाओं व युवतियों को मिशन शक्ति टीम नें जागरूक किया। महिलाओं में वैचारिक एवं व्यवहारिक परिवर्तन लाने के लिए उनकी सुरक्षा,सम्मान, स्वस्थ रिलेशनसिप एवं साइबर हिंसा, प्रेम संबंधों में घर से पलायन एवं महिलाओं की सहायता के लिए बने कानूनी प्रावधानों का दुरुपयोग कर झूठे अभियोग पंजीकृत कराने के दुष्परिणामों से भी अवगत कराया। इस मौके पर हेल्प लाइन नंबर वूमेन पॉवर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा 112,

एम्बुलेंस सेवा 108, चाइल्ड लाइन 1098, स्वास्थ्य सेवा 102, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, साइबर हेल्पलाइन 1930 के बारे में जानकारी दी। शासन की ओर से चलाई जा रहीं विभिन्न सरकारी योजनाएं भी बताईं।इस मौके पर मिशन शक्ति टीम के उपनिरीक्षक सूर्यभान, महिला आरक्षी मान्यता त्रिवेदी, प्रिया पाण्डेय मौजूद रहे।

जनप्रतिनिधियों की अनदेखी व विभाग की लापरवाही, आम जनता पर भारी

शिकायत के वावजूद पीडब्ल्यूडी विभाग कुंभकर्णी नींद नहीं जगा, जनता हलकान

गड्ढों में तब्दील सड़क तलाशने को जिले से प्रदेश तक पैरवी

सड़क की दुर्दशा और अतिक्रमण को लेकर समाजसेवी ने डाली आईजीआरएस

अमन लेखनी समाचार

बहराइच। जिले के कैसरगंज विकासखंड के अंतर्गत बरखुरद्वारापुर चौराहे से बदरौली बाजार जाने वाली पीडब्ल्यूडी सड़क पिछले कई वर्षों से स्वयं की दुर्दशा पर आंसू बहा रही है। खबर है कि उपरोक्त पीडब्ल्यूडी सड़क अतिक्रमण के साथ-साथ सड़कों पर छोटे-बड़े गड्ढे होने के कारण जल भराव की स्थिति निरन्तर बनी रहती है। उक्त गड्ढे व जल भराव के कारण कई बार लोग गिरकर चोटिल हो जाते हैं और दुर्घटनाओं की स्थिति बरकरार रहती है। कहने को तो उपरोक्त सड़क से नेता,मंत्री और सांसद का भी आवागमन होता है लेकिन इस पीडब्ल्यूडी की सड़क पर चिंता किसी ने नहीं जताई है। मामले के संबंध में समाजसेवी व आरटीआई कार्यकर्ता सुनील कुमार पोरवाल ने विभाग को आइजीआरएस कर मामले संज्ञानित कराया है। उपरोक्त के क्रम में पीडब्ल्यूडी विभाग लखनऊ के उच्च अधिकारियों से भी वार्ता की। जहां से मिले आश्वासन के बाद मुख्यमंत्री पोर्टल पर आईजीआरएस कर मामले से जिले के अधिकारियों को अवगत कराया है उनकी मांग की है कि उक्त मार्ग पर राहगीरों का चलना दुश्वार है। उपरोक्त मार्ग के चौड़ीकरण और गड्ढा मुक्त किया जाने को नितांत आवश्यक बताया है। जिस किसी भी प्रकार की अनहोनी में पुनरावृत्ति ना हो सके।

नगर पंचायत रूपईडीहा हुआ भक्ति मय

जगह-जगह लगाए गए भंडारे, उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

अमन लेखनी समाचार

मोहम्मद कौसर

रूपईडीहा, बहराइच। जेठ माह के बड़ा मंगल पर्व को लेकर भारत-नेपाल सीमा स्थित नगर पंचायत रूपईडीहा में भक्तिमय माहौल रहा। इस अवसर पर समाजसेवी पवन गुप्ता द्वारा नगर के रामलीला चौराहे पर शीतल जल एवं प्रसाद वितरण के स्टाल लगाया गया।इसके अलावा नगर के सेंट्रल बैंक चौराहा, चकिया रोड सहित

प्रमुख स्थानों पर लगे स्टालों पर सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। भीषण गर्मी में राहगीरों, दुकानदारों और आम जनता ने शीतल जल व प्रसाद ग्रहण कर राहत महसूस की। हनुमान जी के जयकारों से पूरा क्षेत्र गूंजता रहा।पवन गुप्ता ने बताया कि ₹जेठ माह का प्रत्येक मंगलवार बड़ा मंगल के रूप में मनाया जाता है। बजरंगबली की कृपा से यह सेवा का अवसर मिला है। आगे भी हर बड़ा मंगल पर इसी तरह स्टाल लगाकर सेवा जारी रहेगी।स्थानीय लोगों ने बताया कि रूपईडीहा में हर साल बड़ा मंगल धूमधाम से मनाया जाता है। इस बार भी नगर पंचायत क्षेत्र में कई स्थानों पर भंडारे आयोजित किए गए, जिनमें सैकड़ों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। मान्यता है कि जेठ माह के मंगलवार को हनुमान जी की पूजा करने से संकट दूर होते हैं। इसी कारण इस दिन विशेष भंडारे व प्रसाद वितरण की परंपरा है।

जनगणना ट्रेनिंग में खाने की शिकायत, शिक्षक सस्पेंड

डीएम की जांच में खाना सही मिला, आईटी एक्ट में मुकदमा दर्ज

अमन लेखनी समाचार

अमेठी , जनगणना प्रशिक्षण के दौरान खाने की गुणवत्ता पर सवाल उठाने वाले एक शिक्षक को निलंबित कर दिया गया है। जिलाधिकारी (डीएम) की जांच में खाने को सही पाया गया, जिसके बाद आरोप लगाने वाले शिक्षक के खिलाफ आईटी एक्ट के तहत मुकदमा भी दर्ज किया गया है। इसके अतिरिक्त, कई अन्य शिक्षकों को भी नोटिस जारी किए गए हैं। यह घटना दो दिन पहले जामो ब्लॉक में जनगणना कर्मियों के प्रशिक्षण के दौरान हुई। सुबह के नाश्ते के बाद दोपहर में शिक्षकों को पैक किया हुआ भोजन दिया गया। शिक्षकों ने इस खाने को खराब बताते हुए फेंक दिया, जिससे विवाद बढ़ गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए, डीएम के निर्देश पर तहसीलदार सूरज सिंह मौके पर पहुंचे। उन्होंने 10 अन्य कर्मचारियों के साथ उसी खाने का सेवन किया, लेकिन उसमें कोई कमी नहीं पाई गई।

आईटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज

जांच रिपोर्ट के आधार पर, डीएम के निर्देश पर विरोध करने वाले शिक्षक ओम नारायण पांडेय को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। ओम नारायण पांडेय टिकरा जामो प्राथमिक विद्यालय में प्रधानाध्यापक के पद पर कार्यरत थे। उनके खिलाफ आईटी एक्ट के तहत मुकदमा भी दर्ज किया गया है। जिलाधिकारी संजय चौहान ने बताया कि एक व्यक्ति द्वारा शासन की छवि धूमिल करने के उद्देश्य से गलत आरोप लगाए गए थे, जो जांच में निराधार पाए गए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यही भोजन तीन अन्य ब्लॉकों में भी भेजा गया था और वहां से खाने की गुणवत्ता को लेकर कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई थी।

आप का स्मार्ट मीटर के खिलाफ प्रदेशव्यापी प्रदर्शन

रिचार्ज के बाद भी बिजली न आने और आर्थिक बोझ बढ़ने का आरोप

अमन लेखनी समाचार

अलीगढ़ ,आम आदमी पार्टी (आप) ने स्मार्ट मीटरों के विरोध में प्रदर्शन किया। पार्टी ने योगी सरकार पर ₹डिजिटल लूट₹ का आरोप लगाया। कार्यकर्ताओं ने विद्युत उपकेंद्र भुजपुरा पहुंचकर नारेबाजी की और राष्ट्रपति के नाम संबोधित एक ज्ञापन प्रशासन को सौंपा। आप नेताओं ने आरोप लगाया कि प्रदेश में लगाए जा रहे स्मार्ट मीटर आम जनता और किसानों के लिए परेशानी का कारण बन गए हैं। पार्टी का दावा है कि जिन उपभोक्ताओं का बिजली बिल पहले लगभग 1500 रुपये आता था, अब वही बिल 6 से 7 हजार रुपये तक पहुंच रहा है।प्रीपेड मीटर में रिचार्ज कराने के बावजूद घंटों बिजली आपूर्ति बाधित रहने से लोगों में भारी नाराजगी है। महानगर अध्यक्ष मोनिका थापर ने इन मीटरों को ₹स्मार्ट चीटर₹ बताया। उन्होंने कहा कि बैलेंस खत्म होते ही बिजली तुरंत काट दी जाती है, लेकिन रिचार्ज के बाद भी कई घंटों तक आपूर्ति बहाल नहीं होती। थापर ने आरोप लगाया कि यह योजना जनता को सुविधा देने के बजाय आर्थिक शोषण का माध्यम बन गई है। किसान प्रकोष्ठ के महासचिव नीरज छौंकर ने नलकूपों पर लगाए जा रहे 4ॠ स्मार्ट मीटरों को किसानों के लिए नई मुसीबत बताया। उन्होंने कहा कि गांवों में नेटवर्क की समस्या के कारण मीटर ठीक से काम नहीं कर रहे हैं, जिससे सिंचाई प्रभावित हो रही है और किसानों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ बढ़ रहा है। महानगर महासचिव हर्षवर्धन ने स्मार्ट मीटर परियोजना में बड़े घोटाले और कमीशनखोरी की आशंका जताते हुए इसकी स्वतंत्र जांच की मांग की। पार्टी नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने स्मार्ट मीटर व्यवस्था वापस नहीं ली और उपभोक्ताओं को राहत नहीं दी, तो आंदोलन सड़क से लेकर सदन तक तेज किया जाएगा।

मानदेय वृद्धि सम्मान समारोह में पहुंचे वित्तमंत्री

300 शिक्षा मित्रों के साथ देखा मुख्यमंत्री का कार्यक्रम, बोले-आगे भी वृद्धि होती रहेगी

अमन लेखनी समाचार

शाहजहांपुर , शिक्षा मित्रों के मानदेय वृद्धि को लेकर गन्ना शोध संस्थान में एक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में वित्त मंत्री सुरेश खन्ना जिले के विधायकों के साथ उपस्थित रहे। वित्त मंत्री ने 300 शिक्षा मित्रों के साथ मुख्यमंत्री का लाइव कार्यक्रम देखा। उन्होंने घोषणा की कि उत्तर प्रदेश सरकार शिक्षा मित्रों को 18 हजार रुपये और अनुदेशकों को 17 हजार रुपये मानदेय देगी। शिक्षा मित्रों ने मुख्यमंत्री और वित्त मंत्री का आभार व्यक्त किया शिक्षामित्रों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अभिभावक जिस अटूट विश्वास के साथ अपने बच्चों को उनके पास भेजते हैं, उन बच्चों के भविष्य को संवारने और उन्हें आदर्श नागरिक बनाने की जिम्मेदारी शिक्षामित्रों पर है। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार ने शिक्षामित्रों को उनके निकट के विद्यालय में कार्य करने का अवसर देने का निर्णय लिया है। इसके अतिरिक्त, उनके लिए 5 लाख रुपये तक के कैशलेस इलाज की व्यवस्था भी की गई है। वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने अपने संबोधन में शिक्षकों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि शिक्षक समाज को सही दिशा में आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने सभी शिक्षकों से कर्तव्यनिष्ठा के साथ अपने कार्यों को करने का आग्रह किया और अच्छी आदतें अपनाने की सलाह दी, ताकि बच्चे भी उनसे प्रेरित हों। मंत्री ने पुनः दोहराया कि उत्तर प्रदेश सरकार ने शिक्षामित्रों का मानदेय बढ़ाकर 18,000 रुपये और अनुदेशकों का 17,000 रुपये कर दिया है, और भविष्य में भी इसमें वृद्धि जारी रहेगी। इस अवसर पर वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने शिक्षामित्रों को

मानदेय वृद्धि का प्रतीकात्मक चेक भी सौंपा। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न विधानसभाओं के विधायक और जिलाधिकारी सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

बंगाल चुनाव की जीत पर नगर पंचायत रुपईडीहा मे जश्न का माहौल

अमन लेखनी समाचार

रूपईडीहा, बहराइच। पश्चिम बंगाल के चुनावी नतीजों में भारतीय जनता पार्टी को पूर्ण बहुमत मिलने की खबर के बाद भारत-नेपाल सीमा से सटे नगर पंचायत रूपईडीहा में उत्साह का माहौल देखने को मिला। परिणाम घोषित होते ही भाजपा समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई और कार्यकर्ताओं ने पारंपरिक अंदाज में झालमुड़ी बांटकर जश्न मनाया।चुनाव प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री द्वारा झालमुड़ी खाते हुए तस्वीरें सोशल मीडिया पर काफी चर्चा में रही थीं। उसी प्रतीक को अपनाते हुए स्थानीय कार्यकर्ताओं ने भी जीत की खुशी को खास अंदाज में व्यक्त किया। नगर के विभिन्न स्थानों पर लोगों के बीच झालमुड़ी वितरित की गई और एक-दूसरे को बधाई दी गई।इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष डॉ. उमाशंकर वैश्य ने कार्यकर्ताओं एवं नागरिकों के साथ झालमुड़ी और चाय वितरित कर खुशियां साझा कीं। कार्यक्रम में अनिल अग्रवाल,डॉ. अश्विनी वैश्य, दिनेश कनौजिया, विजय मित्तल, श्रवण शर्मा, संजय गुप्ता, अभय पाठक, अजय विश्वास, सुशील तुलसियान, रजत गुप्ता, सचिन पाठक, उमेश वर्मा, कन्हैया अग्रवाल सहित दर्जनों कार्यकर्ता एवं समर्थक उपस्थित रहे।सभी ने एकजुट होकर पार्टी की जीत पर हर्ष व्यक्त किया और संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का संकल्प लिया।

सपा प्रतिनिधिमंडल को मानिकपुर जाते समय रोका गया

पीड़ित परिवार से डाक बंगले में मिले, 2 लाख की मदद, निष्पक्ष जांच की मांग

अमन लेखनी समाचार

प्रतापगढ़,मानिकपुर थाना क्षेत्र में हुई युवती की हत्या के मामले में जिले में राजनीतिक सरगर्मी बढ़ गई। समाजवादी पार्टी का एक प्रतिनिधिमंडल पीड़ित परिवार से मिलने कुंडा पहुंचा, लेकिन पुलिस ने उन्हें प्रयागराज लखनऊ राजमार्ग पर शेखपुर इलाके में रोक लिया। प्रतिनिधिमंडल में कौशांबी सांसद पुष्पेंद्र सिंह, रानीगंज विधायक डॉ. आरके वर्मा, सपा जिला सचिव अब्दुल कादिर जिलानी और पूर्व विधानसभा अध्यक्ष रामअवध यादव काका सहित कई नेता शामिल थे। पुलिस ने कानून-व्यवस्था का हवाला देते हुए शेखपुर में सपा नेताओं के काफिले को आगे बढ़ने से रोक दिया। काफी देर तक बातचीत के बाद प्रशासन ने प्रतिनिधिमंडल को सीधे गांव जाने की अनुमति नहीं दी और उन्हें कुंडा डाक बंगले ले जाया गया।

बाद में, प्रशासन की मौजूदगी में पीड़ित परिवार को डाक बंगले बुलाया गया। यहां सपा नेताओं ने उनसे मुलाकात की, घटना पर दुख व्यक्त किया और हरसंभव मदद का आश्वासन दिया।समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की ओर से प्रतिनिधिमंडल ने पीड़ित परिवार को 2 लाख रुपये का चेक सौंपा। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की।पूरे घटनाक्रम के दौरान डाक बंगले और आसपास भारी पुलिस बल तैनात रहा। सपा नेताओं के लौटने के बाद पुलिस प्रशासन ने राहत की सांस ली।

संक्षेप

मितली में हत्याकांड का खुलासा

पुलिस ने तीन आरोपियों को किया गिरफ्तार, कोर्ट में पेश करने की तैयारी

बागपत , मितली में एक दिन पहले हुई हत्या का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। कोतवाली बागपत पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान विकास पुत्र अशोक, दीपक पुत्र राज सिंह और रिंकू पुत्र नाहर सिंह के रूप में हुई है। ये सभी डोला गांव, थाना सिंघावली अहीर क्षेत्र के निवासी हैं।पुलिस घटना के बाद से ही आरोपियों की तलाश में जुटी थी। मुखबिर की सूचना पर टीम ने उन्हें पकड़ने में सफलता हासिल की। पुलिस ने घटनास्थल से महत्वपूर्ण साक्ष्य भी बरामद किए हैं। इनमें दो ईंटें, चार खाली बीयर कैन, एक जोड़ी चप्पल और प्लास्टिक के डिस्पोजल गिलास शामिल हैं।कोतवाली प्रभारी बृजेश कुमार ने बताया कि प्रारंभिक पूछताछ में कई अहम जानकारियां सामने आई हैं। घटना के पीछे के कारणों का भी खुलासा किया जा रहा है। साथ ही, यह भी जांच की जा रही है कि इस वारदात में कोई अन्य व्यक्ति शामिल तो नहीं है।फिलहाल, तीनों आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उन्हें न्यायालय में पेश करने की तैयारी की जा रही है। मामले की विस्तृत जांच जारी है।

चौकी पर युवक की मौत

दरोगा, दो सिपाही सस्पेंड :पुलिस अधीक्षक ने की कार्रवाई, आज गांव में अंतिम संस्कार

बागपत , उत्तर प्रदेश के बागपत में भड़ल चौकी पर रोहित नामक युवक की मौत के मामले में पुलिस ने कार्रवाई की है। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर मृतक की दादी सुशीला की तहरीर के आधार पर चौकी इंचार्ज और सिपाहियों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। इस घटना के बाद चौकी इंचार्ज और दो सिपाहियों को निलंबित कर दिया गया है। पीड़ित परिवार का आरोप है कि पुलिस रोहित को चोरी के एक मामले में चौकी लाई थी। गांव के तीन अन्य लोगों को भी चौकी लाया गया था, लेकिन उन्हें छोड़ दिया गया, जबकि रोहित को नहीं छोड़ा गया। परिवार ने चौकी इंचार्ज सुरेश कुमार और सिपाहियों से कई बार रोहित को छोड़ने का अनुरोध किया, यह कहते हुए कि वह निर्दोष है, लेकिन उनकी बात नहीं सुनी गई।परिवार के अनुसार, बाद में एक कमरा जो बाहर से बंद था, उसे खोलने पर रोहित का शव पंखे से लटका मिला। पीड़ित परिवार ने आरोप लगाया है कि दरोगा और सिपाहियों ने मिलकर रोहित की हत्या की है और मामले को दबाने का प्रयास किया। इस घटना के बाद स्थानीय लोगों और पीड़ित परिवार ने जमकर हंगामा और प्रदर्शन किया। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे पुलिस अधीक्षक ने चौकी इंचार्ज और दो सिपाहियों को लापरवाही के आरोप में तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। पीड़ित परिवार की तहरीर पर गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस अधीक्षक ने सीओ को इस मामले में जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने कहा कि निष्पक्ष जांच कराई जाएगी और दोषियों पर कठोर कार्रवाई होगी। रोहित के पोस्टमार्टम के लिए एक पैनल का गठन किया गया है। पुलिस ने पीड़ित परिवार से बातचीत की है और मौके पर शांति व्यवस्था कायम है। मृतक रोहित का शव आज गांव पहुंचेगा, जहां उसका अंतिम संस्कार किया जाएगा। सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए गांव में पुलिस बल तैनात किया गया है।

केशव बोले-बंगाल में जनता ने ममता को दिया जवाब

टीएमसी और डीएमके ने आधी आबादी का अपमान किया, जनता ने सही फैसला सुनाया

अमन लेखनी समाचार

प्रयागराज ,डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने 5 राज्यों के विधानसभा चुनाव के नतीजों को लेकर विपक्षी दलों पर निशाना साधा। मंगलवार को मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा-जिन दलों ने आधी आबादी का अपमान किया और लोगों के अधिकारों में बाधा डाली उन्हें जनता ने चुनाव के माध्यम से करारा जवाब दिया है। उन्होंने कहा- कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, टीएमसी और डीएमके जैसे राजनीतिक दल जहां भी सत्ता में रहे, वहां विकास के बजाय तुष्टिकरण, जातिवाद और परिवारवाद को बढ़ावा दिया। उन्होंने कहा- ऐसे दलों के लिए यह चुनाव परिणाम एक स्पष्ट संदेश है और यदि अब भी उन्हें समझ नहीं आया तो आने वाले चुनावों में जनता उन्हें और सबक सिखाएगी। 2027 में तो सपा सफा ही हो जाएगी। मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति करती है कांग्रेस डिप्टी सीएम ने राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा- कांग्रेस मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति करती है। उन्होंने कहा कि किसी भी राजनीतिक दल को हिंदू और मुस्लिम दोनों मतदाताओं के हितों को ध्यान में रखकर काम करना चाहिए, तभी उसका अस्तित्व मजबूत रह सकता है।वहीं, राहुल गांधी द्वारा चुनाव में सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग के आरोपों पर मौर्य ने पलटवार करते हुए कहा कि यह विपक्षी नेताओं की हताशा और तनाव का परिणाम है। उन्होंने कहा कि यदि चुनाव आयोग, केंद्रीय बलों या अन्य व्यवस्थाओं के कारण ही भाजपा को जीत मिलती, तो तमिलनाडु और केरल जैसे राज्यों में भी पार्टी की सरकार होती।

2027 में यूपी में भी इसी तरह की जीत मिलेगी

मौर्य ने भाजपा की नीतियों का बचाव करते हुए कहा कि पार्टी सुशासन, सेवा और सबका साथ-सबका विकास के सिद्धांत पर काम करती है। उन्होंने भरोसा जताया कि 2027 में होने वाले उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड विधानसभा चुनावों में भी भाजपा को इसी तरह की जीत मिलेगी, साथ ही पंजाब और अन्य राज्यों में भी पार्टी बेहतर प्रदर्शन करेगी।

केशव मौर्य से मुलाकात की, राजनीति में आने का मन है

आलोक : जैसा कि जनता चाहती है कि मैं राजनीति में आकर सेवा करूं क्योंकि मैं युवा हूं और लोग युवाओं से ज्यादा जुड़ना चाहते हैं। प्रधानमंत्री भी कहते हैं कि युवाओं को राजनीति में आगे आना चाहिए। मैं उन्हीं से प्रेरित होकर शायद अगला कदम राजनीति की तरफ बढ़ाऊं। लेकिन अभी फिलहाल प्रधानमंत्री के सपने को साकार करने में लगा हूं, स्वच्छ भारत अभियान मिशन में एक सेवक होकर सेवा दे रहा हूं।

तीर्थ पुरोहित पर फायरिंग, चार गोलियां मारीं

प्रयागराज में दो बाइकों से पहुंचे चार नकाबपोश बदमाशों ने बरसाईं गोलियां

अमन लेखनी समाचार

प्रयागराज , कीडगंज में सोमवार देर रात तीर्थ पुरोहित मार्तंड प्रकाश दुबे (55) पर बदमाशों ने जानलेवा हमला कर दिया। दो बाइकों से पहुंचे चार नकाबपोश हमलावरों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। एक के बाद एक चार गोलियां मारीं और भाग निकले। वारदात के बाद इलाके में दहशत फैल गई। घायल पुरोहित को तत्काल एसआरएन अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

परिचित से मिलने गए थे

घायल मार्तंड यमुना बैंक रोड स्थित काली माई मंदिर के पास रहते हैं। सोमवार रात करीब 11 बजे वह घर से करीब 50 मीटर दूर एक परिचित से मिलने गए थे। इसी दौरान वहां दो बाइकों पर सवार होकर पहुंचे चार बदमाशों ने उन्हें घेर लिया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हमलावरों ने पहले उनका नाम पूछा और फिर अचानक फायरिंग शुरू कर दी।

छह राउंड फायरिंग, चार गोलियां लगीं

स्थानीय लोगों के अनुसार, बदमाशों ने छह राउंड गोलियां चलाईं। इनमें से चार गोलियां तीर्थ पुरोहित को लगीं।एक गोली पेट में, दो गर्दन के पास और एक चेहरे के करीब लगी है। गोली लगते ही वह सड़क पर गिर पड़े। फायरिंग की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर दौड़े, लेकिन तब तक हमलावर फरार हो चुके थे। घायल तीर्थ पुरोहित के दो बेटे व एक बेटी है। उनकी पहली पत्नी का निधन हो चुका है।

बेटे ने कहा– पिता खतरे से बाहर

घटना की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। बेटे विक्की दुबे ने बताया कि उनके पिता की हालत अब खतरे से बाहर है और डॉक्टरों की निगरानी में उनका इलाज चल रहा है।

जनपद में संपन्न हुआ शिक्षामित्र सम्मान समारोह

बढ़ा मानदेय शिक्षामित्रों के चेहरे पर दिखी खुशी की झलक

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर। जनपद के सरदार वल्लभभाई पटेल प्रेक्षा ग्रह परिसर में शिक्षा मित्र सम्मान समारोह आयोजित किया गया आयोजित कार्यक्रम में मौजूद जनपद की जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष अन्नू श्रीवास्तव फतेहपुर जनपद के विधायक विकास गुप्ता कृष्णा पासवान जय कुमार जैकी राजेंद्र पटेल जिला पंचायत अध्यक्ष अभय प्रताप सिंह समेत जनपद के सभी अधिकारी कर्मचारी व भारी संख्या में शिक्षामित्रों ने प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का लाइव स्क्रीन संबोधन देखा तथा श्रवण किया वही संबोधन में मुख्यमंत्री ने शिक्षामित्र को 18000 रुपए मानदेय देने का ऐलान किया इसी क्रम में जनपद की जिलाधिकारी ने मौजूदा शिक्षामित्र को प्रतीकात्मक डेमो चेक 18000 रुपए की प्रदान की शिक्षामित्र उत्साहित हुए सभी शिक्षामित्रों ने प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तथा देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त कियो

पड़ोसी सोनू ने की थी गुलफशा की हत्या

पत्नी की गंदी वीडियो बनाकर वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल करती थी

अमन लेखनी समाचार

मेरठ ,परीक्षितगढ़ थानाक्षेत्र के खुंटी गांव में 2 मई सुबह खेतों में गुलफशा की लाश मिली थी। गुलफशा के चेहरे और शरीर पर बलकटी मारकर उसकी हत्या की गई थी। हत्या किसी और ने नहीं बल्कि गुलफशा के अपने पड़ोसी और ब्वॉयफ्रेंड सोनू ने की है। पुलिस ने हत्याकांड का खुलासा करते हुए आरोपी सोनू को अरेस्ट कर जेल भेज दिया है। वहीं सीओ सदर देहात सुधीर कुमार सिंह ने पूरे हत्याकांड का खुलासा किया है। सदर देहात सुधीर कुमार ने बताया कि परीक्षितगढ़ थानाक्षेत्र के गांव में 2 मई को सुबह एक महिला का शव पड़ा होने की सूचना मिली थी। सूचना पर थाना पुलिस सहित फोरेंसिक टीम व अन्य अफसर पहुंचे। वहां महिला की लाश पड़ी थी। उसके चेहरे, शरीर पर तेज धारदार चीज से वार कर मारने के निशान थे। पुलिस ने शव की शिनाख्त की तो पहचान स्थानीय निवासी महिला गुलफशा पत्नी मोनू गुर्जर के रूप में हुई थी। इसके बाद पुलिस ने हत्याकांड की जांच शुरू कर दी। बताया कि सीसीटीवी, कॉल डिटेल व जांच के वक्त पूछताछ में पता चला कि गुलफशा के पति मोनू गुर्जर का पड़ोसी महिला मीनाक्षी पत्नी सोनू पुत्र तेजपाल के साथ अफेयर चल रहा था। पहले भी मोनू तीन शादियां कर चुका था। गुलफशा उसकी चौथी पत्नी थी। इसलिए मोनू पड़ोसी महिला मीनाक्षी के साथ भी अवैध संबंधों में था। वहीं मीनाक्षी के पति सोनू और गुलफशा के भी आपस में अवैध संबंध थे। मीनाक्षी और पति मोनू के अनैतिक संबंधों की वीडियो गुलफशा ने अपने मोबाइल में बना ली थी। गुलफशा वही वीडियो दिखाकर बार-बार मीनाक्षी के पति सोनू को ब्लैकमेल करती थी।

दोनों पड़ोसी पति, पत्नी के आपस में अवैध संबंध

गुलफशा ने सोनू को उसकी पत्नी की डर्टी वीडियो दिखाकर धमकाया कि ये वीडियो वायरल कर देगी। इस तरह पिछले काफी समय से गुलफशा सोनू से वीडियो वायरल करने की धमकी देकर पैसे की मांग करती थी। सोनू के अनुसार वो अब तक गुलफशा को लगभग 70-80 हजार रुपए दे चुका था। गुलफशा-सोनू की गर्लफ्रेंड होने के बाद भी उसे ब्लैकमेल करती थी।

चौकी प्रभारी लाइन हाजिर

पीड़ित पर समझौते का बना रहे थे दबाव, आधी रात चौकी पहुंचे थे भाजपा विधायक

अमन लेखनी समाचार

मेरठ ,कैंट सीट से भाजपा के विधायक अमित अग्रवाल आधी रात को चौकी पहुंचे और पीड़ित की सुनवाई न करने के मामले में शिकायत कर दी। चौकीप्रभारी की लापरवाही के चलते एसएसपी अविनाश पांडेय ने कंकरखेड़ा चौकीप्रभारी को लाइन हाजिर कर दिया। यह कार्रवाई एक पीड़ित पर समझौते का दबाव बनाने वाले युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष पर कार्रवाई और नगला तांशी चौकी प्रभारी की सुनवाई न करने पर हुई।पीड़ित पक्ष पर समझौते का बना रहे थे दबावदर असल चौकी प्रभारी एक पीड़ित पर समझौते का दबाव बना रहे थे। जिसकी शिकायत उसने भाजपा विधायक से कर दी थी। इसके बाद विधायक अमित अग्रवाल कंकरखेड़ा की कस्बा चौकी पर पहुंचे। उनकी नाराजगी के बाद चौकी प्रभारी को लाइन हाजिर कर दिया। पीड़ित पक्ष पर समझौते का दबाव बनाने पर भाजपा युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष पर कार्रवाई कर दी थी। उसके अलावा भी नगलातांशी चौकी प्रभारी को भी पीड़ितों की सुनवाई नहीं करने के मामले में लाइन भेज दिया गया।

एसएसपी ने वायरलेस पर ही कर दिया आदेश

एसएसपी अविनाश पांडेय ने वायरलैस सेट पर ही कंकरखेड़ा की कस्बा चौकी के प्रभारी प्रमोद कुमार को लाइन हाजिर कर दिया। 25 अप्रैल की रात को कंकरखेड़ा की जवाहर नगर से रवि ने यूपी-112 को काल कर मारपीट की सूचना दी। दरोगा प्रमोद कुमार चौकी से मौके पर पहुंचे। वहां से परिवारिक विवाद के चलते दोनों पक्षों को चौकी पर लेकर आ गए। इसी बीच रवि और रेखा ने मामले की तहरीर दी।

दुष्कर्म पीड़िता ने पुलिस पर लगाया तहरीर बदलने का आरोप

गाजियाबाद में 24 अप्रैल को न्यूड मिली थी, दो युवकों ने गैंगरेप किया था

अमन लेखनी समाचार

गाजियाबाद , कक्षा 6 की छात्रा से दो युवकों पर गैंगरेप का आरोप है। इस मामले में पीड़ित परिवार ने दरोगा पर तहरीर बदलने का आरोप है। जिसमें जो तहरीर पुलिस को दो, उस पर केस दर्ज न करके पीड़ित परिवार से दूसरी तहरीर लिखवाई। इस मामले में शनिवार को पीड़ित छात्रा अपनी मां के साथ पुलिस से मिली। साथ तहसील में भी कार्रवाई की मांग की। छात्रा की मां ने कहा कि यदि हमें इंसाफ नहीं मिला तो हम यहीं पर मर जाएंगे, आत्म्दाह कर लेंगे।

24 अप्रैल की मोदीनगर क्षेत्र की घटना

मोदीनगर थाना क्षेत्र की की एक कॉलोनी निवासी13 वर्षीय कक्षा 6 की पढ़ाई कर रही है, छात्रा 24 अप्रैल को एक मकान में नग्न अवस्था में मिली थी। परिजनों ने दो युवकों पर दुष्कर्म करने का आरोप लगाकर थाने में तहरीर दी थी। परिजनों का आरोप है कि चौकी प्रभारी ने तहरीर बदलवाकर छेड़छाड़ की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की। छात्रा का आरोप है कि नशीला पदार्थ पिलाकर मेरे साथ गैंगरेप किया। पुलिस ने सिर्फ छेड़छाड़ की तहरीर लिखवाकर केस दर्ज कर लिया। यह कहा छात्रा नेमुझे दुकान पर मिले थे, उसके बाद मैं उनके घर गई। मुझसे कहा कि तुझे बुखार है। मैंने कहा कि मुझे बुखार नहीं है। मुझे कोल्डड्रिंक पिलाई, मुझे एक टेबलेट खिला दी। इसके बाद मुझे होश नहीं रहा। फिर मेरे साथ गलत काम किया। पीड़िता ने कहा कि जब मेरी मम्मी आई तो मम्मी ने मुझे कपड़े पहनाए थे। जब हम थाने गए तो थाने में बोल बोलकर तहरीर लिखवाई। शनिवार को किशोरी के परिजन मोदीनगर थाने पहुंचे और जमकर हंगामा किया। आरोप है कि पुलिस जान बुझकर आरोपियों को बचाने का प्रयास कर रही है। हंगामा करते हुए परिजन दिल्ली मेरठ मार्ग पर आए और सड़क पर बैठ गए। इसी बीच पुलिस ने उन्हें सड़क से हटा दिया।मां बोली- यहीं मर जाएंगेनाबालिग छात्रा की मां ने कहा कि मेरी बेटी सुबह 7 बजे घर से गई थी। हमारी सुनवाई नहीं हुई। एक आरोपी पकड़ा गया, दूसरा घूम रहा है। अगर हमें इंसाफ नहीं मिला तो मैं यही मर जाउंगी। हम यही आग लगा लेंगे। हम तहसील में ही आग लगा लेंगे। मेरी बेटी नग्न हालत में मिली थी। छात्रा की मां ने कहा यदि सामूहिक दुष्कर्म की धारा ना बढ़ाई तो अनिश्चिकालीन धरना शुरू कर देंगे। एसीपी मोदीनगर ने भास्कर वर्मा ने बताया कि नाबालिग ने मजिस्ट्रेट के समक्ष छेड़छाड़ होने की बात के बयान दिए थे। मेडिकल रिपोर्ट आने के बाद कुछ कहा जा सकता है। निष्पक्ष कार्रवाई की जाएगी।

यूनिवर्सिटी क्लर्क ने गोली मारकर दी जान

सिर के आरपार हुई बुलेट; पत्नी प्रेमी संग लिव-इन में रह रही थी

अमन लेखनी समाचार

मेरठ ,यूनिवर्सिटी के एक क्लर्क ने कनपटी पर तमंचा सटाकर खुद को गोली मार ली। बुलेट उसके सिर से आरपार हो गई। खून फ्लैट के बाहर बहकर जाने से पड़ोसियों को घटना का पता चला। इसकी सूचना पड़ोसियों ने क्लर्क के परिजनों और पुलिस को दी। क्लर्क के बैग में एक सुसाइड नोट भी मिला है। इसमें लिखा है कि पत्नी अपने प्रेमी के साथ लिवइन में रह रही थी। मुझसे शादी के पहले भी उसने एक दूसरे व्यक्ति से शादी की थी। पत्नी की इन्हीं हरकतों से परेशान होकर मैं जान दे रहा हूं। घटना शाम जागृति विहार इलाके के सेक्टर-8 की है। मृतक अमरोहा के गजरौला विवि में क्लर्क था। पिता ने पुलिस को बताया कि बेटे-बहू के तलाक के मामले में 2 दिन बाद कोर्ट में सुनवाई थी। पिता चंदन प्रकाश ने बताया- वह अपनी पत्नी और बेटे नीरज कुमार के साथ सेक्टर-3 में बने नए मकान में शिफ्ट हुए थे। पूरे दिन शिफ्टिंग होती रही। दोपहर में नीरज किराए के मकान में छूट गए पंखे को लेने के लिए गया। देर शाम तक बेटा जब घर नहीं पहुंचा तो चिंता होने लगी। रात करीब 8 बजे किराए के मकान के बगल में रहने वाले पड़ोसी का कॉल आया। उन्होंने बताया कि आपके घर के बाहर फर्श पर खून बिखरा हुआ है। मैं और पत्नी तुरंत भागते हुए पुराने वाले मकान तक पहुंचे। पड़ोसी की सूचना पर पुलिस पहले ही पहुंच चुकी थी। हम लोग भी पुलिस टीम के साथ अंदर पहुंचे तो देखा नीरज फर्श पर खून से लथपथ पड़ा हुआ है। उसके बगल में ही एक तमंचा पड़ा था। सिर में गोली मारने का निशान था।

सुसाइड नोट में लिखा– पत्नी प्रेमी संग भाग गई थी

पुलिस को युवक के बैग से एक सुसाइड नोट बरामद हुआ है। क्लर्क ने इसमें पत्नी से चल रहे झगड़े की वजह से मानसिक परेशानी का जिक्र किया है। लिखा- मुझसे शादी करने के पहले पत्नी की किसी दूसरे युवक से शादी हुई थी। मुझसे शादी के बाद पत्नी प्रेमी के साथ रहने के लिए छह महीने पहले भाग गई थी। पिता ने बताया- बेटे नीरज और उसकी पत्नी ममता के बीच तलाक का केस चल रहा था। उसकी शादी 2013 में मेरठ के परतापुर की रहने वाली ममता के साथ हुई थी। दोनों के दो बच्चे पुरंजन उर्फ वासु और सानू हैं। पत्नी से झगड़ा और लोकलाज की वजह से बेटा तनाव में रहता था।

सीओ सिविल लाइन शुचिता सिंह ने कहा–

एक व्यक्ति द्वारा सुसाइड करने की सूचना मिली थी। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। सुसाइड नोट भी मिला है। आगे की कार्यवाही की जा रही है।

युवक से लूटपाट और जानलेवा हमला

एक आरोपी गिरफ्तार, पांच अन्य फरार

अमन लेखनी समाचार

जेवर , ग्रेटर नोएडा में युवक से लूटपाट और जानलेवा हमले के मामले में दनकौर कोतवाली पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया। ऊंची दनकौर निवासी मनीष तिवारी ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 30 अप्रैल की रात वह किसी काम से कस्बे की ओर गए थे। आरोप है कि बाईपास रोड पर कस्बे के सरताज, कालू समेत करीब छह लोगों ने उन्हें जबरन रोक लिया। आरोपियों ने मनीष के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। विरोध करने पर लाठी-डंडों से हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। पीड़ित का आरोप है कि इस दौरान आरोपियों ने उनकी जेब से 2500 रुपये, सोने की चेन और मोबाइल फोन लूट लिया।शोर सुनकर आसपास के लोग मौके की ओर बढ़े तो आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। पीड़ित ने इस दौरान दो आरोपियों को पहचान लिया।

डंपिंग ग्राउंड के खिलाफ किसानों का आंदोलन

काम रुकवाने की तैयारी, 8 गांवों के किसान एकजुट

अमन लेखनी समाचार

जेवर,ग्रेटर नोएडा के अस्तौली गांव में डंपिंग ग्राउंड के विरोध में करीब आठ गांवों के किसानों का आंदोलन तेज हो गया है। 12 अप्रैल से धरना दे रहे किसानों ने ग्रेटर नोएडा विकास प्राधिकरण के कार्य को पूरी तरह रुकवाने का ऐलान किया है। किसानों का आरोप है कि प्राधिकरण ने उनकी समस्याओं का समाधान नहीं किया है। किसानों ने प्राधिकरण को 3 मई तक समस्याओं के समाधान के लिए ज्ञापन दिया था। हालांकि, निर्धारित समय सीमा बीत जाने के बाद भी प्राधिकरण की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई, जिससे किसानों में नाराजगी है। प्रदर्शनकारी किसानों का कहना है कि डंपिंग ग्राउंड बनने से आसपास के गांवों में प्रदूषण बढ़ेगा। इससे भूजल स्तर प्रभावित होगा और ग्रामीणों के स्वास्थ्य पर गंभीर असर पड़ेगा। किसानों ने स्पष्ट किया है कि वे गांव की जमीन और पर्यावरण से किसी भी तरह का समझौता स्वीकार नहीं करेंगे। रविवार को धरना स्थल पर किसानों की एक पंचायत आयोजित की गई। इसमें सोमवार की रणनीति पर विस्तार से चर्चा हुई।

सार्वजनिक स्थानों पर शराब पी रहे 20 लोग गिरफ्तार

दनकौर पुलिस की देर रात छापेमारी, शांति भंग में कार्रवाई

अमन लेखनी समाचार

जेवर ,ग्रेटर नोएडा में दनकौर कोतवाली पुलिस ने सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने के आरोप में 20 लोगों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई देर रात चलाए गए एक विशेष अभियान के तहत की गई। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ शांति भंग और सार्वजनिक स्थान पर शराब पीने से संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर रविवार को न्यायालय में पेश किया। कोतवाली प्रभारी मुनेंद्र सिंह ने बताया कि उन्हें क्षेत्र में सार्वजनिक स्थलों पर शराब पीने और हुड़दंग मचाने की लगातार शिकायतें मिल रही थीं। इन मद्देनजर, पुलिस टीमों ने शनिवार देर रात मंडी श्यामनगर, बिलासपुर और दनकौर कस्बा सहित कई स्थानों पर छापेमारी की। अभियान के दौरान, 20 व्यक्ति सार्वजनिक स्थानों पर शराब का सेवन करते पाए गए, जिन्हें मौके से ही गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान राहुल, विपिन, सोहिल, वीरेंद्र, मोइन, बल्लू, जसराज, शमसुद्दीन, कैलाश, मुकर्रम, अभिषेक, इमरोज, सद्दाम, पवन, मनोज, राहुल, दुर्गेश, रविंद्र और अखिलेश के रूप में हुई है।

दुद्धी पुलिस द्वारा 01 बाल अपचारी को हिरासत में लिया गया, चोरी की घटना का माल हुआ बरामद

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में एवं अपर पुलिस अधीक्षक ऋषभ रुणवाल व क्षेत्राधिकारी दुद्धी राजेश कुमार राय के पर्यवेक्षण में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना दुद्धी पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। दिनांक 04.05.2026 को थाना दुद्धी पुलिस टीम द्वारा संदिग्ध व्यक्ति/वस्तु की चेकिंग के दौरान खजुरी क्षेत्र में मौजूद थी।इसी दौरान मुखबिर खास से सूचना प्राप्त हुई कि रामनगर रेलवे क्रॉसिंग के पास सब्जी मंडी की ओर सड़क किनारे मु0अ0सं0 100/2026 से संबंधित व्यक्ति खड़ा है जो कहीं जाने हेतु वाहन का इंतजार कर रहे हैं तथा भागने की फिराक में हैं।प्राप्त सूचना पर विश्वास करते हुए पुलिस टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर पुलिस टीम द्वारा तत्परता एवं हिकमत अमली से 01 बाल अपचारी को पकड़ लिया गया, जिसे विधिक प्रक्रिया के तहत पुलिस हिरासत में लिया गया।कब्जे से लोहे का सब्बल, नगद 564/- रुपये, बोरी में रखा चोरी का नमकीन/बिस्कुट, कपड़ा धोने का पाउडर, सरसों का तेल, डीजल तेल, राजेश मसाला, मोर मसाला, साबुन (नहाने/धोने हेतु), रिन साबुन, गुटखा बरामद किया गया। बाल अपचारी मु0अ0सं0 100/2026 धारा 238, 305(ए), 317(2) बीएनएस थाना दुद्धी जनपद सोनभद्र में वांछित था, जिसके संबंध में चोरी गया माल बरामद कर घटना का सफल अनावरण किया गया है।साथ ही आज की बरामदगी के आधार पर मु0अ0सं0 132/2026 धारा 238, 305(ए), 317(2) बीएनएस थाना दुद्धी जनपद सोनभद्र पंजीकृत किया गया है। अग्रेतर वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

स्मार्ट मीटर हटाने की मांग को लेकर एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

अमन लेखनी समाचार

गरौठा।मंगलवार को नगर पंचायत गरौठा के समस्त पार्षदगणों एवं नगरवासियों ने ऊर्जा मंत्री ए.के. सिंह के नाम संबोधित एक ज्ञापन उपजिलाधिकारी गरौठा सुनील कुमार को सौंपा।ज्ञापन के माध्यम से नगर में लगाए गए स्मार्ट मीटरों को हटाए जाने की मांग की गई। पार्षदों और नगरवासियों ने बताया कि विद्युत विभाग द्वारा लगाए गए स्मार्ट मीटरों से आम जनता में भारी असंतोष और आक्रोश व्याप्त है।उनका कहना है कि इन मीटरों के कारण उपभोक्ताओं को अनावश्यक रूप से अत्यधिक बिजली बिल का सामना करना पड़ रहा है, साथ ही मीटर रीडिंग में त्रुटियां और बिजली आपूर्ति से जुड़ी कई समस्याएं सामने आ रही हैं। नगरवासियों ने ज्ञापन के जरिए मांग की कि स्मार्ट मीटरों को तत्काल हटाया जाए, जिससे उपभोक्ताओं को हो रही परेशानियों से राहत मिल सके। ज्ञापन देने वालो में ममता देवी (पार्षद) ,दीपक गुप्ता (पार्षद), भारती शैलेश अग्रवाल (पार्षद), फजल अहमद (पार्षद) शहनाज हारून (पार्षद), राजेंद्र कुमार, संजय आर्य, जगदीश सागर आदि शामिल रहे।

मिशन शक्ति 5.0 के दूसरे चरण के अंतर्गत महिला सुरक्षा, सम्मान की ओर सशक्त पहल

महिला सुरक्षा, सशक्तिकरण एवं साइबर अपराधों के प्रति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सोनभद्र पुलिस द्वारा मिशन शक्ति 5.0 के दूसरे चरण के अंतर्गत जनपद में व्यापक एवं प्रभावी जनजागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के कुशल निर्देशन में जनपद के समस्त थाना क्षेत्रों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर समाज के सभी वर्गों को जागरूक किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत महिलाओं एवं बच्चों से संबंधित प्रमुख सामाजिक विषयों—जैसे लिंगानुपात, लैंगिक समानता, बाल विवाह, लैंगिक शोषण, महिलाओं एवं बच्चों के प्रति होने वाली हिंसा, साक्षरता एवं स्वास्थ्य—पर विशेष रूप से प्रकाश डालते हुए जनमानस को जागरूक किया गया।इस क्रम में जनपद के समस्त थानों की मिशन शक्ति टीमों द्वारा विद्यालयों, महाविद्यालयों, कोचिंग संस्थानों, बाजारों एवं ग्राम सभाओं में संवाद कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं एवं बालिकाओं को गुड टच-बैड टच, आत्मरक्षा के उपाय, महिला उत्पीड़न से संबंधित विधिक अधिकारों तथा विभिन्न हेल्पलाइन सेवाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।साथ ही साइबर अपराधों के बढ़ते खतरे को दृष्टिगत रखते हुए ऑनलाइन फ्रॉड, फर्जी कॉल/लिंक, सोशल मीडिया के दुरुपयोग, बैंकिंग धोखाधड़ी एवं डळढ साझा न करने के संबंध में विशेष जागरूकता उत्पन्न की गई।

इसी क्रम में थाना बीजपुर क्षेत्रान्तर्गत शिवम संकल्प इंटर कॉलेज, बकरिहवां में छात्राओं/बालिकाओं को लघु फिल्म के माध्यम से महिला सुरक्षा, साइबर जागरूकता एवं आत्मरक्षा के विषय में जागरूक किया गया, जिससे उन्हें व्यावहारिक रूप से महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त हो सकें।*

महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबर

112-आपातकालीन सेवा

1090 / 1091-महिला सुरक्षा हेल्पलाइन

181-महिला हेल्पलाइन

1930-साइबर अपराध हेल्पलाइन

1076-मुख्यमंत्री हेल्पलाइन

खास समाचार

हरदोई: नीम के पेड़ से लटके मिले प्रेमी युगल के शव, प्रेम प्रसंग में उठाया दुखद कदम

अमन लेखनी समाचार

हरदोई जनपद के शाहाबाद क्षेत्र स्थित बबुराई गांव में उस समय सनसनी फैल गई, जब गन्ने के खेत में एक नीम के पेड़ से युवक और किशोरी के शव लटके हुए पाए गए। यह दृश्य देखकर स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई और देखते ही देखते मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और दोनों शवों को नीचे उतरवाकर कब्जे में लिया।मृतकों की पहचान जोगीपुर नौसारा निवासी रवि कुशवाहा (25 वर्ष) और काजल कुशवाहा (16 वर्ष) के रूप में हुई है।प्रारंभिक जानकारी के अनुसार दोनों एक ही गांव के निवासी थे और उनके बीच प्रेम संबंध स्थापित था।जांच के दौरान यह तथ्य भी सामने आया कि दोनों आपस में चचेरे भाई-बहन थे, जिसके कारण उनके परिजन इस संबंध का विरोध कर रहे थे।बताया जा रहा है कि सामाजिक और पारिवारिक दबाव के चलते दोनों मानसिक रूप से व्यथित थे और साथ जीवन बिताने की इच्छा पूरी न होने पर उन्होंने यह कठोर कदम उठा लिया। सूत्रों के अनुसार, घटना से एक दिन पूर्व किशोरी के परिजनों ने युवक के विरुद्ध बहला-फुसलाकर ले जाने का मामला दर्ज कराया था, जिसके बाद पुलिस दोनों की तलाश में जुटी हुई थी।मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा ने फॉरेंसिक टीम के साथ घटनास्थल का निरीक्षण किया। उनके अनुसार, प्रथम दृष्टया मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा प्रतीत होता है, क्योंकि शवों पर किसी प्रकार के बाहरी चोट के निशान नहीं पाए गए हैं। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है।यह घटना क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है और लोगों के बीच शोक तथा स्तब्धता का माहौल है।

विधानसभा चुनाव में भाजपा को मिली बड़ी सफलता के बाद सैकड़ो कार्यकर्ताओं को कराया मुंह मीठा

अमन लेखनी समाचार

हमीरपुर।भाजपा राष्ट्रीय परिषद के सदस्य सरस्वती शरण द्विवेदी की अगुवाई में पांच राज्यों के हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा को मिली बड़ी सफलता के बाद आज नगर के रमेडी चौराहे में सैकड़ो कार्यकताओं को मुंह मीठा कराते हुए पटाखे दागे गए भाजपा को आजादी के बाद पहली बार पश्चिम बंगाल में सरकार बनाने का सपना पूरा हुआ डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी की आत्मा जहां कहीं भी होगी इस परचम को देखकर प्रफुल्लित हुई होगी उक्त उद्गार भाजपा राष्ट्रीय परिषद के सदस्य सरस्वती शरण द्विवेदी ने कार्यकताओं के बीच व्यक्त किये तीन राज्यों में मिली बड़ी सफलता के बाद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के धर्म जागरण प्रमुख उमेश दीक्षित ने सभी कार्यकताओं का धन्यवाद ज्ञापित किया वही कार्यक्रम में प्रमुख रूप से विष्णु खरे डॉक्टर अवधेश मिश्रा उमाशंकर प्रजापति रामबाबू निषाद बच्चा सिंह मुन्ना सविता लला अवस्थी वैभव मिश्रा एडवोकेट कामता निषाद सहित सैकड़ो कार्यकर्ता व पार्टी पदाधिकारी उपस्थित रहे।

तिलक चढ़ाकर पिकप डाला से लौटते समय डीसीएम की टक्कर से एक मौत, चार घायल

अमन लेखनी समाचार

मल्लावां (हरदोई) लच्छीपुर गांव में तिलक चढ़ाने गए युवक को वापस घर जाते समय डीसीएम ने टक्कर मार दी।जिसमें एक की मौत हो गई तों चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया।शव गांव में पहुंचते ही गांव में मातम छा गया। गांव लच्छीपुर निवासी लालाराम की बेटी के तिलक में रविवार को शामिल होने गांव निवासी विजय कुमार व आशीष,देशराज, रोहित, राजू सभी लोग तिलक में शामिल होने गए थे। और सभी लोग देर रात डाला पर सवार होकर बांगरमऊ से घर वापस आ रहे थे।बांगरमऊ कस्बे के बाहर निकल कर एक वाटर कूलर के पास पानी पीने लगे और कुछ लोग डाला के पास खड़े हो गए। विपरीत दिशा में तेज रफ्तार डीसीएम ने टक्कर मार दी। जिसमें विजय की मौके पर मौत हो गई। वहीं अन्य चारों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

चोपन नगर पंचायत में मनोनीत सभासदों का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

अमन लेखनी समाचार

चोपन/सोनभद्र। नगर पंचायत चोपन कार्यालय परिसर में सोमवार को राज्यपाल द्वारा मनोनीत सभासदों के शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन गरिमामय माहौल में संपन्न हुआ। इस अवसर पर राजन जायसवाल, घनश्याम चौधरी एवं राजेश अग्रहरी ने सभासद पद की शपथ ग्रहण की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाज कल्याण राज्य मंत्री संजीव कुमार गोड़ रहे, जिन्होंने नवनियुक्त सभासदों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जनप्रतिनिधियों का दायित्व है कि वे जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरें और विकास कार्यों को प्राथमिकता दें।शपथ ग्रहण की औपचारिकता उपजिलाधिकारी कलेक्ट्रेट प्रदीप यादव द्वारा संपन्न कराई गई।उन्होंने सभी नव-नामित सभासदों को उनके दायित्वों का निर्वहन पूरी ईमानदारी एवं निष्ठा के साथ करने की प्रेरणा दी। भाजपा जिलाध्यक्ष नंदलाल गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि पार्टी द्वारा मनोनीत किए गए सभासद संगठन की अपेक्षाओं के अनुरूप कार्य करते हुए क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।उन्होंने कहा कि सभी जनप्रतिनिधि मिलकर सरकार की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का कार्य करें।इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष उस्मान अली ने सभी सभासदों का स्वागत करते हुए कहा कि चोपन नगर पंचायत विकास के पथ पर अग्रसर है और अब नए सदस्यों के जुड़ने से कार्यों में और तेजी आएगी। उन्होंने कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारना ही प्राथमिकता है। कार्यक्रम का संचालन सभासद दिव्य विकास सिंह ने किया।कार्यक्रम में अधिशाषी अधिकारी अखिलेश सिंह, भाजपा मंडल अध्यक्ष संजय केशरी,ब्लाक प्रमुख मान सिंह गौड़, दिनेश गर्ग, प्रदीप अग्रवाल, अशोक सिंघल, लिपिक अंकित पांडेय, धर्मेंद्र जायसवाल, ओमप्रकाश, मनीष तिवारी, रामकुमार सोनी, अरुण कुमार, हिमांशु प्रियदर्शी सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता, पदाधिकारी एवं स्थानीय गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। समारोह के दौरान पूरे परिसर में उत्साह का माहौल बना रहा और उपस्थित लोगों ने नवनियुक्त सभासदों का स्वागत करते हुए उनके उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की।

सामुदायिक भवन बना भूसा घर, सरकारी धन की बर्बादी: जिम्मेदार मौन

अमन लेखनी समाचार

शाहाबाद (हरदोई) उत्तर प्रदेश सरकार की मंशा है कि ग्राम पंचायतों में सामुदायिक भवनों का निर्माण कर ग्रामीणों को सार्वजनिक आयोजनों के लिए जगह मुहैया कराई जाए। लेकिन तहसील शाहाबाद की ग्राम पंचायत सहादत नगर में हकीकत इसके बिल्कुल उलट है। यहाँ लाखो की लागत से बना सामुदायिक भवन अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है।घ्सहादत नगर का सामुदायिक भवन वर्तमान में किसी सार्वजनिक केंद्र के बजाय श्भूसा गोदामश् में तब्दील हो चुका है। भवन के भीतर भारी मात्रा में भूसा भरा हुआ है।जिस भवन का उपयोग गांव के विकास की चर्चा या गरीब परिवारों के कार्यक्रमों के लिए होना चाहिए था, वह आज लापरवाही की भेंट चढ़ चुका है। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि भवन की देखरेख न होने के कारण इसकी खिड़की-दरवाजे और फर्श भी क्षतिग्रस्त होने लगे हैं।सरकारी धन का इस तरह से दुरुपयोग क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। घ्हैरानी की बात यह है कि ग्राम पंचायत से लेकर ब्लॉक स्तर के अधिकारियों तक को इसकी जानकारी होने के बावजूद सभी 'मौन' साधे हुए हैं।जनता के टैक्स के पैसे से बनी यह इमारत आज निजी स्वार्थ के लिए इस्तेमाल हो रही है।ग्रामीणों ने रोष व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें निजी कार्यक्रमों के लिए महंगे टेंट लगाने पड़ते हैं. जबकि उनका अपना सरकारी भवन अवैध कब्जे का शिकार है।घ्ग्रामीणों की मांगरू प्रशासन मामले का संज्ञान ले, भवन को खाली कराया जाए और दोषी व्यक्तियों पर सख्त कार्रवाई की जाए ताकि सरकारी संपत्ति का सदुपयोग हो सके। अब देखना यह होगा कि क्या प्रशासन कुंभकर्णी नींद से जागकर इस ओर ध्यान देता है या सरकारी इसान की यह बबार्दी बदस्तूर जारी रहेगी।

दहेज हत्या के मामले में सास-ससुर गिरफ्तार, कैण्ट पुलिस की कार्रवाई

महिला उत्पीड़न पर सख्ती, गंभीर धाराओं में दर्ज था मुकदमा

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। थाना कैण्ट पुलिस ने दहेज हत्या के मामले में वांछित दो आरोपियों को गिरफ्तार कर महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। यह कार्रवाई महिला संबंधी अपराधों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत की गई। गिरफ्तार आरोपियों में रामरतन मौर्या उर्फ अमरजीत पुत्र रामप्रीत मौर्या तथा विद्यावती देवी पत्नी रामप्रीत मौर्या निवासी रानीडीहा, थाना कैण्ट, जनपद गोरखपुर शामिल हैं।दोनों के खिलाफ दहेज हत्या एवं दहेज प्रतिषेध अधिनियम के तहत मामला दर्ज था। पुलिस के अनुसार, थाना कैण्ट में पंजीकृत मु0अ0सं0 214/2026 में आरोपियों के विरुद्ध धारा 85, 80(2), 115(2), 352, 351(3) भा0न्या0सं0 व 3/4 दहेज प्रतिषेध अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था।घटना के बाद से दोनों आरोपी फरार चल रहे थे। उपनिरीक्षक सुनील कुमार यादव के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए दोनों को गिरफ्तार किया।टीम में महिला उपनिरीक्षक मधु यादव सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे।पुलिस ने बताया कि मामले में आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है तथा महिला उत्पीड़न के मामलों में सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

मण्डलायुक्त ने विकास कार्यों का किया व्यापक निरीक्षण

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र।मण्डलायुक्त विन्ध्यांचल मण्डल राजेश प्रकाश ने जनपद में संचालित विभिन्न योजनाओं एवं निमार्णाधीन परियोजनाओं का स्थलीय निरीक्षण कर उनकी प्रगति का विस्तृत जायजा लिया।निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि सभी निर्माण कार्य निर्धारित समयावधि में उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराए जाएं तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही या शिथिलता को गंभीरता से लिया जाएगा मण्डलायुक्त ने 48 आईआर वाहिनी परिसर में टाइप-ए के 16 आवासों के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति, गुणवत्ता, सामग्री के उपयोग एवं तकनीकी मानकों का बारीकी से परीक्षण किया। उन्होंने यू0पी0आर0एन0 एन0 उत्तर प्रदेश राज्य निर्माण निगम के अधिशासी अभियन्ता को निर्देशित करते हुए कहा कि कार्य में तेजी लाई जाए तथा निर्धारित समयसीमा के भीतर इसे पूर्ण किया जाए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यदि किसी भी स्तर पर लापरवाही या कार्य में देरी पाई गई तो संबंधित ठेकेदार के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करते हुए उसे ब्लैकलिस्टेड किया जाएगा।इसके साथ ही मण्डलायुक्त ने नवीन समेकित विशेष माध्यमिक विद्यालय के निर्माण कार्य का भी निरीक्षण किया। उन्होंने विद्यालय भवन के निर्माण में गुणवत्ता, सुरक्षा मानकों एवं उपयोगिता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए, ताकि विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षिक वातावरण उपलब्ध कराया जा सके। निर्माण कार्य में तेजी लाने हेतु उन्होंने श्रमिकों की संख्या बढ़ाने तथा संसाधनों का समुचित उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। निरीक्षण के दौरान मण्डलायुक्त ग्राम पंचायत नई पहुंचे, जहां उन्होंने अस्थायी गोवंश आश्रय स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने पशुओं के रख-रखाव, साफ-सफाई, पेयजल एवं चारे की व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि पशुओं को पर्याप्त मात्रा में स्वच्छ पेयजल एवं भूसा उपलब्ध कराया जाए। साथ ही उन्होंने निर्देश दिया कि नेपियर घास की खेती को बढ़ावा देकर हरे चारे की सतत उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, जिससे गोवंश के स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर में सुधार हो सके मण्डलायुक्त ने पटवध पेयजल समूह योजना, हिन्दुआरी का भी निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पेयजल आपूर्ति की स्थिति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों से विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी गांवों में नियमित, स्वच्छ एवं निर्बाध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जाए तथा जहां कहीं भी तकनीकी या संचालन संबंधी समस्याएं हों, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर तत्काल दूर किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि पेयजल से संबंधित शिकायतों का त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, जिससे आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो।मण्डलायुक्त ने समस्त अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे शासन की मंशा के अनुरूप योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता, जवाबदेही एवं गुणवत्ता को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी नियमित रूप से स्थलीय निरीक्षण करें, प्रगति की सतत समीक्षा करें तथा यह सुनिश्चित करें कि विकास कार्यों का लाभ समय पर आम जनता तक पहुंचे। निरीक्षण के दौरान जिला विकास अधिकारी हेमन्त कुमार सिंह, डी0सी0 मनरेगा रविन्द्र वीर सिंह, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी अजय कुमार मिश्रा, संयुक्त विकास आयुक्त रमेश चन्द्र एवं सम्बन्धित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

रायपुर पुलिस द्वारा 03 अभियुक्तों को किया गया गिरफ्तार

, घटना में प्रयुक्त डंडा बरामद

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में एवं अपर पुलिस अधीक्षक ऋषभ रुणवाल व क्षेत्राधिकारी सदर राज सोनकर के निर्देशन में थाना रायपुर पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है।दिनांक 02.05.2026 को थाना रायपुर क्षेत्रान्तर्गत टेम्पो स्टैंड सरईगढ़ पर अभियुक्तगण द्वारा मजरूब मन्टू कुमार पुत्र विनोद शाह निवासी सिरसी थाना अधौरा जनपद कैमूर (बिहार) को जान से मारने की नीयत से बांस के डंडों से मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया गया था। घायल को उपचार हेतु ट्रामा सेंटर वाराणसी में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है।उक्त घटना के संबंध में थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0-71/2026 धारा 109, 3(5), 115(2), 351(2), 352 बीएनएस का अभियोग पंजीकृत किया गया था। आज दिनांक 04.05.2026 को थाना पुलिस द्वारा कार्यवाही करते हुए अभियुक्तगण

01. अभिमन्नु पासवान पुत्र संतोष पासवान

02. वकील प्रजापति पुत्र सियाराम प्रजापति

03. पिन्टू खरवार उर्फ परमानन्द पुत्र विमल खरवार

समस्त निवासीगण ग्राम सरईगढ़ थाना रायपुर जनपद सोनभद्र को आज दिनांक 04.05.2026 को समय करीब 07:30 बजे टेम्पो स्टैंड सरईगढ़ से गिरफ्तार किया गया। अभियुक्तों की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त 02 अदद बांस के डंडे बरामद किए गए। गिरफ्तार अभियुक्तों को विधिक कार्यवाही करते हुए नियमानुसार माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है।

लगकॉन्सेप्ट कार्स ने रचा इतिहास, देश का सबसे सफल मारुति सुजुकी विक्रेता बना

मेहनत, जुनून और विश्वास की मिसाल—ऑटोमोबाइल क्षेत्र में स्थापित किया नया कीर्तिमान

अमन लेखनी समाचार

हरदोई। जब सपनों को साकार करने वाली मेहनत जुनून का रूप ले लेती है, तब इतिहास अपने आप बन जाता है। ऐसा ही कर दिखाया है कॉन्सेप्ट कार्स ने, जिसने लगातार 11वीं बार देश का नंबर-1 टं१४३ र४९४द्य विक्रेता बनकर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है।कॉन्सेप्ट कार्स अब देश का सबसे सफल मारुति सुजुकी वाहन विक्रेता बन गया है, जिसने लगातार ग्यारह वर्षों तक पूरे भारत में शीर्ष स्थान बनाए रखने की अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल की है।यह उपलब्धि मात्र एक आंकड़ा नहीं, बल्कि भारतीय ऑटोमोबाइल क्षेत्र में समर्पण, सेवा और विश्वास की सशक्त पहचान है। कंपनी को मारुति सुजुकी का सर्वोच्च सम्मान प्राप्त हुआ है। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार पूरे देश में केवल एक सर्वश्रेष्ठ विक्रेता को ही प्रदान किया जाता है, जो उसकी उत्कृष्ट कार्यप्रणाली और ग्राहकों के प्रति प्रतिबद्धता को दशार्ता है।इस गौरवपूर्ण उपलब्धि के उपलक्ष्य में कंपनी के निदेशक यशवर्धन अग्रवाल एवं सूर्यवर्धन अग्रवाल को मलेशिया में आयोजित मारुति सुजुकी की विशेष विक्रेता बैठक में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया जा रहा है। यह सफलता केवल एक कंपनी की नहीं, बल्कि उस भारतीय सोच की जीत है, जो कड़ी मेहनत, समर्पण और उत्कृष्टता के बल पर हर क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को प्राप्त करती है।कॉन्सेप्ट कार्स ने न केवल अपने संस्थान, बल्कि अपने जनपद और पूरे देश का नाम भी गौरवान्वित किया है।

अमन लेखनी (हिन्दी दैनिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट-बनी, थाना- बन्थरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।

सम्पादक– श्रीमती अखिलेश सिंह

समाचार सम्पादक – रुद्र प्रताप सिंह

समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

मो. - 9838159555, 9935457982

E-mail address amanlekhaninews@gmail.com

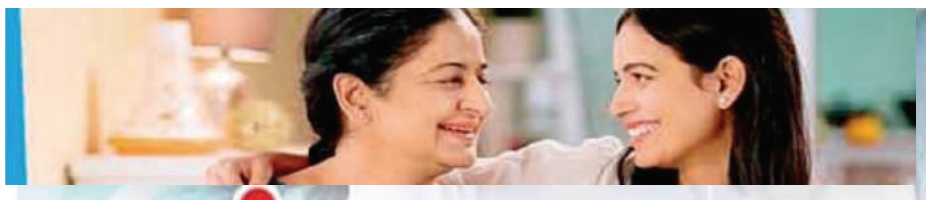

मां तुम हो सबसे प्यारी... सबसे न्यारी...

मां के बारे में कितना भी कहा जाए, लिखा जाए, कम ही होगा। उसकी ममता की कोई थाह नहीं, उसके त्याग की कोई सीमा नहीं। संतान के हित के लिए अपना सब कुछ न्यौछावर करने को तत्पर मां की महानता का वर्णन संभव नहीं। सच! इस दुनिया में कोई रिश्ता नहीं, जो मां जैसा प्यारा हो, मां जैसा न्यारा हो।

कवर स्टोरी

शिखर चंद जैन

बिन कहे जो आपकी बात समझ जाए, जिससे बात करके मन हल्का हो जाए, जिसकी गोद में सिर रखकर कुछ पल बैठ जाएं तो स्वर्ग-सा सुख मिले, ऐसा शख्स मां के बिना भला कौन हो सकता है! अपनी संतान से मां का रिश्ता सृष्टि में सबसे सुंदर और अद्वितीय होता है। यह रिश्ता सिर्फ भावनाओं का संगम नहीं, त्याग, शक्ति और अटूट विश्वास की एक अनूठी कहानी है। मां का रिश्ता दुनिया के हर रिश्ते से अलग और बेहद महत्वपूर्ण होता है। मां का रिश्ता एक ऐसी अनमोल विरासत है। एक महिला के रूप में, मां होना पूर्णता का अहसास है और एक संतान के रूप में, मां का होना ईश्वर का वरदान है।

सृष्टि का आधार मां की सृजन-शक्ति

मां का रिश्ता दुनिया का इकलौता ऐसा रिश्ता है, जो जन्म से पहले ही शुरू हो जाता है। नौ महीने तक एक नन्ही-सी जान को अपने भीतर सींचना, उसे अपना रक्त और पोषण देना, यह एक ईश्वरीय अनुभव है। दुनिया का कोई भी दूसरा रिश्ता इस स्तर के शारीरिक और आत्मिक जुड़ाव से नहीं बनता। मां एक 'क्रिएटर' है, यही उसे बाकी सब नातों से ऊपर रखता है। 'मां' केवल एक शब्द नहीं, संपूर्ण सृष्टि का आधार है। भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक मान्यताओं में मां को ईश्वर की सर्वश्रेष्ठ कृति के रूप में देखा जाता है। मां ही वह शक्ति है, जिसके बिना जीवन की कल्पना करना असंभव है। कई धार्मिक विचारों में मां को ईश्वर का साकार रूप माना गया है, क्योंकि जिस प्रकार परमात्मा सृष्टि का आधार है, उसी प्रकार मां अपने परिवार और भावी पीढ़ी का आधार होती है।

पहली गुरु और मार्गदर्शक

मां न केवल जीवन देती है, बल्कि जीवन जीने का सही तरीका और संस्कार भी सिखाती है। एक बच्चा अपनी पहली शिक्षा किसी स्कूल से नहीं, बल्कि अपनी मां की गोद से प्राप्त करता है। भाषा, संस्कार, सही-गलत की पहचान और दुनिया को देखने का नजरिया सब मां ही सिखाती है। मां ही बच्चे की पहली मेंटर होती है। वह बिना किसी डिग्री के भी जीवन के सबसे कठिन पाठ पढ़ा देती है। इसीलिए मां को हमारे जीवन की पहली गुरु और मार्गदर्शक माना जाता है। मां ही बच्चे के साथ सबसे अधिक समय बिताती है, उसे जीवन के प्रारंभिक पाठ सिखाती है। मां की सिखाई बातें जीवन भर अपनी संतान का मार्गदर्शन करती हैं।

निःस्वार्थ प्रेम की पराकाष्ठा

मां के निःस्वार्थ प्रेम और समर्पण के कारण ही उसे जीवनदाता और सबसे अच्छी दोस्त भी कहा जाता है। आज की व्यावसायिक दुनिया में हर रिश्ता किसी न किसी उम्मीद या लेन-देन पर टिका होता है। लेकिन मां का प्यार 'अनकंडीशनल' होता है। बच्चा चाहे कितना भी बड़ा हो जाए, सफल हो या असफल, मां के लिए वह हमेशा वही मासूम जान रहता है। उसका प्यार बदले में कुछ नहीं मांगता, बस अपने बच्चे की मुस्कुराहट चाहता है। मां का स्नेह, त्याग और ममता न केवल बच्चों का मार्गदर्शन करती है, बल्कि समाज और मानवता की नींव भी रखती है।

अनकही बातों को समझने का हुनर

दुनिया के हर रिश्ते में अपनी बात समझाने के लिए शब्दों का सहारा लेना पड़ता है, लेकिन मां के साथ ऐसा नहीं है। आपकी आंखों की नमी, आपकी आवाज की खनक या आपकी चुप्पी, मां सब कुछ बिना कहे समझ लेती है। यह 'इंट्यूशन' और 'टेलीपैथी' जैसा जुड़ाव केवल मां के साथ होता है। 'मां' के पास अपनी संतान की अनकही बातों को समझने का जो हुनर होता है, वह शब्दों का मोहताज नहीं होता। यह गुण केवल एक मां ही रख सकती है, जिसे दुनिया के किसी और रिश्ते में पाना लगभग असंभव है। एक मां का दिल वह खजाना है, जिसमें केवल त्याग और प्रेम भरा होता है। मां न केवल अपनी संतान की भावनाओं को समझती है, बल्कि उनमें गहरी रुचि और परवाह भी दिखाती है। चाहे रोते हुए बच्चे को चुप कराना हो या किसी जटिल बात को सरलता से समझाना, मां, संचार के इस कौशल में माहिर होती है। मां का धैर्य, उसका निःस्वार्थ प्रेम ही उसे बच्चे के मन की उन बातों को भांपने की शक्ति देता है, जो वह कभी नहीं कह पाता।

सबसे सुरक्षित आश्रय

बाहर की दुनिया कितनी भी कठोर क्यों न हो, जब एक बच्चा अपनी मां की गोद में सिर रखता है, तो उसे दुनिया का सबसे सुरक्षित कोना महसूस होता है। मां की गोद को दुनिया का सबसे सुरक्षित आश्रय मानने के पीछे केवल भावनाएं ही नहीं, बल्कि ठोस वैज्ञानिक और मनोवैज्ञानिक शोध निष्कर्ष भी हैं। रिसर्च के अनुसार, मां के साथ शारीरिक संपर्क (जैसे गोद में बैठना या गले लगना) शरीर में ऑक्सीटोसिन हार्मोन को रिलीज करता है। यह हार्मोन तनाव को कम करता है, सुरक्षा का अहसास दिलाता है और मां-बच्चे के बीच एक अटूट बंधन बनाता है। अध्ययनों से पता चला है कि मां का स्पर्श और उसकी मौजूदगी बच्चे के शरीर में कोर्टिसोल (तनाव बढ़ाने वाला हार्मोन) के स्तर को कम कर देती है। इससे बच्चा खुद को शांत और सुरक्षित महसूस करता है। सिंगापुर में किए गए एक अध्ययन के अनुसार, जो बच्चे मां के अधिक संपर्क में रहते हैं, उनके 'सोशल ब्रेन' का विकास बेहतर होता है। यह उन्हें भावनाओं को समझने और सामाजिक रूप से सक्रिय बनने में मदद करता है। मनोवैज्ञानिक जॉन बाउल्बी की 'अटैचमेंट थ्योरी' बताती है कि मां की गोद बच्चे के लिए एक 'सिक्योर बेस' (सुरक्षित आधार) का काम करती है। जब बच्चा यहां सुरक्षित महसूस करता है, तभी उसमें बाहर की दुनिया को एक्सप्लोर करने का आत्मविश्वास आता है। 'कंगारू केयर' (त्वचा से त्वचा का संपर्क) पर हुई रिसर्च बताती है कि मां की गोद में रहने से शिशुओं के दिल की धड़कन और शरीर का तापमान स्थिर रहता है, जिससे उनका शारीरिक स्वास्थ्य बेहतर होता है। a

विशाल हृदयी-त्याग की मूरत मां

एक महिला जब मां बनती है, तो वह अपनी नींद, अपनी पसंद, अपना करियर और कभी-कभी अपनी पहचान तक को पीछे छोड़ देती है। सबसे रोचक बात यह है कि वह इसे 'त्याग' नहीं मानती, बल्कि अपनी खुशी मानती है। अपनी थाली की आखिरी रोटी बच्चे को खिलाकर पेट भरा हुआ महसूस करना, यह जादू सिर्फ मां कर सकती है। इंसान गलतियों का पुतला है, और हम अकसर जाने-अनजाने अपनों का ही दिल दुखाते रहते हैं। जहां दूसरे रिश्ते छोटी-सी ठेस से टूट जाते हैं या उनमें दरार आ जाती है, मां का दिल वह समंदर है, जो आपकी हर गलती को समा लेता है। वह डांटती है, नाराज होती है, लेकिन कभी आपका हाथ नहीं छोड़ती। उसका विशाल हृदय संतान को क्षमा करने में देर नहीं करता। जब पूरी दुनिया आप पर शक करती है, तब मां ही होती है, जिसे यकीन होता है कि आप सब कुछ कर सकते हैं। मां का 'मेरा बच्चा सबसे अच्छा है' वाला विश्वास हमें बड़े से बड़े संकट से लड़ने की शक्ति देता है। मां का भरोसा ही वह चेतना जगाती है, जिससे हमारा आत्मविश्वास चमकता है।

प्यार से सिखाते-समझाते हुए अपनी मां को बनाएं टेक्नो-स्मार्ट

आप जरूर चाहेंगी कि जैसे स्मार्ट फोन और गैजेट्स के जरिए रोजमर्रा के ढेरों काम आसानी से कर लेती हैं, वैसे ही आपकी मम्मी भी कर लें। इसके लिए आपको ही उनकी हेल्प करनी होगी। उन्हें आप बहुत आसानी से टेक्नो-स्मार्ट बना सकती हैं।

सजेशन

ललिता गोयल

आज के डिजिटल दौर में मॉम को भी टेक्नो-फ्रेंडली होना बहुत जरूरी है। इससे उनको अपनी फेवरेट रेसिपी ढूंढ़ने या अपने रिलेटिव्स से बात करने के लिए किसी की मदद का इंतजार नहीं करना पड़ेगा। वे खाली समय में अपना एंटरटेनमेंट कर पाएंगी, इससे उन्हें खुशी मिलेगी और उनका कॉन्फिडेंस भी बढ़ेगा। आप बहुत आसानी से मॉम को टेक्नो-स्मार्ट बना सकती हैं। इसकी शुरुआत मदर्स-डे से कर सकती हैं।

दोस्त बनकर सिखाएं: अगर टेक्नोलॉजी से जुड़ी मां को एक बार में कोई बात समझ नहीं आ रही तो परेशान या इरिटेट न हों। एक दोस्त की तरह व्यवहार करें, बार-बार प्यार से समझाएं। एक उम्र के बाद टेक्नोलॉजी से जुड़ी बातें सीखने में डर, हिचक होती ही है। ऐसे में उन्हें प्यार से समझाएं, उनका हौसला बढ़ाएं। जैसे आपके बचपन में उन्होंने आपको एक-एक अक्षर और गिनती सिखाई थी, वैसे ही अब आपकी बारी है।

छोटे कदमों से करें शुरुआत: सीधे मुश्किल फंक्शंस सिखाने की बजाय, रोजमर्रा की जरूरत वाली चीजें जैसे- व्हाट्सएप पर वीडियो कॉल, मैसेज टाइप करना, फोटो शेयर करना, यू-ट्यूब पर वीडियो देखना सिखाएं। जब वे इतना सीख जाएं तब उन्हें दूसरी बातों के बारे में बताएं।

ऑनलाइन फ्रॉड की जानकारी: अपनी मॉम को ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचने के टिप्स भी जरूर बताएं जैसे कि अनजाने लिंक पर क्लिक न करना और ओटीपी शेयर न करना। अनजान लिंक्स के खतरों के बारे में भी समझाएं ताकि कोई नुकसान न उठाना पड़े।

एंटरटेनमेंट: अगर मां को गाने सुनना पसंद हैं, तो उनके फोन पर यू-ट्यूब या स्पॉटीफाई में उनके फेवरेट गानों की प्ले-लिस्ट बना दें। अगर उन्हें किताबें पढ़ना पसंद है, तो ई-बुक्स के बारे में बता सकती हैं। अगर आपकी मां को लिखने का शौक है तो आप उन्हें पर्सनल ब्लॉग बनाना भी सिखा सकती हैं।

वीडियो कॉलिंग: अपनी मम्मी को जरूर सिखाएं कि कैसे वे अपनी सहेलियों या रिश्तेदारों से बिना किसी की मदद के वीडियो कॉल कर सकती हैं। अपने करीबियों को देखते हुए बात करना उन्हें बहुत खुशी देगा।

कैब बुकिंग: ट्रैवल एप के जरिए मां को कहीं भी आने-जाने के लिए कैब बुकिंग करना भी सिखाएं। इससे कहीं भी अकेले आने-जाने के लिए वे आत्मनिर्भर बनेंगी।

हेल्थ-फिटनेस नॉलेज: मां के फोन में कोई योगा एप डाउनलोड कर दें। इनमें 50 से अधिक की उम्र के हिसाब से आसान योगासन और ब्रीदिंग एक्सरसाइज के तरीके मिल जाएंगे। इनकी मदद से उन्हें फिट और हेल्दी रहने में बहुत मदद मिलेगी।

डिजिटल पेमेंट: उन्हें यूपीआई से पेमेंट करना जरूर सिखाएं। इससे वे आत्मनिर्भर बनेंगी और जब चाहेंगी अपनी पसंद की शॉपिंग कर सकेंगी। इससे उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा। जब मां अपनी पसंद की चीजों को डिजिटल तरीके से खुद एक्सेस कर पाएंगी, तो उन्हें बहुत खुशी मिलेगी।

टेक्नो फ्रेंडली बनने के फायदे: जब आपकी मॉम टेक्नोस्मार्ट हो जाएंगी तो यह कई तरीके से उनके लिए फायदेमंद होगा।

- वे घर बैठे ऑनलाइन सामान ऑर्डर कर सकती हैं।
- वे डिजिटल माध्यम से दूर बैठे परिवार वालों से आसानी से जुड़ सकती हैं।
- वे नई चीजें सीखकर नॉलेज बढ़ा सकती हैं।
- अपने खाली समय में एंटरटेनमेंट कर सकती हैं, इससे उन्हें बोरियत नहीं होगी। a

मेकअप

सरिता गुप्ता

प्रॉपर मेकअप से मां दिखेंगी सिंपल-सोबर

जिस तरह का मेकअप यंग एज में किया जाता है, वैसा मिड एज में नहीं किया जा सकता है। दरअसल, बढ़ती उम्र के साथ त्वचा में कई बदलाव आने लगते हैं, जैसे झुर्रियां, ढीलापन, ड्रायनेस और पिग्मेंटेशन। ऐसे में मेकअप का तरीका भी बदलना जरूरी हो जाता है। सही मेकअप न केवल चेहरे की कमियों को छिपाता है बल्कि नेचुरल ग्लो भी बढ़ाता है। इस मदर्स-डे पर, अपनी मां को एक नया सिंपल-सोबर लुक देने के लिए आप यहां बताए जा रहे मेकअप स्टेप्स फॉलो करें। यकीन मानिए, आपकी मॉम और भी प्यारी दिखने लगेंगी।

स्किन केयर से करें शुरुआत: मेकअप से पहले स्किन को प्रिपेयर करना बहुत जरूरी है। उम्र बढ़ने के साथ स्किन ड्राय होने लगती है। इसलिए सबसे पहले मॉयश्चराइजर का इस्तेमाल जरूर करें। फिर हाइड्रेटिंग सीरम और प्राइमर का उपयोग करें। इसकी मदद से मेकअप स्मूथ लगता है और लंबे समय तक टिका रहता है।

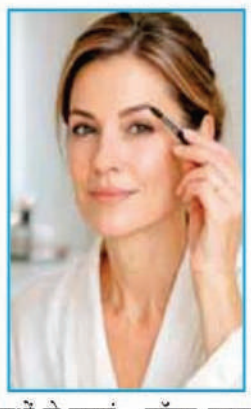

लाइटवेट फाउंडेशन का करें चुनाव: हैवी फाउंडेशन झुर्रियों को और उभार सकता है। इसलिए हमेशा लाइटवेट और हाइड्रेटिंग फाउंडेशन का इस्तेमाल करें। बीबी क्रीम या सीसी क्रीम भी अच्छा विकल्प है। इसे स्पंज या ब्रश की मदद से हल्के हाथों से लगाएं ताकि स्किन नेचुरल दिखे।

कंसीलर का सही इस्तेमाल: आंखों के नीचे डार्क सर्कल्स को छिपाने के लिए कंसीलर का उपयोग करें, लेकिन बहुत ज्यादा मात्रा में इसे न लगाएं। हल्के हाथों से ब्लेंड करें ताकि फाइन लाइंस में प्रोडक्ट जमा न हो।

पावडर कम लगाएं: मेकअप में कम पावडर का इस्तेमाल करें। अधिक पावडर लगाने से चेहरा ड्राय और केकी दिख सकता है। सिर्फ टी-जोन (माथा, नाक और ठोड़ी) पर ही हल्का-सा कॉम्पैक्ट पावडर लगाएं। इस सीजन में ट्रांसलूसेंट पावडर बेहतर रहता है।

सॉफ्ट-न्यूट्रल आई मेकअप: बढ़ती उम्र में आई मेकअप को हल्का और सॉफ्ट रखना चाहिए। ब्राउन, पीच या न्यूड शेड्स का इस्तेमाल करें। बहुत ज्यादा ग्लिटर या डार्क शेड्स अप्लाई करने से बचें। आईलाइनर पतला लगाएं और मस्कारा से पलकों को हल्का वॉल्यूम दें। इसके बाद आइब्रो पेंसिल से आइब्रोज को हल्की सी शेप दें।

नेचुरल ग्लो के लिए ब्लशर: बढ़ती उम्र में क्रीम ब्लश का इस्तेमाल करना ठीक रहता है क्योंकि यह स्किन को हाइड्रेटेड लुक देता है। पीच या पिंक शेड चेहरे को फ्रेश और यंग लुक देते हैं।

लिपस्टिक के शेड्स: डार्क और बहुत ब्राइट कलर्स की बजाय सॉफ्ट शेड्स जैसे रोज, पिंक, पीच या न्यूड शेड्स के लिपिस्टिक का चुनाव करना सही रहता है। लिप्स को पहले मॉयश्चराइज करें और फिर लिपस्टिक लगाएं।

हाइलाइटर का कम यूज: मेकअप के बाद हल्का-सा हाइलाइटर चेहरे को ग्लो देता है। लेकिन इसका ज्यादा इस्तेमाल न करें।

सबसे जरूरी बात यह है कि सिंपल और एलिगेंट लुक ही बढ़ती उम्र में सबसे ज्यादा खूबसूरत लगता है। a

(मेकअप आर्टिस्ट प्राची गोयल से बातचीत पर आधारित)

एडवाइस

डॉ. आरती आनंद

सीनियर क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट

सर गंगाराम हॉस्पिटल, दिल्ली

आप जरूर चाहेंगी कि बढ़ती एज में भी आपकी मॉम न केवल फिजिकली बल्कि मेंटली भी हेल्दी रहें। इसके लिए आप क्या उपाय आजमा सकती हैं, कैसे उनकी मेंटल हेल्थ का ध्यान रखें, जानिए।

मॉम रहेंगी मेंटली हेल्दी

हर परिवार में मां-बेटी के बीच गहरा भावनात्मक लगाव होता है। ऐसे में जिम्मेदार बेटी होने के नाते आपका यह फर्ज बनता है कि आप अपनी मम्मी के मन की बातों को भी समझें। आपकी कोशिश होनी चाहिए कि वे तनावमुक्त और प्रसन्न रहें।

मानसिक सेहत पर प्रभाव: उम्र के पांचवें दशक में प्रवेश करते ही अधिकतर महिलाओं के जीवन में मेनोपॉज की शुरुआत हो जाती है। इस दौरान उनके शरीर में एस्ट्रोजन और प्रोजेस्टेरॉन हार्मोन की मात्रा घटने लगती है। हॉर्मोन संबंधी असंतुलन के कारण महिलाओं को मूड स्विंग की समस्या होती है। वे तनावग्रस्त रहने लगती हैं। उम्र के इस दौर में बच्चों के करियर, विवाह और रिटायरमेंट के बाद पैदा होने वाले खालीपन के बारे में भी सोचकर महिलाएं घबराने लगती हैं।

कैसे पहचानें लक्षण: अगर आपकी मम्मी अकसर सुस्त, चिड़चिड़ी और गुमसुम दिखाई दें या उनकी दिनचर्या और व्यवहार में अचानक कोई बड़ा बदलाव नजर आए, मसलन, कम बोलना, लोगों से मिलने-जुलने से कतराना, एकाग्रता में कमी, निर्णय लेने में घबराहट, रोजमर्रा की छोटी-छोटी बातें भूल जाना, रात में नींद न आना, सिरदर्द, भोजन में अरुचि, यदि ऐसे कोई भी लक्षण नजर आएं तो उन्हें अनदेखा न करें क्योंकि ये डिप्रेशन, स्ट्रेस और एंग्जाइटी जैसी मनोवैज्ञानिक समस्याओं के शुरुआती लक्षण हो सकते हैं। ऐसे में अपनी मां को इमोशनल सपोर्ट देना आपकी जिम्मेदारी है।

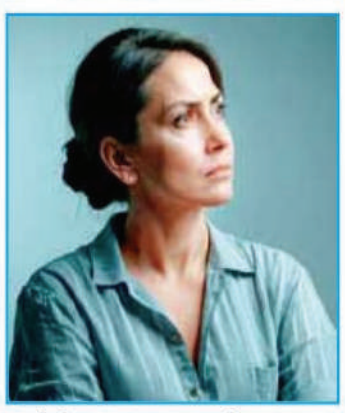

क्या करना चाहिए: रोजाना नियमित रूप से अपनी मां के साथ बातचीत के लिए समय निकालें। अगर कभी वह उदास नजर आएं तो उनसे उनकी उदासी का कारण पूछकर उसे दूर करने की कोशिश करें। सहजता से धीरे-धीरे उनके साथ दोस्ताना संबंध विकसित करने की कोशिश करें। जहां तक संभव हो घर के कामकाज में उनका हाथ बंटाएं। रोजाना सुबह जल्दी उठकर उनके साथ योग और मेडिटेशन करें। इससे ब्रेन में एंडोर्फिन नामक हार्मोन रिलीज होता है, जो खुशी का एहसास दिलाने के साथ अच्छी नींद लाने में भी मददगार होता है। इस बात का भी ध्यान रखें कि कहीं आपकी मम्मी को थायरॉइड की समस्या तो नहीं है, उनके शरीर में विटामिन-डी और विटामिन-बी-12 का स्तर सही तो है न? कई बार इनकी कमी के कारण भी महिलाओं को डिप्रेशन और एंग्जाइटी जैसी मनोवैज्ञानिक समस्याएं परेशान करती हैं। अकेलापन सभी मनोवैज्ञानिक समस्याओं की सबसे बड़ी वजह है, इसलिए उन्हें उनकी रुचि से जुड़ी किसी भी गतिविधि जैसे कीर्तन, सत्संग या किटी पार्टी में शामिल होने के लिए प्रेरित करें। किसी वीकेंड पर उन्हें अपने साथ शॉपिंग पर या डिनर के लिए लेकर जाएं। इस उम्र में महिलाओं की घरेलू जिम्मेदारियां सीमित हो जाती हैं, ऐसे में उन्हें खालीपन महसूस होने लगता है। इस समस्या से बचाव के लिए उन्हें उनकी उन हॉबीज की याद दिलाएं। उन्हें जो भी कार्य पसंद हो, उसकी दोबारा से शुरूआत करें। ऐसी रचनात्मक सक्रियता से वह हमेशा तनावमुक्त और खुश रहेंगी। a

प्रस्तुति: विनीता

वैचारिक जनादेश भी

बंगाल और तमिलनाडु के जनादेश मील-पत्थर हैं। बंगाल जीत कर आरएसएस का चिर-संचित एजेंडा भी पूरा हो गया है, तो तमिलों ने 64 साल पुरानी द्रविड़ राजनीति को खारिज कर नई विचारधारा, नए एजेंडे को चुना है। आरएसएस का पुराना एजेंडा था कि जम्मू-कश्मीर, असम, पूर्वोत्तर और बंगाल को जीत कर राष्ट्रवाद की सत्ता स्थापित करनी है। जनसंघ की स्थापना के बाद डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने जम्मू-कश्मीर पर फोकस किया और एक राष्ट्र, एक विधान, एक निशान, एक प्रधान की विचारधारा पर आंदोलन खड़ा किया। उन्होंने शहादत भी दी। बहरहाल वह दौर घोर अतीत और एक इतिहास हो चुका है, लेकिन आज भाजपा ने बंगाल का ऐतिहासिक, प्रचंड, अभूतपूर्व जनादेश हासिल कर संघ की वैचारिक सोच को संपूर्णता दी है। दरअसल बंगाल, असम, पूर्वोत्तर भाजपा की वैचारिक सफलताओं के प्रतीक हैं। जम्मू-कश्मीर में भी उपराज्यपाल के जरिए भाजपा ही सत्ता में है, क्योंकि वहां उपराज्यपाल ही प्रशासनिक प्रमुख होते हैं। मुख्यमंत्री निर्वाचित हैं, लेकिन वह प्रतीकात्मक हैं। बहरहाल अब देश के अंग, बंग, कलिंग पर संघ परिवार का राजनीतिक वर्चस्व है। भाजपा-एनडीए देश के 21-22 राज्यों और करीब 70 फीसदी भू-भाग पर काबिज हैं। यह सफलता और विस्तार पुरानी कांग्रेस के दौर की पुनरावृत्ति भी लगती है। अब भाजपा के सामने एक देश, एक चुनाव, समान नागरिक संहिता का राष्ट्रीयकरण, बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान और उन्हें देश के बाहर खदेड़ा, देश के नए परिसीमन और अंततः नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लागू करने के एजेंडीय काम शेष हैं। यकीनन वे राजनीतिक चुनौतियां भी हैं। तमिलनाडु का जनादेश भी वैचारिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण है। 1960 के दशक में वहां द्रविड़ राजनीति का आंदोलन ऐसा खड़ा किया गया कि 1967 के बाद कांग्रेस तमिलनाडु की सत्ता में कभी लौट ही नहीं पाई। पेरियार (ईवी रामासामी नायकर) दक्षिण भारत के एक महान समाज सुधारक, तर्कवादी, नास्तिक, द्रविड़ आंदोलन के जनक थे। उन्होंने तमिलनाडु में जाति-व्यवस्था, ब्राह्मणवाद, अंधविश्वास और महिला उत्पीडन के खिलाफ आत्म-सम्मान आंदोलन चलाया। उनके सामाजिक न्याय योगदान के कारण उन्हें पेरियार (महान व्यक्ति) कहा जाता है। द्रविड़ राजनीति का विभाजन हुआ और द्रमुक, अन्नाद्रमुक नामक राजनीतिक दल स्थापित हुए, लेकिन उनकी बुनियादी सोच एक ही थी। उन्हें वैकल्पिक तौर पर जनादेश भी मिलते रहे। मौजूदा संदर्भों तक द्रविड़ राजनीति देश में उत्तर बनाम दक्षिण, हिंदी-विरोधी, सनातन-विरोधी की पर्याय ही बनी रही। निवर्तमान मुख्यमंत्री स्टालिन के पुत्र उदय स्टालिन ने सनातन धर्म की तुलना मच्छर, मलेरिया, डेंगू और कोरोना से की और उनके समूल नाश के आह्वान किए। अब विधानसभा चुनाव में तमिल जनता ने छह दशकों के लंबे कालखंड के बाद द्रविड़ राजनीति को खारिज किया है। यह बहुत बड़ा वैचारिक बदलाव है। हालांकि सुपरस्टार विजय की दो साल पुरानी पार्टी टीवीके को बहुमती जनादेश नहीं मिला है, लेकिन वह सबसे बड़ी पार्टी और बहुमत के बेहद करीब है, लिहाजा सत्ता का आमंत्रण उन्हें ही मिलेगा। विजय ने व्यापक संदर्भों में भ्रष्टाचार के खिलाफ और शिक्षा-रोजगार जैसे क्षेत्रों में सुधारों का एजेंडा पेश किया है। बंगाल, तमिलनाडु, असम के संदर्भ में मुफ्तखोरी की रेवडिां जिस तरह परोसी गई हैं, वे अंततः देशहित में नहीं हैं और देश पर कर्ज का बोझ ही बढ़ाएंगी। प्रधानमंत्री मोदी रेवडिों का सार्वजनिक विरोध करते रहे हैं, लेकिन फिर भी उनकी पार्टी रेवडिों को गारंटी के तौर पर परोसती है। तमिलनाडु पर करीब 10.42 लाख करोड़ रुपए और बंगाल पर 7.90 लाख करोड़ रुपए का कर्ज है। बंगाल में करीब 6688 कंपनियां और फैक्टरियां राज्य छोड़ कर कहीं और चली गई हैं। बंगाल के करीब 7.18 लाख लोग पलायन कर चुके हैं। तमिलनाडु की आर्थिक विकास दर बेहतर है, लेकिन कर्ज कैसे चुकता किया जाएगा? औसत चुनाव में किसानों के कर्ज माफ के आश्वासन दिए जाते हैं।